* * * *

शुभम संदेश

॥ छठ महापर्व ॥

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● रविवार, 19 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ✗ ● वर्ष : 1, अंक : 212 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

विश्व कप में हेड टू हेड

कुल मैच - 13

ऑस्ट्रेलिया	भारत
8	5

विश्व कप नॉकआउट में भारत-ऑस्ट्रेलिया

- 2003 फाइनल - ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रनों से हराया
- 2011 क्वार्टर फाइनल - भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया
- 2015 - सेमीफाइनल - ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 95 रनों से हराया

ओवरऑल हेड टू हेड (वनडे)

कुल मैच 150

भारत जीता	57
ऑस्ट्रेलिया जीता	83
नो रिजल्ट	10

फाइनल जंग

विश्व कप में 20 साल बाद भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल आज

भाषा । अहमदाबाद

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपनी विरासत खड़ी करने के लिए तैयार हैं और रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व कप फाइनल में वह करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की प्रार्थनाओं के बीच अपने 10 साथियों के साथ पांच बार के विश्व चैंपियन के खिलाफ इतिहास रचने उतरेंगे. विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप का खिताब जीतने के अहसास से अच्छी तरह वाकिफ हैं और रोहित शर्मा भी 2007 में पहला टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं. रविवार को होने वाला फाइनल पूरी तरह से अलग होगा. टीम का ध्यान सिर्फ टूर्नामेंट जीतने पर नहीं होगा बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं का सैलाब भी उमड़ेगा. रोहित और टीम के उनके साथी कहते रहे हैं कि मैदान के बाद क्या बोला जा रहा है इसका उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन बाहर से प्रशंसकों की आवाज ने ही खेल और इस टीम को इतना बड़ा बनाया है. कपिल देव ने 1983 में जब लाड्र्स में विश्व कप ट्रॉफी उठाई थी तो यह भारतीय क्रिकेट में नए युग की शुरुआत थी. महेंद्र सिंह धोनी ने 2011 में जगह फाइनल में विजयी छक्का जड़ा तो इससे विश्व क्रिकेट में भारत के दबदबे की शुरुआत की. भारतीय क्रिकेट टीम 2023 में अपना तीसरा एकदिवसीय विश्व कप ही नहीं जीतना चाहेगी बल्कि 50 ओवर के प्रारूप को भी बचाना चाहेगी जो पिछले कम से कम पांच साल से अपनी पहचान बचाने के लिए जूझ रहा है.

2003 में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में दी थी मात

भारत और ऑस्ट्रेलिया दूसरी बार विश्व कप में फाइनल में आमने-सामने होगी. इससे पहले दोनों टीमों के बीच 2003 में फाइनल मुकाबला खेला गया था, जहां भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था. इस बार भारतीय टीम 20 साल पहले मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी.

जो सपने देखते हो इस चीज के लिए देखते हो. कल वही दिन होगा. एथलीट के लिए सबसे बड़ा चैलेंज यही होता है कि आप उस दिन कैसा प्रदर्शन करते हो. सभी 11 खिलाड़ियों का यही फोकस होगा. ऐसी स्थिति में निश्चिंत रहना और कूल रहना महत्वपूर्ण होगा. आप अगर दबाव में नहीं हो तो आप अच्छे फैसले ले सकते हो. बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाज तक कूल रहने की जरूरत होगी. **-रोहित शर्मा**, कप्तान भारत

रोहित शर्मा और विराट कोहली को आउट करने के लिए उनके पास खास प्लान है. हालांकि, उन्होंने यह बात स्वीकार की कि उन्हें शमी से बचकर रहना होगा. कमिंस ने कहा "पिच काफी अच्छी लग रही है, टूर्नामेंट में पहले भी इसका इस्तेमाल किया जा चुका है. मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए. **-पैट कमिंस**, कप्तान ऑस्ट्रेलिया

अजेय भारत : लगातार 11 जीत के साथ इतिहास रचना चाहेगा भारत

आस्था : पहला अर्घ्य आज

सूर्यास्त आज 5:04 | सूर्योदय कल 6:04

आस्था के महापर्व छठ पूजा समारोह की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. छठ व्रतियों ने शनिवार को चार दिवसीय महापर्व के दूसरे दिन संध्या काल में खरना किया और खीर के प्रसाद का वितरण किया. इससे पूर्व व्रतियों ने दिन भर उपवास रखा और संध्या काल में जलाशयों में जाकर स्नान करने के बाद मिट्टी के चूल्हे पर खरना के प्रसाद में खीर और रोटी बनायी. भगवान सूर्य और माता षष्ठी की पूजा के बाद खरना किया. इसी के साथ महापर्व के लिए 36 घंटे का उपवास प्रारंभ हो गया. आज रविवार को सभी व्रती छठ घाटों पर जाकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे. सोमवार की सुबह उदयगामी सूर्यदेव को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन हो जाएगा.

खरना संपन्न

पं. नेहरू की पत्नी का दंश झेलने वाली बुधनी नहीं रही

रांची। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के साथ हाइडल का स्विच दबवा कर पंचेत डैम का उद्घाटन करने वाली बुधनी मंझियाइन अब नहीं रहीं. 6 दिसंबर 1959 को पंचेत डैम आधिकारिक रूप से अस्तित्व में आया. इसके साथ ही इसी दिन से संथाली समाज से आने वाली बुधनी सामाजिक बहिष्कार का दंश झेलते-झेलते अंततः चल बसी. उसने 65 सालों तक सामाजिक बहिष्कार झेला. शुक्रवार की रात उसका निधन हो गया. पंडित नेहरू 6 दिसंबर 1959 को झारखंड के धनबाद जिले में स्थित पंचेत डैम का उद्घाटन करने आने वाले थे. पंडित नेहरू के स्वागत के लिए एक युवक व युवती की तलाश थी, जिसे नेहरू के आयोजन स्थल आने पर माला पहना स्वागत करना था. उस समय 15 साल की रही बुधनी मंझियाइन को जब नेहरू के स्वागत का प्रस्ताव मिला, तो वह खुशी से झूम उठी. वह दामोदर घाटी निगम में अस्थाई मजदूर के रूप में काम करती थी.

भारी बारिश से दुबई की सड़कों पर आया सैलाब

दुबई। खाड़ी देश संयुक्त अरब अमीरात के कुछ हिस्सों में शनिवार की सुबह हुई झमाझम बारिश और आंधी तूफान के बाद आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. खासकर दुबई की सड़कों पर भारी जलजमाव हो गया. सड़कों पर जमा कई-कई फीट पानी से यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो गया. जलमग्न सड़कों के बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से भी अलर्ट जारी किया गया है. मौसम के और ज्यादा खराब होने की संभावना को देखते हुए समुद्री तटों से बचने और लोगों को घरों में ही रहने की सलाह भी दी गई है. खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन भी पड़ रहा है. लोगों से समुद्र तटों और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है. साथ ही वाहन चालकों से ज्यादा सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है. आंधी और बारिश की वजह से खराब स्थिति को देखते हुए यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से येलो और ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है.

गिरिडीह में वाहन पेड़ से टकराया, 6 की मौत

संवाददाता। गिरिडीह

दुखद हादसा

➲ **वाहन में नौ लोग सवार थे और वे एक विवाह समारोह से लौट रहे थे**

राज्य के गिरिडीह जिले में शनिवार को एक वाहन के सड़क किनारे पेड़ से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई और दो बच्चों सहित तीन लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि दुर्घटना शनिवार तड़के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाघमारा में हुई. वाहन में नौ लोग सवार थे और वे एक विवाह समारोह से लौट रहे थे. पुलिस ने कहा, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया. वहां से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया. इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतकों की शिनाख्त सगीर अंसारी, मो यूसुफ मियां, इम्तियाज, सुभान, याकूब और आफताब अंसारी के रूप में की गई. -पेज 10 भी देखें

छुट्टी की सूचना

छठ महापर्व के उपलक्ष्य में शुभम संदेश और लगातार.इन के कार्यालय में रविवार को अवकाश रहेगा. अतः अखबार का अगला अंक मंगलवार 21 नवंबर को आपके हाथों में पहुंचेगा. शुभम संदेश के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभेच्छुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

-संपादक

चौथे चरण में सिर्फ 3 या 4 प्लॉट हो सकते हैं नीलाम

स्मार्ट सिटी : नहीं मिल रहे ज्यादा ग्राहक, 36 प्लॉट की नीलामी के लिए 24 लोगों ने किया है आवेदन

➲ **दिसंबर में ई-ऑक्शन, हो रही आवेदनों की स्क्रूटनी**

सत्य शरण मिश्रा। रांची

रांची स्मार्ट सिटी के चौथे चरण के ई-ऑक्शन में सिर्फ 3 या 4 प्लॉट की नीलामी हो सकती है. स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन ने एडीबी एरिया के 36 प्लॉटों की नीलामी के लिए विज्ञापन निकाला था. विभागीय सूत्र के मुताबिक, इन प्लॉटों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए सिर्फ 24 इन्वेस्टर्स ने आवेदन किया है. स्मार्ट सिटी के किसी भी प्लॉट की नीलामी के लिए एक प्लॉट के लिए कम से कम 3 निवेशकों का आना जरूरी है. 3 से 4 प्लॉट ही ऐसे हैं, जिनके लिए तीन-तीन निवेशक मिले हैं. बाकी प्लॉटों के लिए एक या दो ही लोगों ने आवेदन किया है. आवेदनों की स्क्रूटनी चल रही है. स्क्रूटनी के बाद ई-ऑक्शन की तारीख की घोषणा होगी.

किस कैटेगरी की जमीन का कितना रेट

चौथे चरण के ई-ऑक्शन में 14 व्यावसायिक प्लॉट नीलामी के लिए रखे गए हैं. इनकी दर 13.24 करोड़ रुपए प्रति एकड़ रखी गई है. मिक्स यूज के लिए 12 प्लॉट रखे गए हैं. इनकी रिजर्व प्राइस 10.14 करोड़ रुपए रखी गई है. शैक्षणिक और संस्थागत क्षेत्र के आठ प्लॉट हैं, जिनकी रिजर्व प्राइस प्रति एकड़ 2.07 करोड़ रुपए है. पब्लिक और सेमी पब्लिक श्रेणी में दो प्लॉट के लिए रिजर्व प्राइस 4.55 करोड़ रुपए रखी गई है.

अधिकांश होर्डिंग्स पर नेताओं, कार्यकर्ताओं, कथित समाजसेवियों और धर्मप्रेमियों का अवैध कब्जा

फोकट की शुभकामनाओं से अंटा पड़ा है पूरा शहर

प्रमुख संवाददाता। रांची

लोक आस्था का महापर्व छठ धूमधाम से मनाया जा रहा है. छठ को लेकर शुभकामना संदेश देने के साथ ही साथ चेहरा चमकाने की भी होड़ मची है. राजधानी की मुख्य सड़कों पर डिवाइडर के बीच खड़े बिजली के खंभे, होर्डिंग्स नेताओं की तस्वीर के साथ शुभकामना संदेशों से अंटे पड़े हैं.

इसके अलावा छठ घाट और उस ओर जानेवाली सड़कों पर जगह-जगह शुभकामना संदेश के होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स लगे हुए हैं. कही बांस के बने तोरणद्वार पर फ्लेक्स के सहारे लटके नेताजी शुभकामना संदेश देते नजर आ रहे हैं, तो कहीं बिल्डिंग, मंदिर, घरों पर लगे हवा में झूलते बैनर पर चिपके नेताजी शुभकामना संदेश थोपते नजर आ रहे हैं. वैसे तो शहर में ज्यादातर होर्डिंग्स सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा लगवाए गए हैं, लेकिन अधिकांश होर्डिंग्स पर नेताओं, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और कथित समाजसेवियों/ धर्मप्रेमियों का अवैध कब्जा है. शहर में होर्डिंग्स लगाने वाली एजेंसी के मुताबिक नेताओं-कार्यकर्ताओं की जो होर्डिंग्स दिख रही हैं, उसे लगाने का कोई शुल्क नहीं दिया गया है. 8-10 छुटभैये नेताओं- कार्यकर्ताओं ने आपस में पैसे जमा किए और सांसद-विधायक के साथ अपनी तस्वीर चिपका कर शुभकामना संदेश देने के लिए होर्डिंग्स, पोस्टर-बैनर पर चिपक लिए. यानी फोकटे में शुभकमाना संदेश दे दिए. अब जिस एजेंसी को नगर निगम ने होर्डिंग्स की जिम्मेवारी सौंपी है,उसका कहना है कि भला नेताजी लोग को कौन रोके-टोके. झूठे बवाल होता है. लेकिन जैसे ही अपने परमानेंट क्लाइंट के लिए होर्डिंग्स की जरूरत होती हैं, वे इन बैनर-पोस्टर पर चिपके-लटके नेताओं को कबाड़ कर डस्टबीन का रास्ता दिखा देते हैं.

मची होड़

- झूलते बैनर पर शुभकामना संदेश देते दिख रहे नेताजी
- एजेंसी को नेताओं-कार्यकर्ताओं की होर्डिंग का शुल्क नहीं मिला

रातू रोड चौराहा से बूटी मोड़ और बूटी मोड़ से खेलगांव चौक तक शुभकामनाओं वाले मीडियम साइज के कुल 15 होर्डिंग्स लगे हुए हैं. इनमें से सिर्फ 7 सरकारी होर्डिंग्स हैं, जबकि बाकी 8 राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों के लोगों की है. वहीं लालपुर से नामकुम चौक तक 6 बड़े और 18 छोटे होर्डिंग लगे मिले. इनमें भी सभी होर्डिंग्स राजनीतिक कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों के लगे हैं. धुर्वा डैम से हॉटलिप्स चौक तक छोटे-बड़े 48 होर्डिंग्स लगी हैं. इनमें से सिर्फ 2 आइपीआरडी की हैं.

वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव लगातार पांचवें वर्ष विस में पेश करेंगे बजट

फरवरी में बढ़ेगा सियासी पारा

संवाददाता। रांची

झारखंड के लिए 2024 काफी अहम होगा. 2024 में ही लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने हैं. वहीं आर्थिक हलचल भी होगी. नए साल में सियासी हलचल के साथ आर्थिक गतिविधियां भी तेज होगी. वित्त मंत्री लगातार पांचवें साल विधानसभा में बजट पेश करेंगे. राज्य सरकार बजट की तैयारी में जुट गई है.

वित्त विभाग ने सभी विभागों से इसे लेकर प्रस्ताव भी मांगा है. साथ ही यह भी कहा है कि फिजूल खर्चों को नजरअंदाज करते हुए प्रस्ताव

भेजें. साथ ही नई योजनाओं का प्रस्ताव दें. साथ ही पिछड़े क्षेत्रों के डेवलपमेंट को ध्यान में रख कर प्रस्ताव भेजने को कहा है. बताते चलें कि इस वित्तीय वर्ष के लिए 1.16 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था. अगले वित्तीय वर्ष के बजट में इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है.

क्या वजह है कि फरवरी में पेश होगा बजट

हर साल वैसे तो राज्य सरकार मार्च में बजट पेश करती है. लेकिन इस बार मार्च के पहले सप्ताह में लोकसभा चुनाव की डुगडुगी बज सकती है. इसे ध्यान में रख कर केंद्र सरकार भी फरवरी में ही अंतरिम बजट पेश करेगी. इसके बाद फरवरी में ही झारखंड सरकार भी आम बजट पेश करेगी.

ब्रीफ खबरें

टनल में फंसे मजदूरों के परिजनों से मिले आदित्य

रांची। भाजपा के राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने उत्तरकाशी टनल में फंसे और ओरमांझी प्रखंड के खिराबेड़ा गांव के 3 मजदूरों के परिजनों से मुलाकात की. उन्होंने मजदूरों के परिजनों को सांत्वना दिया और कहा कि जल्द ही तीनों वापस लौटेंगे. जंगलों से घिरे इस गांव के नौ लोग उत्तराखंड में मजदूरी करने गए हैं, जिसमें तीन मजदूर वहां खनन के दौरान सुरंग में फंसे हैं. मजदूरों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

धार्मिक स्थलों पर हमले की सीबीआई जांच की मांग

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले चार साल के दौरान धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों की सीबीआई जांच कराए. प्रतुल ने कहा कि मांडर के मुड़मा में मंदिरों में प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करने की घटना कोई पहली घटना नहीं है. इससे पहले जमशेदपुर, पलामू, रांची, बोकारो जैसी जगहों पर धार्मिक स्थलों को असामाजिक तत्वों द्वारा निशाना बनाया गया है.

छठ घाटों को समितियों ने आकर्षक ढंग से सजाया, देखते ही बन रही है रौनक

सेवा और भक्ति का अनूठा संगम

संवाददाता। रांची

सूर्य उपासना के महापावन पर्व को लेकर विभिन्न छठ पूजा समितियों ने पूरी ताकत झोंक दी है. शहर के सभी घाट शनिवार की शाम सज-धज कर तैयार हैं. जहां हजारों व्रती और श्रद्धालु अस्त और उदय होते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से आशीष मांगेंगे. सेवा, भक्ति और भाईचारे का अनूठा संगम देखते ही बन रहा है.

वैसे तो सभी छठ घाटों में साफ-सफाई के साथ आकर्षक साज-सज्जा की गयी है, लेकिन छठ पूजा समिति, लाइन टैंक तालाब, जेल रोड तालाब, करमटोली तालाब, हटनिया तालाब, बड़ा तालाब आदि की रौनक देखते ही बन रही है. यहां दूर तक व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए तोरण द्वार बना प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था की गयी है. स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति की ओर से बड़ा तालाब में समुचित व्यवस्था की गयी है. संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि कोलकाता के कारीगरों के द्वारा आकर्षक पुष्प सज्जा की गयी है.

जेल तालाब छठ पूजा समिति : की ओर से घाट में विद्युत सज्जा से

लेकर पुष्प सज्जा के काम को पूरा कर लिया गया है. तालाब के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दिया गया है. अध्यक्ष रोशन लाल वर्मा ने बताया कि महिलाओं के लिए अस्थाई वॉशरूम की भी व्यवस्था की गयी है. यहां भगवान सूर्य की आकर्षक प्रतिमा भी विराजमान की जाएगी.

दिनकर छठ पूजा समिति : हेसल डैम साइट- समिति के सदस्य घाट में सेवा को समर्पित हैं. समिति के ललित और दीपक ओझा ने बताया कि यहां अर्घ्य के लिए दूध का वितरण भी किया जायेगा. इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए चाय की भी व्यवस्था की जा रही है.

छठ पूजा समिति : लाइन टैंक तालाब चड़री में साफ-सफाई से लेकर साज-सज्जा की समुचित व्यवस्था की गयी है. घाट पर भक्ति गीत के कार्यक्रम का भी खास इंतजाम किया जा रहा है. साथ ही वर्ल्ड कप मैच दिखाने का भी प्रयास किया जा रहा है. अध्यक्ष सबलु मुंडा, सागर भगत और विक्की मुंडा, सबलू खान, राहुल मुंडा आदि संग बड़ी संख्या में सदस्य श्रद्धालुओं की सेवा को मौके पर उपिस्थत रहेंगे.

स्टेन रोज क्लब छठ पूजा समिति: स्वर्णरेखा घाट की साफ-सफाई से लेकर साज-सज्जा और विद्युत व्यवस्था का काम पूरा कर लिया गया है. श्रद्धालुओं की सेवा को लेकर छठ घाट पर समिति सदस्य व पदाधिकारी मुस्तैद रहेंगे. व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच चाय आदि भी बांटा जाएगा.

घाटों का किया निरीक्षण

रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, संरक्षक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने छठ घाटों का निरीक्षण किया. साथ ही साथ कृत्रिम तालाबों का भी जायजा लिया. आलोक दूबे ने बताया कि कृत्रिम जलाशयों में पानी की कमी नहीं होगी. इसके लिए निगम प्रशासक ने आश्वस्त किया है कि कृत्रिम तालाबों में पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी. उन्होंने बताया कि पूजा समिति के सहयोग से कृतिम तालाबों में टैंकर से पानी की व्यवस्था की जा रही है.

पूजन सामग्री का किया वितरण

हिंदुस्तानी क्लब, स्टेशन रोड चुटिया के अध्यक्ष विक्की सिंह की ओर से 181 छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री बांटी गयी. मौके पर सांसद संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह, सत्यनारायण सिंह, मनोज मिश्रा, गुरविंदर सिंह सेठी, मदन सिंह, मुनचुन राय, डॉ. राकेश सिंह, रवि प्रेमचंद काछेला, विजय साहू, चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश, अविचल सिंह, विवेक वर्णवाल, जनार्दन साह, मुन्ना सिंह, राजेश सिन्हा, प्रमोद राय, रेनू सिंह आदि उपस्थित थे.

खरना के दिन भी गुलजार रहा छठ बाजार

राजधानी का छठ पूजा का बाजार शनिवार को खरना के दिन भी गुलजार रहा. सुबह से देर रात तक खरीदारों की बाजार में भीड़ रही. सूप, दउरा और माटी के दीया-बाती सहित फल-फूल, पूजन सामग्री की खूब बिक्री हुई. विभिन्न प्रमुख अस्थायी छठ बाजार सहित कचहरी रोड, रातू रोड, महावीर चौक, बूटी मोड़, कोकर बाजार, डोरंडा, सेक्टर-दो, गोंदा टाउन आदि में लगा छठ बाजार भी लागों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा. रविवार को पहला अर्घ्य के दिन बाजार में जमकर खरीदारी होगी.

भारतीय यूथ संगठन : हटनिया तालाब आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगा रहा है. अध्यक्ष राजेंद्र गोप कइला ने बताया कि संगठन 1999 से ही छठ पूजा में व्रतियों तथा श्रद्धालुओं को सहयोग करता रहा है.

सदर अस्पताल में नहीं होगी कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति

संवाददाता। रांची

सदर अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट के पद पर नियुक्ति नहीं होगी. फिलहाल सिर्फ एक ही कार्डियोलॉजिस्ट से सदर अस्पताल में मरीजों को सेवा दी जाएगी. सिविल सर्जन ने बताया कि जब सुविधाएं बढ़ेंगी तो तीन चिकित्सकों के साथ कार्डियोलॉजी विभाग संचालित की जाएगी.

बता दें कि सदर अस्पताल के लिए कुछ दिनों पहले 14 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे. इसमें एक कार्डियोलॉजी, एक ईएनटी, एक फिजिशियन और शेष पदों पर मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति की जानी थी. फिलहाल कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं होगी.

नवजात शिशु सप्ताह का आयोजन : सदर अस्पताल के आयुष्मान सभागार में नवजात शिशु सप्ताह का आयोजन सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार की अध्यक्षता में किया गया. सभा में सिविल सर्जन डॉ

प्रभात कुमार ने नवजात शिशु में हो रही बीमारियों के बारे में विशेष रूप से चर्चा की. इसके अलावा उन्होंने शिशु मृत्यु दर को कैसे कम किया जाए, उस पर भी विस्तार से चर्चा की. वहीं डीपीएम प्रवीण कुमार सिंह ने नवजात शिशुओं में हो रहे रही अल्प तपावस्था, श्वंसन सहित अन्य समस्याओं के बारे मे चर्चा की. उन्होंने ये भी बताया कि हमे विशेष रूप से एसएनसीयू, पीडियाट्रिक और पीकू वार्ड पर ध्यान देना चाहिए. इस दौरान अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ एके खेतान, माला सिन्हा, टेरेसा हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित थे.

'रेल टेका आंदोलन' के आरोपियों को रेलवे कोर्ट से जमानत मिली

संवाददाता। रांची

रेल टेका आंदोलन की अगुवाई के दौरान आरोपी बनाए गए अभियुक्तों को रेलवे कोर्ट ने जमानत दे दी है. इस वर्ष 20 सितंबर को टोटेमिक कुरमी/ कुड़मी विकास मोर्चा के बैनर तले कुरमी/कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर 12 घंटे तक रेल परिचालन रोका गया था.

इसके बाद मुरी आरपीएफ ने कांड संख्या 1561/2023 के तहत केस भी दर्ज किया था. प्राथमिकी में रेलवे एक्ट की धारा 145, 146, 147, 174(a) लगाई गई थी. मामले में शीतल ओहदार, हरमोहन महतो, सखीचंद महतो, दानी सिंह महतो, सपन कुमार महतो और सोनालाल महतो को नामजद अभियुक्त बनाया गया था. आरोपियों की ओर से अधिवक्ता शष्ठीरंजन महतो ने रेलवे कोर्ट में सरेंडर कम बेल फाइल किया था, जिसपर सुनवाई के बाद रेलवे न्यायालय ने सभी आरोपियों को जमानत दे दी है.

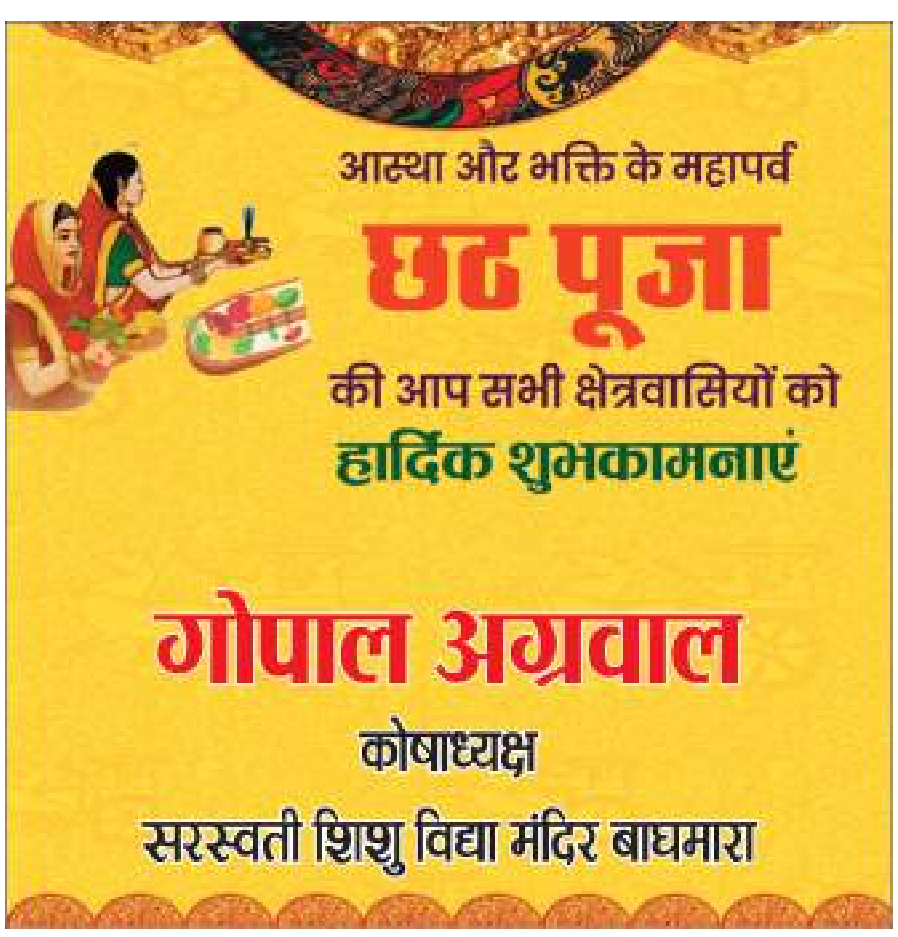

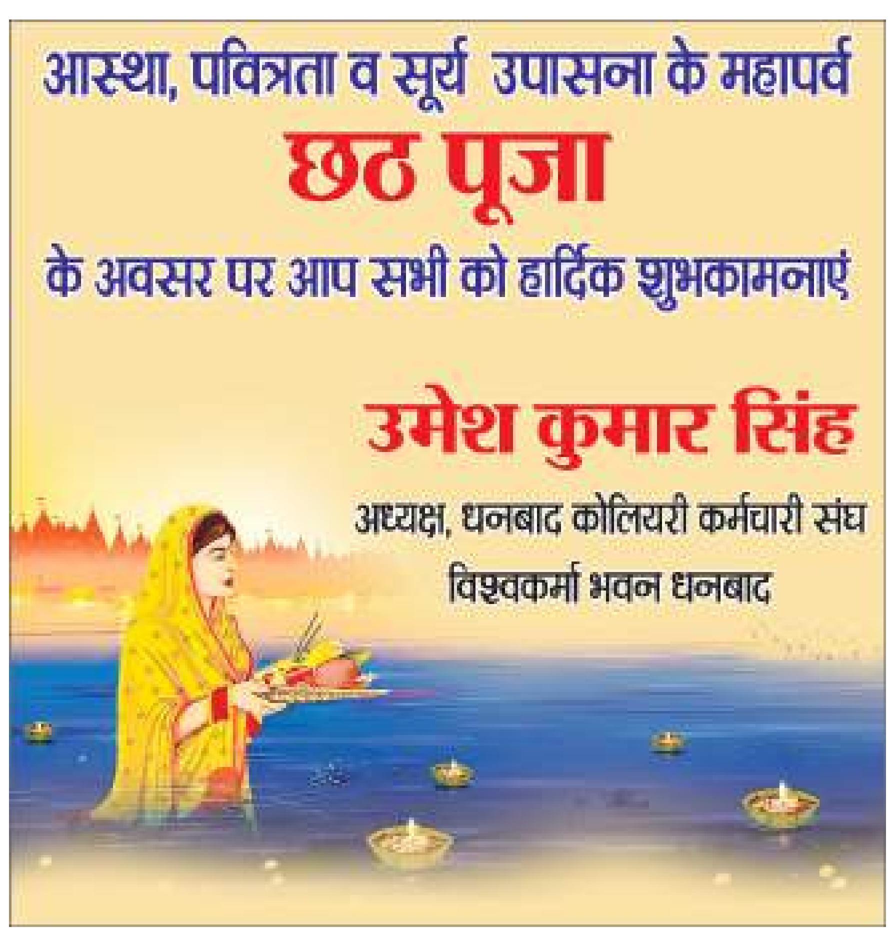

क्लासिफाइड

शुभम संदेश
एक राज्य - एक अखबार

रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगा उठे हैं राजधानी रांची के छठ घाट

आस्था का महापर्व : घर-आंगन, गली-कूचे से लेकर चौक-चौराहों पर गूंज रहे छठी मइया के गीत

केरवा जे फरेला घवद से ओह पर सुगा...

राजन बॉबी। रांची

शनिवार को खरना के साथ ही लोक आस्था के महापर्व छठ व्रत का उत्साह चहुंओर छा गया है. घर-आंगन, गली-कूचे से लेकर चौक-चौराहों तक छठी मइया के गीत गूंज रहे. व्रती जहां भुवन भास्कर और छठी मइया की आराधना में लीन हैं, वहीं घर वाले पूजन सामग्री की खरीदारी कर उसे सहेजने में जुटे हैं. जगह-जगह सजा छठ बाजार गुलजार रहा. किसी ने फल-फूल और ईख तो किसी ने केला खांदी खरीदा. सूप, दउरा से लेकर घटे-बढ़े पूजन सामग्री की खरीदारी की गयी. रविवार को भी घटी सामग्रियों की खरीदारी की जाएगी.

सज-धज कर तैयार हैं छठ घाट : शहर के छठ घाट सज-धज कर दुल्हन की तरह तैयार हैं. आसमान में अस्त होते सूर्य देव ने लालिमा बिखेरी तो भक्ति का रंग और भी चटक हो गया. छठ घाटों के साथ ही पूरा शहर भी रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगा उठा. विभिन्न पूजा समितियों की ओर से इस बार भी आकर्षक साज-सज्जा और प्रकाश आदि की व्यवस्था की गयी है.

प्रसाद पाने को आतुर रहे श्रद्धालु : शनिवार की शाम खरना प्रसाद पाने को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. व्रतियों के घरों पर प्रसाद पाने को तांता लगा रहा. खरना का प्रसाद पाने वालों को रोग-शोक नहीं सताता. सुख-समृद्धि के साथ जीवन में आनंद बना रहता है. इष्ट-मित्रों को इसके लिए पहले से निमंत्रण भी दिया जाता है. लोग खुद जाकर खरना का प्रसाद ग्रहण करते हैं.

अस्त होते सूर्य को अर्घ्य आज

रविवार को अस्ताचलगामी भूवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा. पूरी दुनिया में भारत ही ऐसा देश है, जहां डूबते सूरज की पूजा की जाती है. ब्रह्मांड का चक्कर लगा कर जब सूर्य देव अस्त होने को होंगे तो करोड़ों श्रद्धालु पूरी निष्ठा और भक्तिभाव से अर्घ्य अर्पित कर मनोवांक्षित फल की कामना करेंगे. दोपहर बाद सूप-दउरा सजा व्रती परिवार और इष्ट-मित्र सहित छठी मईया के गीत गाते हुए घाट पहुंचेंगे. व्रती पहले पानी में डूबकी लगा भूवन भास्कर की आराधा करेंगे, फिर सूर्य देव को अर्घ्य अपर्ण करेंगे.

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य कल

सोमवार को उदीयमान भूवन भास्कर को अर्घ्य अर्पण किया जायेगा. इसी के साथ चार दिनी महापर्व छठ व्रत संपन्न हो जायेगा. रात्रि जागरण के बाद अहले सुबह पुनः व्रती घाट पहुंचेंगे. आस्था के सागर में भक्ति की डूबकी लगाने के साथ जैसे ही सूर्य देव धरा पर अपनी किरण बिखेरेंगे, अर्घ्य अर्पण का सिलसिला शुरू हो जायेगा. अर्घ्य अर्पण के बाद व्रतधारी पूजा-अर्चना कर पारन करेंगे. कई घाटों में सत्यनारायण पूजा की भी व्यवस्था की गयी है.

खरना के साथ चहुंओर छाया छठ का उल्लास

फोटो : रमीज

दस लाख लीटर दूध से बनी खरना की खीर

खरना पर खीर के लिए छठ व्रतियों को दूध की कमी नहीं रही. सुधा डेयरी और खटाल संचालकों ने इसकी पुख्ता व्यवस्था की थी. डेयरी ने खरना के दिन छह लाख लीटर दूध उपलब्ध कराया. खटाल वालों ने भी दूध की आपूर्ति में कोई कसर नहीं छोड़ी. भले उन ग्राहकों के दूध से कटौती की गयी, जिनके घर छठ नहीं हो रहा है. ग्राहकों ने भी खटाल वालों को स्वेच्छा से ऐसा करने को कहा था.

सेवा को मुस्तैद रहेंगे सैकड़ों लोग

वैसे तो विभिन्न समितियों की ओर से महापर्व छठ पर खास योगदान दिया ही जा रहा है, लेकिन इससे अलग जाति और धर्म से ऊपर उठ सैकड़ों लोग भी किसी ना किसी रूप में योगदान दे रहे हैं. कोई सूप-दउरा बांट रहा तो कोई मोहल्ले में सड़क की साफ-सफाई आदि के काम में जुटा है. अब सोमवार तक कुछ ऐसा ही नजारा आम रहेगा. ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे सेवा और भक्ति का साम्राज्य स्थापित हो गया हो. पूरा झारखंड और बिहार इस समय भक्तिरस में डूबे हैं.

आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, कोलकाता नासिक से बाजारों में पहुंचे फल

रेहान अहमद। रांची

महापर्व छठ में फलों का महत्व बहुत ज्यादा होता है. इसे ध्यान में रखते हुए राजधानी की फल मंडी में फलों की दुकानें गुलजार हैं. हरमू फल मंडी के संचालक मो फिरोज ने बताया कि छठ व्रतियों की सुविधा के लिए फलों का बड़ा स्टाक आया है. मंडी में 53 आढ़त की दुकानें हैं. इस बार पूरी मंडी में 40 ट्रक केला, सेब 40 ट्रक, अमरूद 2 ट्रक, संतरा 30 ट्रक मंगवाये गये हैं. उन्होंने बताया कि यह थोक बाजार है. इसलिये भी यहां लोगों को कम दर पर अच्छे फल उपलब्ध कराये जाते हैं.

फलों के रेट थोक में

फल	दर
केला कांदी	300 से 700 रुपये
चिन्या केला	150 से 600 रुपये
सेब पेटी	500 से 700 रुपये
संतरा पेटी	600 से 800 रुपये

यहां भी लगे हैं बाजार

लालपुर बाजार, नागा बाबा खटाल, मोरहाबादी मैदान, हरमू बाजार, डोरंडा बाजार, बहू बाजार, बकरी बाजार, जिला स्कूल, चुटिया, धुर्वा, नामकुम, कांके बाजार, चट्टी बाजार, नया सराय बाजार आदि शामिल हैं.

खास बातें

- हरमू डेली मार्केट फल मंडी में 40 ट्रक केला, 40 ट्रक सेब, 30 ट्रक संतरा पहुंचा
- कम दर पर अच्छे फल हैं मौजूद खरीदारी के लिए छठव्रतियों का जुटा हुजूम

हरमू बाजार फल	दर केजी
पनौरा	500 रुपये
सेब	100-120 रुपये
संतरा	60 रुपये
शरीफा	80 रुपये
बैर बड़ा	180 रुपये
छोटा बैर	50 रुपये
अमरूद	80-120 रुपये
सुतनी	300 रुपये
पानी फल	80 रुपये
कबरंगा	300 रुपये
बादाम	120 रुपये
अनार	180 रुपये
शकरकंद	50 रुपये
डांभा	50 रुपये पीस
मटर	200 रुपये
नाशपाती	25 रुपये
गाजर व पौधा	180 रुपये
कच्चा अदरक	200 रुपये
नाशपाती	120 से 240 रुपये

पारंपरिक गीतों की रही धूम

केरवा जे फरेला घवद से ओह पर सुगा मेड़राय..
कहां से उगल सूरज..
कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाये..
अंगना में पोखरा खनाइल, छठी मइया अइहन आज..
रुनकी झुनकी बेटी, पढ़ल पंडितवा दामाद मांगीला हे छठी मइया ...

प्रशासन भी है मुस्तैद

छठ महापर्व को लेकर प्रशासन भी मुस्तैद है. शहर से लेकर घाट तक बड़ी संख्या में जवान तैनात किये गये हैं. अप्रिय घटना से निपटेन के लिए कई घाटों पर तैराक भी तैनात किये गये हैं. हांलाकि कई असुविधा के कारण लोग अब घर-आंगन और मोहल्ले में बने अस्थायी तालाबों पर भी अर्घ्य अर्पित करते हैं.

छठ घाट पर बरतें सावधानियां

- छठ घाट के आसपास आतिशबाजी करने से बचें. अगर आपको आतिशबाजी करनी है तो घाट से दूर खुले मैदान में करें
- **छठ घाट से सटी सड़क की ओर से गाड़ी ले जाने से परहेज करें. वरना भीड़-भाड़ के कारण किसी को चोटें आ सकती हैं**
- छोटे-छोटे बच्चों का खास ख्याल रखें. मुन्ने-मुनियों को जलाशयों और तालाब में ना जाने दें.
- **उदीयमान सूर्य के अर्घ्य के बाद तैरना नहीं आता है तो पानी में उतरने से बचें**
- तालाबों में की गयी बैरिकेडिंग के पार जाकर अर्घ्य देने की कोशिश न करें

करमटोली तालाब : उगते और डूबते सूर्य की पूजा के लिए शहर और आसपास के सभी छठ घाट जगमगाती छटा बिखेरते हुए तैयार.

आस्था हरमू हाउसिंग कॉलोनी में बनाए गए हैं 14 कृत्रिम तालाब

1500 से अधिक लोग स्वच्छता के साथ करेंगे छठ

संवाददाता। रांची

राजधानी में नदी, तालाब के प्रदूषित होने के कारण लोगों को आस्था का महापर्व छठ मनाने में काफी परेशानी होने लगी है. हरमू नदी, स्वर्ण रेखा नदी व कई तालाबों में आस पास के मुहल्लों का गंदा पानी गिरता है. लोग इनमें छठ करना कम कर दिये हैं. इस कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घरों में बड़ा टब एवं मुहल्ले में बनाये गये कृत्रिम छठ घाटों में पर्व मना रहे हैं.

वार्ड 26 हरमू क्षेत्र में बड़ी आबादी में लोग रहते हैं. यहां पूर्व में हजारों लोग हरमू नदी में छठ करते थे. पूर्व पार्षद अरुण झा व प्रदीप कुमार से हरमू क्षेत्र में खाली पड़ी जगहों पर कृत्रिम छठ घाट बनवाने के लिए लोगों ने कहा. इस तरह पूर्व पार्षदों ने कृत्रिम घाट बनवाए. पूर्व पार्षद अरुण झा ने 13 कृत्रिम छठ घाट जगह-जगह पर बनवाये हैं. छठ पर्व संपन्न होने के बाद इन्हें फिर से बंद कर दिया जाएगा.यहां 1500 से अधिक व्रती महापर्व मनाते हैं. इसमें सहयोग करने वालों में संदीप कुमार, पंकज कुमार, विकास कुमार, अंश कुमार, यश कुमार, राकेश कुमार, अभय कुमार चौधरी, गुड्डू चौधरी, ह्दयनंदन सिंह आदि शामिल हैं.

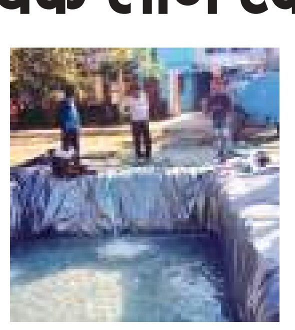

खास बातें

- कृत्रिम छठ घाट पूर्व पार्षद अरुण झा की पहल पर बने हैं हरमू कॉलोनी में

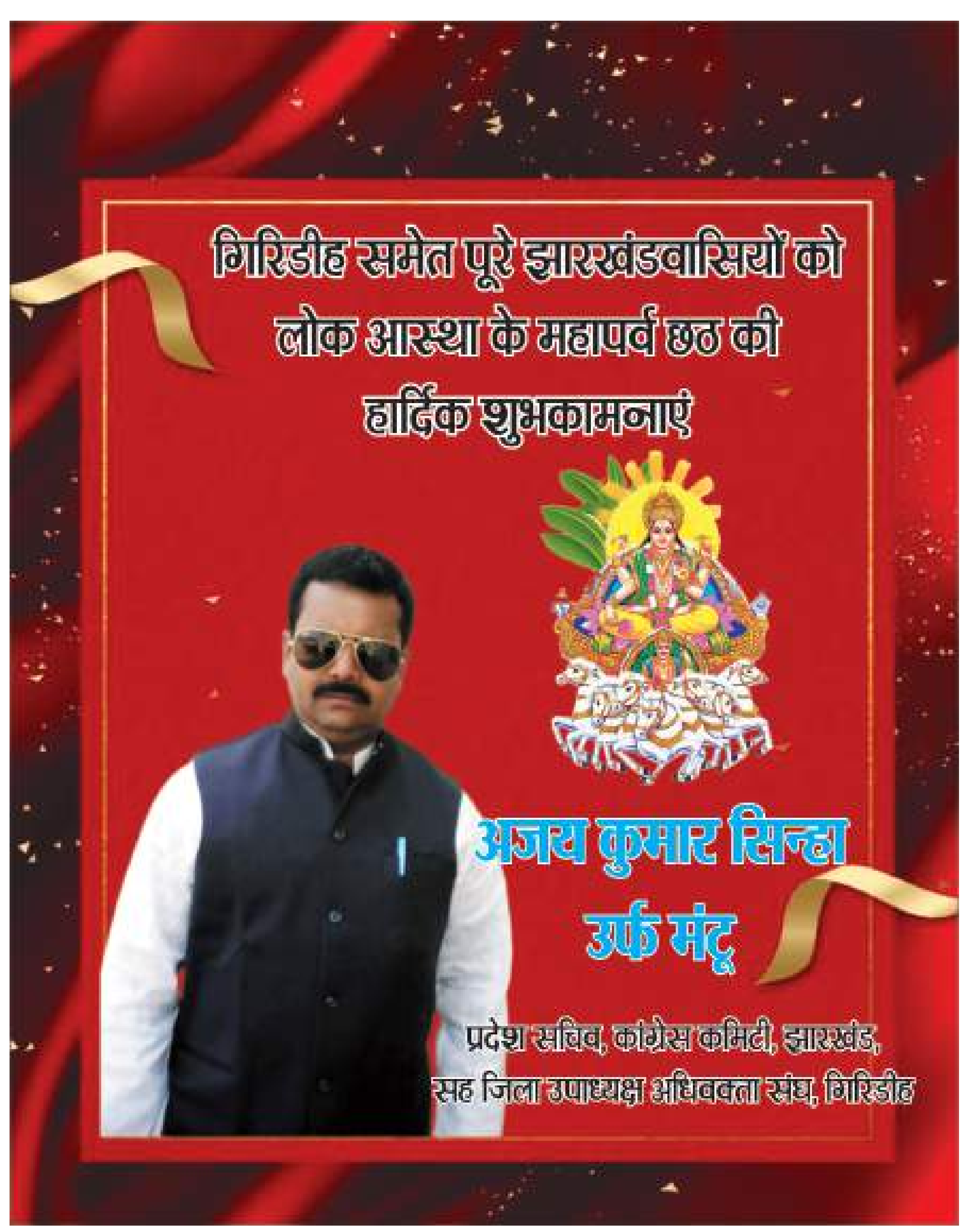

बालू घाटों की नीलामी नहीं होने से सरकार को हो रहा था करोड़ों का नुकसान

9 बड़े बालू घाटों का टेंडर फाइनल

संवाददाता । धनबाद

दो बार रद्द होने के बाद आखिरकार जिले के 9 बड़े बालू घाटों का टेंडर फाइनल स्तर पर पहुंच गया है. इन बालू घाटों की नीलामी नहीं होने से राज्य सरकार को प्रति महीने करोडों रुपये का नुकसान हो रहा था. जेएसएमडीसी (झारखंड स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) की ओर से तैयार मॉडल टेंडर डॉक्यूमेंट के अनुरूप बालू घाटों की नीलामी की गई है. जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं. टेंडर प्रक्रिया में शामिल कंपनियों को अब जेएसएमडीसी द्वारा फाइनल किया जाएगा. जेएसएमडीसी के साथ एग्रीमेंट एवं बाकी कागजी प्रक्रिया पूरा होने में करीब एक महीने का समय लग जायेगा. उन्होंने बताया कि अनुमानतः नए वर्ष की शुरुआत के साथ ही बालू घाटों से बालू का उठाव शुरु हो जाएगा. मालूम हो कि 16 छोटे घाटों को पहले ही मंजूरी दी गई है. इसके बाद बड़े घाटों की नीलामी होनी है. बताया जाता है कि इससे पहले दो बार निकले टेंडर में कंपनियों ने मिलकर एक ही रेट तय किया था. वह काफी कम था. वहीं पहली बार निकले टेंडर में शामिल सभी कंपनियों के रेट में एक पैसे का भी फर्क नही था. सभी ने 13 रुपये 90 पैसे का रेट दिया था. जिससे किसी षड्यंत्र के तहत टेंडर डालने की बात लग रही थी. इसी कारण से टेंडर को रद्द कर दूसरी बार टेंडर निकाला गया था. दूसरी बार भी गड़बड़ी की आशंका होने पर उसे रद्द कर तीसरी बार टेंडर निकाला गया. खनन पदाधिकारी ने बताया कि इस बार 42.52 एवं 31 रुपये का रेट डाला गया है.

हुई नीलामी

- नए वर्ष से लोगों को मिलेगा अब सस्ते दर पर बालू
- पांच सालों के लिए बालू घाटों का हुआ है टेंडर

नीलामी से बालू संकट से मिलेगी निजात

धनबाद के 9 बड़े बालू घाटों की नीलामी से जिले को बालू संकट से निजात मिलेगी. वर्षों से धनबाद के लोग ऊंची कीमत पर बालू खरीद रहे हैं. इससे लोग परेशान थे. वे सरकार से उम्मीद लगाए थे कि जल्द ही इस दिशा में काम हो, ताकि राहत मिल सके. अब घाटों की नीलामी होने से बालू की कीमत कम होगी. मालूम हो कि बालू संकट के कारण निर्माण लागत बढ़ गई है. इससे रियल एस्टेट व सरकारी योजनाएं तक प्रभावित हैं. आम आदमी तो सबसे ज्यादा प्रभावित है. जिन बालू घाटों की नीलामी दुबारा होगी, उनमें जहाजटांड़ व भौंरा झरिया, सिंगरा व नगदा बाघमारा, हरिहरपुर तोपचांची, तेलमचो बाघमारा व एग्यारकुंड प्रखंड स्थित डुमरकुंडा बालू घाट है.

जमशेदपुर के पूर्व डीडीसी की अश्लील तस्वीर हुई वायरल

जमशेदपुर। जमशेदपुर में सेवा देने वाले एक पूर्व डीडीसी का अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. यह फोटो शहर के लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. इस फोटो में डीडीसी एक समाजसेवी महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखाई दे रहे हैं. बीते दिनों समाजसेवी महिला का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वह जेएमएम के एक नेता की पिटाई करती नजर आ रही है. सूत्रों के अनुसार जेएमएम नेता समाजसेवी महिला और पूर्व डीडीसी की अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था, जिसके बाद समाजसेवी महिला ने जेएमएम नेता की पिटाई कर दी थी. पिटाई का वीडियो भी वायरल हो रहा है. आरोप है कि जमशेदपुर के पूर्व डीडीसी और संबंधित महिला के बीच संबंध रहे हैं. हालांकि लगातार.इन व शुभम संदेश की टीम वायरल फोटो की पुष्टि नहीं करती है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- झारखंड में सबसे अधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला – **धनबाद**
- किस क्रिकेट खिलाड़ी का उपनाम सुपर कैट है – **क्लाइव लॉयड**
- गुरु ग्रंथ साहिब में कुल कितने संत कवियों के पद हैं – 17
- कंप्यूटर में आईसी चिप्स का निर्माण किससे होता है – **सिलिकान**
- आम का वैज्ञानिक नाम क्या है – **मैग्नीफेरा इंडिका**
- पूर्व का वेनिस किस शहर को कहा जाता है – **कोच्चि**
- खाद्य एवं कृषि संगठन का मुख्यलाय कहां है – **रोम**
- भारत में रुपकुंड झील कहां है – **उत्तराखंड**
- लैंबर्ट नियम किससे जुड़ा हुआ है – **प्रदीप्ति**
- अरुणाचल प्रदेश का उच्च न्यायालय कहां है – **गुवाहाटीसाउथ अफ्रीका** 58%
- आइसलैंड 37%
- स्लोवेनिया

चार देशों के 15 विदेशी पर्यटक पहुंचे राजमहल

साहिबगंज । राजमहल प्रखंड में चार देशों के 15 विदेशी पर्यटक शनिवार को राजमहल पहुंचे. वहां उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न पर्यटक स्थलों का दीदार किया. जानकारी के अनुसार अमेरिका के 4, ब्रिटेन के 5, जर्मनी के 1 और ऑस्ट्रेलिया के पांच विदेशी पर्यटकों को विदेशी टूरिस्ट गार्ड कोलकाता के गार्ड सुवेंदु मुखर्जी के द्वारा भ्रमण कराया गया.

मछली उत्पादन में सरायकेला टॉप

संवाददाता । चांडिल

जल रानी मछली ने सरायकेला-खरसावां जिले को उत्पादन के मामले में राजा बना कर रखा है. पूरे झारखंड में सरायकेला-खरसावां जिला मछली के उत्पादन में टॉप पर है. यहां खपत से अधिक मछली का उत्पादन होता है. इससे विभाग के साथ मत्स्य पालक किसानों में खुशी है. जिला मत्स्य कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सरायकेला-खरसावां जिले में मछली की खपत 12 हजार मीट्रिक टन है, जबकि मछली का उत्पादन बीते वित्तीय वर्ष में 23 हजार 600 मीट्रिक टन हुआ था. वैसे जिले में मछली की खेती सीजनल होती है.

मुख्यतः बड़े डैम और तालाब में ही मछली की खेती की जा रही है. यहां बाजार और स्टोरिंग व्यवस्था नहीं रहने के कारण मत्स्य पालक किसानों को परेशानी होती है. जिले में इस वर्ष मछली का उत्पादन 25 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा गया है. इसको लेकर विभाग प्रयास कर रही है. वर्तमान में मत्स्य विभाग की ओर से जिले भर के जलाशयों में मछली की अंगुलिकाएं छोड़ा जा रहा है. विभाग की ओर से इस वर्ष पूरे जिले में 65 लाख मत्स्य अंगुलिकाएं छोड़ा जाना है. जिला मत्स्य विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार चांडिल डैम के अलग-अलग क्षेत्र में 55.50 लाख, पालना जलाशय में चार लाख, सीतारामपुर जलाशय में साढ़े तीन लाख और लरगोरा जलाशय में दो लाख मत्स्य अंगुलिकाएं छोड़ा जाना है. जलाशयों में तेलापिया, कोमन कार्प, ग्रासकार्प समेत अन्य प्रजाति का जीरा छोड़ा जा रहा है.

प बंगाल और ओडिशा भेजी जाती हैं मछलियां

सरायकेला-खरसावां जिले में सरप्लस मछली को पश्चिम बंगाल, ओड़िशा के अलावा अन्य शहरों के बाजार में भेजा जाता है. जिले के जलाशयों के अलावा मत्स्य किसान अपने व सरकारी तालाबों में भी मछली की खेती करते हैं. मत्स्य किसानों में चांडिल के वनकिशोर हांसदा, ईचागढ़ के गोपाल सहदेव, कुकडू के अर्जुन कैवर्त, खरसावां के विपिन कैवर्त, सरायकेला के राधा कृष्ण कैवर्त, राजनगर के सूर्यकांत कैवर्त समेत अन्य कई किसान हैं जो मछली की खेती कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रहे हैं. इन किसानों की मछली भी दूसरे प्रदेशों के बाजार में पहुंच रहा है. इसके अलावा विभिन्न जलाशयों में मत्स्यजीवी सहयोग समिति भी है, जिनके माध्यम से मछली की खेती की जाती है.

वरीय अधिवक्ता के चयन के लिए 25 तक लिए जाएंगे आवेदन

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में वरीय अधिवक्ताओं के चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. लेकिन अब तक ज्यादातर वकील वरीय अधिवक्ता के रूप में चयनित होने के लिए नाम देने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं. हालांकि उम्मीद की जा रही है कि पूजा अवकाश के बाद जब हाईकोर्ट खुलेगा, तब वरीय अधिवक्ता के रूप में चयन के लिए आवेदन देने वाले वकीलों की संख्या बढ़ेगी. झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मो. शाकिर के मुताबिक, वरीय अधिवक्ताओं के चयन के लिए 25 नवंबर तक आवेदन लिए जाएंगे. आवेदन मिलने के बाद हाईकोर्ट की कमेटी चयन प्रक्रिया और आवेदनों की स्क्रूटनी समेत अन्य कार्यों में लगेगी. इस बार कई अधिवक्ता वरीय अधिवक्ता बनने की दावेदारी कर सकते हैं.

चयन की राह देख रहे वकीलों का इंतजार जल्द होगा खत्म : झारखंड हाईकोर्ट में वरीय अधिवक्ता के चयन की राह देख रहे वकीलों का इंतजार अब खत्म होने वाला है. उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2017 के बाद से अब फुल कोर्ट की बैठक होगी और वरीय अधिवक्ताओं का चयन किया जाएगा. नियमों के मुताबिक, डेजिग्नेटिड सीनियर के रूप में चयनित होने वाले अधिवक्ताओं को अपनी प्रैक्टिस, अपने जूनियर वकीलों की जानकारी और महत्वपूर्ण मुकदमो में उनके द्वारा की गयी पैरवी के अलावा कई बातों की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है. फार्म भरने वाले वकीलों को इस बात की भी जानकारी देनी है कि जिला बार एसोसिएशन या स्टेट बार काउंसिल के में उक्त अधिवक्ता के खिलाफ मिसकंडक्ट या फिर प्रोफेशनल कंडक्ट का कोई आरोप तो नहीं है.

फिलहाल ये हैं झारखंड के वरीय अधिवक्ता

आर एस मजूमदार, राजीव रंजन, ए के अल्लाम, अजित कुमार, आर एन सहाय, बीएम त्रिपाठी, ए के कश्यप, विजय प्रताप सिंह, भौमिक, जय प्रकाश झा, राजीव शर्मा , बिरेन पोद्दार, अनिल कुमार, पीपीएन राय, आरएसपी सिन्हा, एम के लायक और मणि माला पॉल.

विकास सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

संवाददाता । धनबाद

अवैध हथियार रखने और इस्तेमाल करने के आरोप में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह की जमानत अर्जी पर शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने अदालत से समय की प्रार्थना की. अदालत ने वरीय अधिवक्ता जया कुमार की दलील सुनने के बाद सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख निर्धारित की. इसके पूर्व 11 अक्टूबर को धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने विकास की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी.

बता दें कि विकास सिंह दो अक्टूबर 23 से जेल में बंद है. प्राथमिकी धनबाद थाने में एसआई विदेश्वर पाल के शिकायत पर विकास सिंह, राघव उर्फ रामलला, रोशन सिंह, आदित्य सिंह व नसीम अंसारी के विरुद्ध अवैध हथियार रखने व इस्तेमाल करने के आरोप में 2 अक्टूबर 23 को दर्ज किया गया था. प्राथमिकी के मुताबिक गिरफ्तार प्रिंस का शूटर नसीम अंसारी ने विकास सिंह को प्रिंस खान का हथियार सप्लायर बताया था.

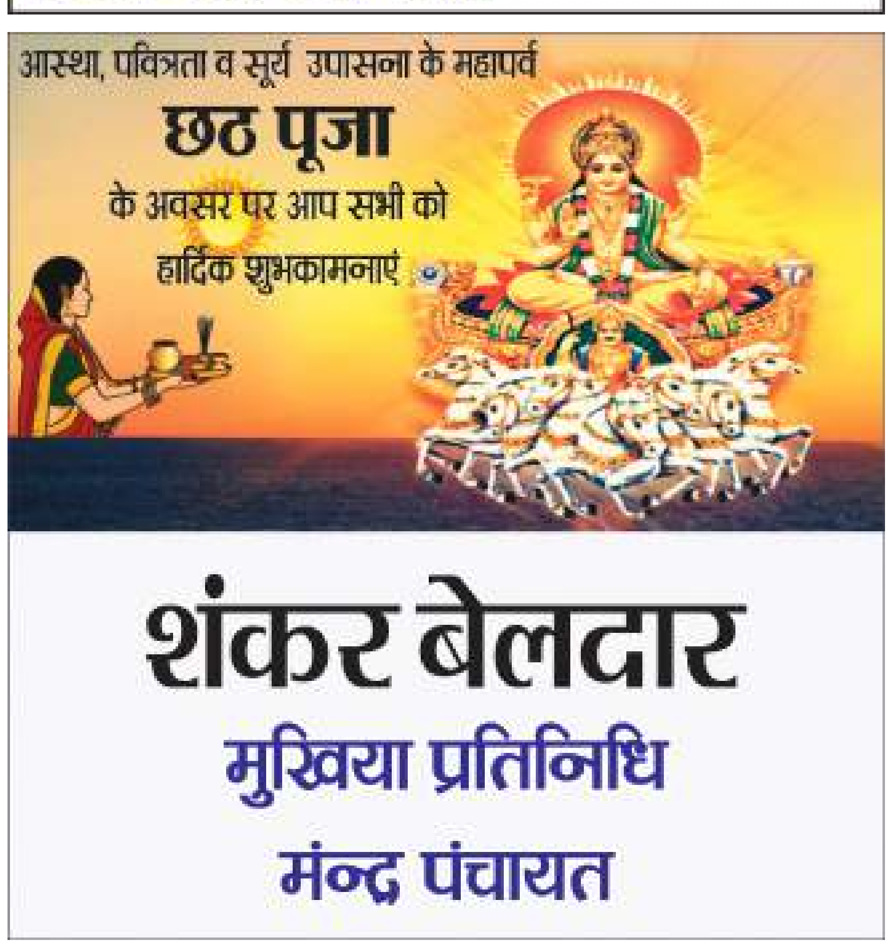

आरओबी निर्माण में हो रहा है घटिया ईंटों का इस्तेमाल

संवाददाता। गोमो

धनबाद रेल मंडल के गोमो रेलवे स्टेशन पर करीब दो करोड़ रुपए की लागत से बन रहे फुटओवरब्रिज निर्माण में निम्न दर्जे की बांग्ला ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है. रेल मंडल के सहायक अभियंता (एईईएन) शुभम पटेल ने शनिवार को निर्माण स्थल पर पहुंच कर कार्यों का जायजा लिया और नाराजगी जताते हुए निर्माण कार्य करा रही कंपनी एसटी कंस्ट्रक्शन के कर्मचारियों को जम कर फटकार लगाई. कहा कि घटिया ईंटों का इस्तेमाल तुरंत बंद करें. उन्होंने कहा प्राक्कलन में एक नंबर ईंट लगाने का स्पष्ट जिक्र है, फिर, घटिया ईंट का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है. सीढ़ी ढलाई के लिए गिराई गई गिट्टी भी निम्न स्तर की है. उन्होंने ठेकेदार को एक नंबर मैटेरियल का इस्तेमाल करने की हिदायत दी. ज्ञात हो कि कि गोमो रेलवे में कंस्ट्रक्शन के कई कार्य चल रहे हैं. कंपनी द्वारा करोडो रुपए की लागत से बनाए जा रहे फ्लैटों में भी बांग्ला भट्ठा के घटिया ईंटों का इस्तेमाल किया गया है. निर्माण में अवैध बालू का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. इस संबंध में रेलवे के अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं.

ब्रीफ खबरें

जलमीनार खराब जल संकट बरकरार

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के भूतिया पंचायत अंतर्गत जुगीशोल गांव में जीवाचरण मुर्मू घर के सामने अवस्थित पेयजल मीनार लगभग छह माह से खराब पड़ा हुआ है. इससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि बंद पड़े सोलर जल मीनार के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को कई बार अवगत करा चुके हैं, फिर भी कोई पहल नहीं हुई.

छठ घाटों पर स्वास्थ्य टीम रहेगी तैनात

आदित्यपुर। छठ घाटों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल, अग्निशमन दल, मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम, गोताखोर एवं एंबुलेंस के साथ स्वास्थ्य टीम तैनात रहेगी. साथ ही छठ घाट जानेवाली सड़कों पर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का डीसी ने निर्देश दिया. शनिवार को डीसी और एसपी के नेतृत्व में जिला प्रशासन की पूरी टीम जिले भर के छठ घाटों के निरीक्षण पर निकले थे. उन्होंने सुरक्षा और सुविधा को लेकर नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग व अग्निशमन विभाग को निर्देश दिए.

आयुष्मान भारत ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

चाकुलिया। आयुष्मान भारत की ओर से शनिवार को चाकुलिया के गायत्री मंदिर परिसर में 10:00 बजे से एक चिकित्सा शिविर लगाया गया. इसमें करीब 75 पुरुष और महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच अनुभवी चिकित्सकों द्वारा की गई. जांच के बाद उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी दी गयीं. डॉ जगमोहन महतो और स्वास्थ्य कर्मी मामोनी सरदार ने स्वास्थ्य की जांच की. इस अवसर परसमाजसेवी लक्ष्मीनारायण दास और जितेंद्र नाथ महतो मौजूद थे.

ग्रामीण एसपी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व को लेकर वर्णिपाल अवस्थित स्वर्णरेखा नदी तट पर छठ घाट का साफ-सफाई , पेयजल, नदी का जलस्तर तथा आने जाने की मार्ग का ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग सह पुलिस निरीक्षक तरुण कुमार व थाना प्रभारी संतन तिवारी ने किया निरीक्षण. वहीं इस महापर्व को लेकर उन्होंने कई सारे दिशा निर्देश दिए. मौके पर गुड्डू पांडे,पिंटू महतो , प्रदीप ठाकुर, रहित सिंह, सुजन और मन्ना मौजूद थे.

थाना परिवार ने व्रतियों के बीच बांटे फल

गढ़वा । जिला के भवनाथपुर थाना चौक पर थाना प्रभारी रामेश्वर प्रसाद उपाध्याय ने छठ व्रतियों के बीच फल का वितरण किया. इस मौके पर थाना प्रभारी रामेश्वर प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन हर साल की तरह इस साल भी थाना परिवार ने व्रतियों के बीच फल बांटे हैं. वहीं थाना परिवार ने भी फल बांटे, जिसमें थाना परिवार के जवानों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

बोकारो व चास के 51 तालाबों व जलाशयों पर की गई 57 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

घाटों पर एनडीआरएफ टीम तैनात

गोताखोर तैयार

- चास व बेरमो अनुमंडल के 11 जलाशय किये गए चिन्हित
- सुबह घाटों पर अर्ध्य के समय मजिस्ट्रेट रहेंगे

संवाददाता।बोकारो

छठ पर्व को लेकर बोकारो जिले के चास व बेरमो अनुमंडल के तालाबों व जलाशयों पर 18 नवंबर से 20 नवंबर तक एनडीआरएफ व गोताखोर की टीम तैनात रहेगी. इसको लेकर चास व बेरमो अनुमंडल के 11 जलाशयों को चिन्हित किया गया है. इन जलाशयों पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है. जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने बताया कि आमजनों की सुरक्षा को लेकर बड़े जलाशयों (जहां छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है) पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की तैनाती की जायेगी. इनमें सेक्टर 9 हरला थाना क्षेत्र के कुलिंग पौंड, बालीडीह थाना क्षेत्र के गरगा डैम, चास थाना क्षेत्र के सोलागीडीह तालाब, बीएस सिटी थाना क्षेत्र के टूटैंक गार्डेन तालाब, पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र के इजरी नदी, चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेलमच्चो पुल, हरला थाना क्षेत्र के कोयला डिपो शामिल है.

बेरमो अनुमंडल के चार तालाब पेटरवार के खत्री मोहल्ला रानीपोखर, बेरमो हिन्दुस्तान पुल, दामोदर नदी के तेनुघाट डैम नबंर वन और चंद्रपुरा के दामोदर नदी में एनडीआरएफ व गोताखोर की टीम तैनात रहेगी. वहीं छठ महापर्व पर बोकारो व चास के 51 तालाबों व जलाशयों पर 57 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. 19 नवंबर की शाम और 20 नवंबर की सुबह घाटों पर अर्ध्य के समय मजिस्ट्रेट मौजूद रहेंगे.

इन रूटों पर बंद रहेंगे बड़े वाहन

छठ को लेकर जिला प्रशासन की ओर शहर से लेकर चास की ओर जानेवाली वाहनों का प्रवेश बंद किया गया है. इनमें से तेलमच्चो सेक्टर 11 मोड़ से सेक्टर 11, पुपुनकी टोल प्लाजा से जोधाडीह मोड़ चास, तलगड़िया मोड़ से जोधाडीह मोड़ चास, आईटीआई मोड़ (फोरलेन) से जोधाडीह मोड़, धर्मशाला मोड़, पिण्ड्राजोरा व उकरीद मोड़, पिण्ड्राजोरा चेक पोस्ट से आईटीआई मोड़ एवं बालीडीह से उकरीद मोड की ओर आने वाली भारी वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा.

छठ घाटों की सिविल सर्जन खुद ही करेंगे निगरानी

धनबाद। महापर्व छठ के अवसर पर 19 और 20 नवंबर को छठ घाटों पर भीड़ होगी. इसे देखते हुए घाटों पर मेडिकल टीम और एक-एक एंबुलेंस रहेंगे. वहीं सिविल सर्जन डॉ. सीबी प्रतापन खुद निगरानी करेंगे.

शहर के सभी प्रमुख घाटों पर टीम की तैनाती रहेगी. सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने बताया कि छठ के दौरान कोई अप्रिय घटना होने पर इसके उचित प्रबंधन के लिए शहर के मनईटांड़ छठ तालाब, राजेंद्र सरोवर (बेकारबांध), राजा तालाब सरायढेला, रानीबांध, पंपू तालाब, राजा तालाब झरिया और सुगियाडीह तालाब के घाटों पर एंबुलेंस की प्रतिनियुक्ति की गई है. सभी घाटों पर चिकित्सा दल तैनात रहेगा. दूसरी ओर अस्पतालों को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है. इमरजेंसी में 24 घंटे की ड्यूटी रोस्टर तैयार किया गया है. सीनियर डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ और जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रहेगा. एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल में तीन शिफ्ट में चिकित्सकों की तैनाती की गयी है. खासकर एसएनएमएमसीएच में एसआर के साथ सीनियर डॉक्टर मौजूद रहेंगे.

छठ व्रतियों के बीच 2700 लीटर दूध का वितरण

लातेहार। श्रीराम टेंट हाउस और सहयोगी संस्था आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम ने शहर के अमवाटीकर मोड़ में छठ व्रतियों के बीच लागत मूल्य पर 2700 लीटर दूध का वितरण किया. संस्थान के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल व श्याम अग्रवाल ने बताया कि लागत मूल्य पर कुल 2700 लीटर दूध का वितरण किया गया. संस्था पिछले 30 वर्षों से छठ पर खीर प्रसाद बनाने के लिए लागत मूल्य पर छठ व्रतियों को दूध उपलब्ध करा रही है. उन्होंने बताया कि औरंगा नदी चटनाही के मुख्य छठ घाट पर छठ व्रतियों को निःशुल्क फल, दूध व चाय भी उपलब्ध कराया जायेगा. मौके पर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, बंसत भगत, संतोष मिश्रा, महेंद्र प्रसाद शौंडिक, मुरली प्रसाद अग्रवाल, निर्मल महलका, विनोद कुमार अग्रवाल, संजय तिवारी, प्रथमेश राज, वनिशा, दयमंती देवी व रश्मि कुमारी समेत कई लोग मौजूद रहे.

नगर पंचायत ने की घाटों की सफाई

चाकुलिया। चाकुलिया में आस्था के महापर्व छठ को लेकर भारी उत्साह है. छठ मैया के गीतों से वातावरण गूंज रहा है. प्रखंड मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित बरसोल में कूपन नदी छठ घाट की सफाई करने में नगर पंचायत प्रशासन की टीम ने कमान संभाल रखी है. शनिवार को नगर प्रबंधक मोनीस सलाम, तापस राय, असीम नाथ और रॉकी दास छठ घाट पहुंचे. नगर पंचायत के सफाई कर्मियों ने छठ घाट की सफाई की. जानकारी हो कि छठव्रती सेवा मंच भी छठ घाट की सफाई करने में जुटा है. मंच द्वारा घाट पर रोशनी समेत अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है. आज मंच के सदस्यों ने भी छठ घाट का मुआयना किया.

गम्हरिया समिति ने डीसी को दी बधाई

आदित्यपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पूर्व आज नवयुवक दुर्गा पूजा कमेटी एवं आदित्यपुर-गम्हरिया विकास समिति के कार्यकर्ता कुलुपटांगा छठ घाट को दुरुस्त करने की तैयारी को अंतिम रूप देने में जुट गए. आदित्यपुर नगर निगम द्वारा भी कुलूपटागा छठ घाट एवं छठ घाट से लेकर रोड नंबर- 14 पहुंच पथ की साफ सफाई की गई. नवयुवक दुर्गा पूजा समिति द्वारा छठ घाट पर लाइट, पानी, सुबह के अर्ध के लिए दूध, दातुन, छठ व्रतधारियों के लिए सुबह चाय और नमकीन की व्यवस्था की गई. पथ प्रकाश एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई. पुरेंद्र ने बताया कि कुलुपटागा छठ घाट पर प्रातः अर्घ्य के दिन जरूरतमंदों के बीच गरम कपड़े का वितरण किया जाएगा.

कई स्थानों पर हो रही है गेहूं की निःशुल्क पिसाई

जमशेदपुर। छठ महापर्व में हर कोई अपना-अपना सहयोग देना चाहता है.अब चाहे फल और पूजन सामग्री बांटने की बात हो या गेहूं और चावल का आटा तैयार करने का मौका मिले. शहर में कई ऐसे चक्की व मिल वाले हैं, जो छठ महापर्व पर गेहूं और चावल की पिसाई निःशुल्क करते है. इसमें उनकी कोई मन्नत पूरी होने जैसी बात नहीं बल्कि छठ महापर्व के प्रति आस्था और सहयोग की भावना है. भुइयांडीह स्थित आटा चक्की के मालिक पप्पू गुप्ता पिछले 18 साल से छठ व्रतियों के लिए गेहूं और चावल की पिसाई कर रहे है. इसके लिए व एक भी पैसा नहीं लेते हैं. उन्हें साल में एक बार यह छोटा सा सहयोग देने का मौका मिलता है.

वे वर्ष 1995 से छठ के लिए गेहूं और चावल की पिसाई करते आ रहे है. इसकी प्रेरणा उन्हें उनकी मां से मिली है. उन्होंने बताया कि गेहूं पिसाई को लेकर सबसे पहले आटा चक्की को पवित्रता के साथ धोते है और आसपास गोबर से लिपाई कर गेहूं की पिसाई शुरू करते है. दो दिनों तक निःशुल्क गेहूं की पिसाई की जाती है.

छठ घाट हुए दुरुस्त, रास्ते पर लगाई जाएगी लाइट

चांडिल। सूर्योपासना का महापर्व छठ को लेकर चांडिल के छठ घाटों को दुरुस्त करने का काम अंतिम चरण में है. चांडिल के जयदा, बामनी जुडिया, कांदरबेडा, शहरबेड़ा, गौरी, चांडिल डैम समेत विभिन्न घाटों में हजारों की संख्या में छठ व्रती पहुंचते हैं और भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण करते हैं. चांडिल क्षेत्र में जमशेदपुर से भी बड़ी संख्या में छठ व्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचते हैं. विभिन्न समिति व क्लबों की ओर से छठ घाटों की साफ-सफाई कर उसे सजाने-संवारने का काम किया जा रहा है. घाट तक जाने वाली सड़क को दुरुस्त कर लाइट लगाई जा रही है. वहीं घाटों पर कपड़े बदलने के लिए घेरा लगाया जा रहा है. छठ पूजा के दौरान दोनों दिन छठ घाटों में विभिन्न समिति व क्लबों की ओर से सहायता शिविर लगाये जाएंगे. शिविरों में व्रती के लिए दातून, कच्चा दूध, अगरबत्ती आदि की व्यवस्था की जाएगी. वहीं जयदा में समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए चाय, बिस्किट, पेयजल व प्रसाद के रूप में खीर की व्यवस्था की जाएगी.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- झारखंड का कितना प्रतिशत भाग कृषि कार्य के योग्य है – 77
- किस नेता को जननायक के नाम से जाना जाता है – **कर्पूरी ठाकुर**
- रॉकेट की गति पर कौन सा संरक्षण सिद्धांत लागू होता है – **संवेग का संरक्षण**
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर कहां स्वीकार किए गए थे – **सैन फ्रांसिस्को**
- ट्रेफलगार के युद्ध में नेपोलियन किस देश से हारा था – **इंग्लैंड**
- आरबीआई ने किस बैंक पर 90 .92 लाख रुपये का जुर्माना लगाया – **एक्सिस**
- बलबन का तत्कालीन उत्तराधिकारी कौन था – **कैकूबाद**
- लोकसभा में कम से कम कितने सत्र जरूरी होते हैं – **साल में दो**
- भारतीय रॉबस्टा किस फसल की कैटेगरी है – कॉफी
- किस राज्य में कंबल खेल खेला जाता है – कर्नाटक

डीसी व एसएसपी ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

संवाददाता ।जमशेदपुर

महापर्व छठ पूजा की पूर्व संध्या पर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं एसएसपी किशोर कौशल ने शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया. मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा, अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजीव रंजन, डीसीएलआर रविन्द्र गागराई, उप नगर आयुक्त जेएनएसी, जुस्को के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

निरीक्षण के क्रम में जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा स्वर्णरेखा घाट मानगो पुल, दो मुहानी घाट, बेली बोधनवाला घाट बिष्टुपुर, बड़ौदा घाट बागबेड़ा, घाटों की साफ-सफाई और व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. उपायुक्त ने छठ घाटों की साफ-सफाई, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था, सभी छठ घाट में चिन्हित किए गए डेंजर जोन एवं बेरिकेडिंग, गोताखोर, समुचित प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया. उन्होंने नगर निकाय, पुलिस, यातायात, विद्युत, आपदा प्रबंधन सहित सभी संबद्ध पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आपस में समन्वय सुनिश्चित करते हुए घाट पर आने वाले सभी छठव्रती को किसी भी तरह की कोई असुविधा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए. साथ ही सुरक्षा व्यवस्था का पूर्ण रूप से अनुपालन हो इसका घाटों पर नियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया. उन्होंने लोगों से अपील किया कि डेंजर जोन और सुरक्षा मार्किंग को न तोड़ें. अपनी सुरक्षा और दूसरों की भी सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखें.

▼ ब्रीफ खबरें

राशन लेने के दौरान मारपीट, एक घायल

देवघर। जसीडीह थाना क्षेत्र के महतोडीह गांव में शनिवार को पीडीएस दुकान से राशन लेने के दौरान हुए विवाद में मारपीट हो गई. इस धटना में संग्रामलोढ़िया बैजनाथपुर निवासी सुजीत दास घायल हो गया. सुजीत दास ने बताया कि वह राशन लेने के लिए पीडीएस दुकान में लाइन में खड़ा था. तभी महतोडीह गांव के ही भगवत देव, नगर देव, संजीत देव पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ बेरहमी से मारपीट की. जसीडीह पुलिस मामले की जांच कर रही है. वहीं, घायल सुजीत दास को इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर भेज दिया.

विवाद में युवक ने महिला को चाकू मारा, गंभीर

तेतुलमारी (धनबाद)। शनिवार की अहले सुबह तेतुलमारी इलाके के चंदौर पहाड़ी में आपसी विवाद को लेकर एक युवक ने महिला को चाकू मार घायल कर दिया. महिला लहूलुहान अवस्था में जमीन पर गिर गई. इसके बाद आनन-फानन में घायल महिला को स्थानीय लोग इलाज के लिए नजदीकी हस्पताल ले गए. जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिकी उपचार कर धनबाद रेफर कर दिया. जिसके बाद महिला को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया. जहां महिला का इलाज चल रहा है.

कब्रिस्तान के पास मिला लापता का शव

जमशेदपुर। टेल्को न्यू बारीनगर कब्रिस्तान के पास शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव पाया गया. इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. मृतक की पहचान गोविंदपुर धुआं कॉलोनी निवासी 38 वर्षीय बबलू पिंगुआ के रुप में की गई है. बबलू 11 नवंबर से लापता था. पुलिस ने बबलू के परिजनों से संपर्क किया. परिजनों ने शव की पहचान की. इसके बाद पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बबलू चाउमिन दुकान में काम करता था. परिजनों ने बताया कि 11 नवंबर को वह काली पूजा के दिन घर से निकला था.

साईं कृपा कंस्ट्रक्शन कंपनी के कैंप परिसर में गोलीबारी, अपराधी फरार

- हेरहंज थाना प्रभारी नीतीश कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, तब-तक अपराधी जंगल की तरफ भाग निकले थे

संवाददाता। बालूमाथ

जिले के बालूमाथ-रांची मुख्य पथ पर स्थित साईं कृपा कंस्ट्रक्शन कंपनी के कैंप परिसर में गोलीबारी हुई है. यह घटना शुक्रवार देर रात की बतायी जा रही है. अज्ञात अपराधियों ने रेलवे कंस्ट्रक्शन का कार्य कर रही कंपनी के कैंप परिसर में करीब 10 से 12 राउंड फायरिंग की. गोलीबारी से डरकर सभी कर्मी कैंप में छुप गये. हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. इधर गोलीबारी की सूचना पाकर बालूमाथ पुलिस इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार, बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो, चंदवा थाना प्रभारी बबलू कुमार, हेरहज थाना प्रभारी नीतीश कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. लेकिन तब तक अपराधी जंगल की तरफ भाग गये थे. घटनास्थल से पुलिस को कोई भी आपत्तिजनक चीज नहीं मिली है. पुलिस नाकेबंदी कर छापामारी कर रही है.

चार दिन पहले भी हुई थी गोलीबारी : बता दें कि इससे पहले 14 नवंबर को भी साईं कृपा कंस्ट्रक्शन कंपनी के हाईवा पर अपराधियों ने गोलीबारी की थी. यह घटना जिले के बुकरु में हुई थी. यह कंपनी टोरी-शिवपुर रेल लाइन में तीसरे चरण का काम कर रही है. इसके बाद कंपनी के एमडी कृपाशंकर सिंह के व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजकर अमन साव गिरोह के मयंक सिंह ने घटना की जिम्मेदारी ली थी. साथ ही धमकी दी थी कि यह तो अभी ट्रेलर है. तीन दिनों के भीतर मैनेज नहीं किया, तो बुरा अंजाम भुगतना होगा. इस धमकी के महज तीसरे दिन ही पुलिस को चुनौती देते हुए अपराधियों ने कैंप परिसर में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है. फिलहाल अपराधियों की संख्या नहीं पता चल पायी है.

साकची में ज्वेलरी दुकान से लाखों की चोरी

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची थाना अंतर्गत शीतला मंदिर के निकट शिव शक्ति ज्वेलर्स नामक दुकान में चोरों ने हाथ साफ कर दिया. इसकी जानकारी दुकान संचालक सत्या दत्ता को तब हुई जब वह शनिवार की सुबह दुकान खोलने पहुंचे. उन्होंने पाया कि दुकान में सामान बिखरा पड़ा है और गहने गायब हैं. गल्ले में भी रखे रुपयों की चोरी कर ली गई है. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है. पुलिस आसपास लगे फुटेज की जांच कर रही है.

वेंटिलेटर तोड़कर घुसे चोर : सत्या दत्ता ने बताया कि वह मानगो डिमना रोड कालिकानगर में रहते हैं. वह काली पूजा के दिन परिवार संग अपने गांव बांकुड़ा चले गए थे. शुक्रवार शाम वह गांव से लौटे थे. आज सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे, तो पाया कि दुकान के अंदर सामान बिखरा पड़ा है. चोरों ने दुकान के बाहर लगे वेंटिलेटर को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया. सत्या ने बताया उनकी दुकान से नकद समेत लगभग 8-10 लाख रुपये मूल्य के गहनों की चोरी हुई है.

आओ जानें

पुलिस के दिए गए मामलों की रिपोर्ट

रांची	417	रामगढ़	21
खूंटी	17	कोडरमा	24
गुमला	28	चतरा	22
सिमडेगा	15	गिरिडीह	72
लोहरदगा	20	धनबाद	260
चाईबासा	22	बोकारो	230
सराइकेला	28	दुमका	34
जमशेदपुर	152	गोड्डा	37
पलामू	72	जामताड़ा	18
लातेहार	16	देवघर	137
गढ़वा	50	साहेबगंज	26
हजारीबाग	144	पाकुड	25

गोड्डा और हजारीबाग से गिरफ्तार हुआ था दो आतंकी

एटीएस ने दोनों आतंकियों को चार दिनों की रिमांड पर लिया

संवाददाता। रांची

गोड्डा और हजारीबाग जिले से आठ नवंबर को गिरफ्तार दो आतंकियों को एटीएस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है. आतंकी संगठन आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी मो. आरिज हसनैन और मो. नसीम उर्फ मोहसिन को झारखंड एटीएस ने इसी महीने गिरफ्तार किया था. गिरफ्तार दोनों आतंकियों से पूछताछ करने के लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वायड ने अदालत में अर्जी दी थी, जिसके बाद अदालत ने गोड्डा के रहने वाले आतंकी आरिज और हजारीबाग के रहने वाले मोहम्मद नसीम से एटीएस को अगले चार दिनों तक पूछताछ की इजाजत दी.

एटीएस की टीम शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों आतंकियों को लेकर एटीएस मुख्यालय पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. एटीएस को यह सूचना मिली है कि दोनों आतंकियों के पास कई ऐसे राज हैं, जिनके खुलासे के बाद झारखंड में छिपे हुए स्लीपर सेल के कई एजेंट गिरफ्तार किया जा सकते हैं.

एटीएस ने खुलासा किया है कि दोनों संदिग्ध आतंकी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आतंकियों के

संपर्क में थे. दोनों का लक्ष्य फिलिस्तीन जाकर इजरायल के खिलाफ संघर्ष में शामिल होना था. एटीएस ने अपने बयान में यह बताया था कि फिलिस्तीन जाकर दोनों ने फिदायीन हमला कर मस्जिद ए अल अक्सा को यहूदियों से आजाद कराने का लक्ष्य रखा था. दोनों ने 2020 में फेसबुक के माध्यम से कश्मीरी युवक- युवतियों से भी संपर्क में आने की बात सामने आयी है. इस बिंदु पर एटीएस दोनों आतंकियों से पूछताछ कर रही है. गिरफ्तार आतंकियों में आरिज गोड्डा के रहमत नगर महमुदनगर के असनबानी का रहने वाला है. आरिज की निशानदेही पर ही एटीएस ने मो. नसीम को हजारीबाग के कटकमसांडी इलाके के पेलावल महतो टोला से गिरफ्तार किया था.

बताया जाता है कि एटीएस को जानकारी मिली थी कि मो. आरिज हसनैन आईएसआईएस में सक्रिय होकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से संगठन का प्रचार प्रसार कर रहा है. सोशल मीडिया के ही माध्यम से युवाओं को रेडिक्लाइज करने की मुहिम में आरिज लगा था. सूचना मिलने के बाद दो नवंबर को एटीएस ने सनहा दर्ज कर एक टीम जांच के लिए गोड्डा भेजा था. जांच के क्रम में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्तता सामने आने पर आरिज को रांची लाया गया, जहां आतंकी संगठनों से संपर्क की पुष्टि हुई. पुलिस को आरिज के मोबाइल से चैट भी मिला, जो चैट मो. नसीम के साथ था. नसीम ने जिहाद और कुफ्र विथ तागूत पुस्तक आरिज को भेजी थी. दोनों किताबें आईएसआईएस को बताती है. जांच के क्रम में ईडी ने पाया कि नसीम और आरिज ने आईएसआईएस से दीक्षा पायी है. संगठन का दीक्षा पत्र भी मोबाइल में मिलने का खुलासा किया गया है. पूछताछ में आरिज और नसीम ने बताया है कि दोनों आईएसआईएस के प्रतिबंधित वीडियो डार्क नेट के जरिए देखते थे. इसका प्रचार प्रसार भी उनके द्वारा किया जाता था.

फायरिंग मामले में 3 गिरफ्तार, जेल

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत ईस्ट प्लांट बस्ती में फायरिंग के मामले में पुलिस ने जेएमएम नेता सत्यनारायण गौड़ उर्फ सत्तू गौड़, उसके बेटे मोहित गौड़ और भतीजे हरिकिशन गौड़ को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी 12 बोर की दो नाली बंदूक, 5 कारतूस, 7 खोखा, दो तलवार और दो कार भी जब्त की है. मामले में आरोपी ऋषिराज सिंह फरार चल रहा है. इस मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है. जिसमें एक प्राथमिकी प्रदीप मल्लिक के बयान पर सत्यनारायण गौड़, मोहित गौड़, हरिकिशन गौड़ और ऋषिराज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है.

जबकि दूसरी प्राथमिकी सुरेश साहू के बयान पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया है.

रद्द होगा लाइंसेस, घायल प्रवेश की स्थिति में सुधार नहीं : इधर, घटना के बाद से पुलिस ने लाइसेंसी हथियार के लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया शुरु कर दी है वहीं घायल प्रवेश की भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है. टीएमएच के आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा है. बता दे कि शुक्रवार दोपहर ईस्ट प्लांट बस्ती में रश ड्राइविंग को लेकर सत्यनारयण गौड़ के बेटे मोहित को स्थानीय लोगों ने रोक लिया था. यहां से विवाद शुरु हुआ जिसके बाद सत्यनारायण गौड़ ने दो नाली बंदूक निकाली और फायरिंग शुरु कर दी. गोली प्रवेश के सिर पर जा लगी. घटना के बाद लोगों ने उसे टीएमएम में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है.

अधेड़ ने आत्महत्या कर ली, पुलिस जांच में जुटी

लोहरदगा । सेन्हा थाना क्षेत्र के पीपर टोली में आत्महत्या का मामला प्रकाश में आते ही पुलिस जांच में जुट गई है. घटना शुक्रवार रात्रि की है. लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के झालजमीरा पंचायत स्थित पीपर टोली निवासी स्वर्गीय बुदु उरांव के पुत्र मंगरा उरांव ने शुक्रवार रात अपने खपरैल मकान में फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया. शनिवार को सुबह सेन्हा थाना पुलिस ने गांव पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई है.

गोलमुरी में महिला से पर्स की छिनतई, लोगों ने पकड़ा

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी थाना अंतर्गत हावड़ा ब्रिज के पास परसुडीह निवासी दिव्या से स्कूटी सवार युवक ने पर्स की छिनतई कर ली. घटना के बाद युवक गोलमुरी की ओर भागने लगा.हालांकि स्थानीय लोगों ने युवक को खदेड़कर पकड़ा और जमकर पिटाई कर दी. इसकी सूचना पुलिस को दी गई.

सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची. जिसके बाद लोगों ने युवक को पुलिस के हवाले कर दिया.घटना शुक्रवार रात 11 बजे की है. युवक के पास से 40 हजार नकद भी बरामद किए गए है. पूछताछ में उसने बताया कि इससे पूर्व उसने तीन और घटना को अंजाम दिया था. दिव्या ने बताया कि वह अपने पति शुभंकर के साथ साकची आई थी. रात को वह पति के साथ परसुडीह स्थित आवास जा रही थी. इसी बीच हावड़ा ब्रिज के पास एक युवक पीछे से तेजी से आया और पर्स छिनकर फरार होने लगा. पर्स में पांच हजार नकद और मोबाइल समेत अन्य सामान थे. युवक को पकड़ लिया गया.

बंद मकान का वेंटिलेटर तोड़ कर लाखों की चोरी, केस दर्ज

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिरसानगर थाना अंतर्गत प्रकाशनगर बुद्ध विहार के पास अंजु कुमारी के मकान का वेंटिलेटर तोड़कर लाखों की चोरी कर ली गई. इस संबंध में अंजु ने बिरसानगर थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है.अंजु ने पुलिस को बताया कि वह परिवार संग रिश्तेदार के घर गई थी.देर शाम जब वापस लौटे तो पाया कि घर में सारा सामान बिखरा पड़ा है.अंजु के अनुसार घर से चोरों ने कुछ नकद और गहनों की चोरी की है. जिसकी

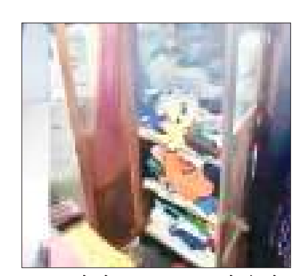

कीमत दो से तीन लाख रुपये है.चोर घर के वेंटिलेटर को तोड़कर अंदर घुसे और अलमीरा में लगे ताले को तोड़ा. इसको बाद चोरों ने आराम से घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए.

गिरिडीह के बगोदर से चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

- अश्लील वीडियो भेज कर लोगों को ब्लैकमेल किया करते थे

संवाददाता। गिरिडीह

पुलिस ने बगोदर थाना क्षेत्र के अटकाडीह ऊपर बागी से 4 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से 13 मोबाइल, 19 सिमकार्ड और 4 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं. गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई, जबकि गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा ने शनिवार को इसका खुलासा किया. एसपी ने बताया कि उन्हें बगोदर में साइबर अपराधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी. इसके बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापामारी कर दो साइबर अपराधि को पकड़ा गया. उनकी निशानदेही पर उनके दो और साथियों को पलिस ने दबोच लिया. गिरोह तीन सदस्य भगने में सफल रहे.

गिरफ्तार अपराधियों में दो सगे भाई दीपू प्रसाद और पप्पू प्रसाद के अलावा दो अन्य सगे भाई सतीश कुमार और आतिश कुमार शामिल हैं. फरार विक्रम मंडल, रितेश मंडल और अनुराग कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. पुलिस ने बताया कि गिराह के सदस्य लोगों को अश्लील वीडियो भेजकर ब्लैकमेल करते थे. साथ ही लड़की से न्यूड वीडियो कॉलिंग करवाने का झांसा देकर एप के मध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाकर रुपए की ठगी करते थे. छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, ज्ञान रंजन, गौरव कुमार, रौशन कुमार, संजय मुखियार, साकेत वर्मा, जीतेंद्र नाथ महतो, सौरभ सुमन, वासुदेव सिंह, आशुतोष कुमार रंजन, सुरेश यादव आदि शामिल थे.

2 माह में 42 साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी : एसपी दीपक कुमार शर्मा के नेतृत्व में गिरिडीह पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चला रही है. पिछले दो माह में 42 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

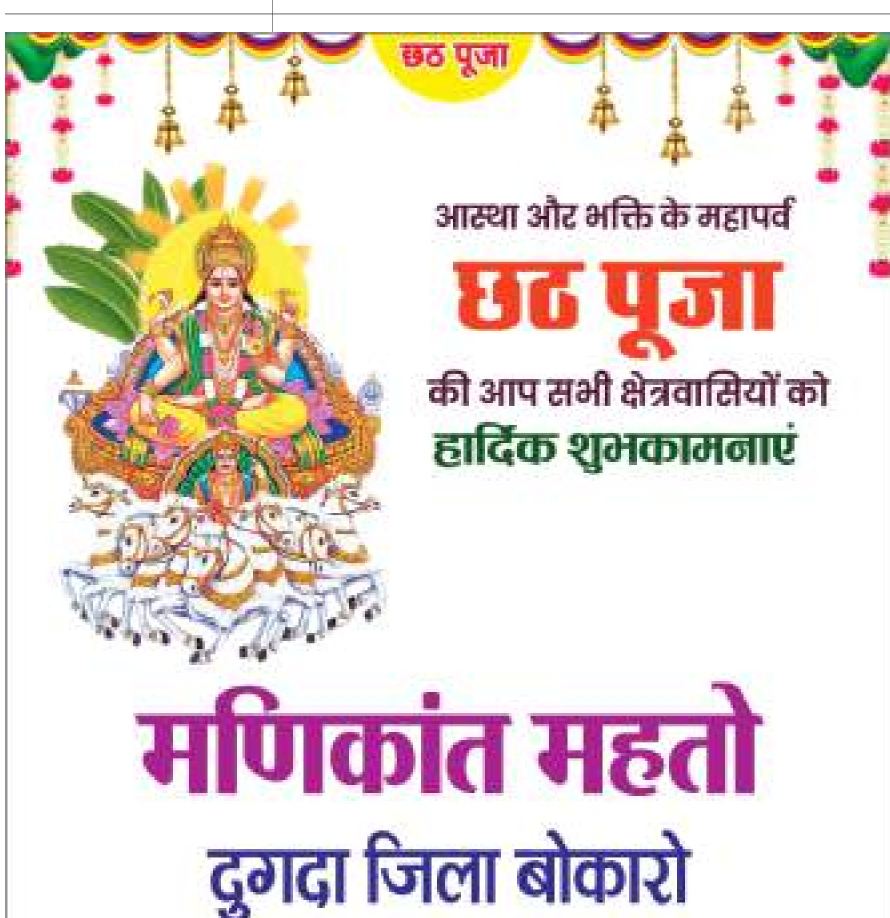

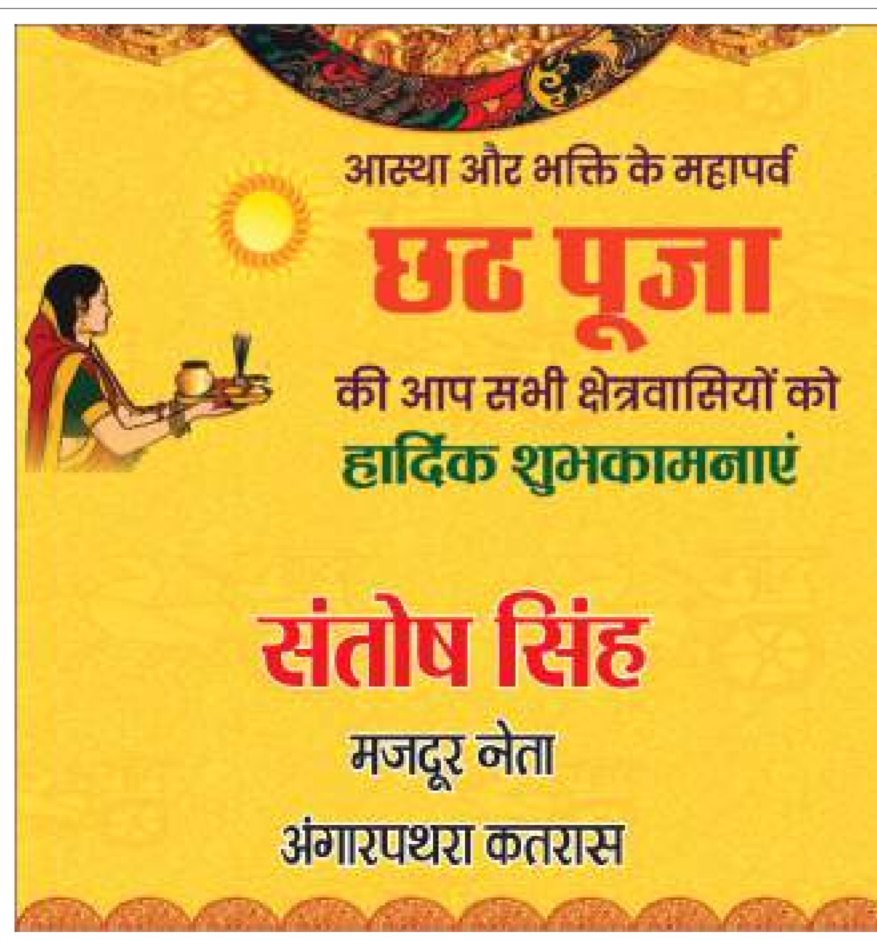

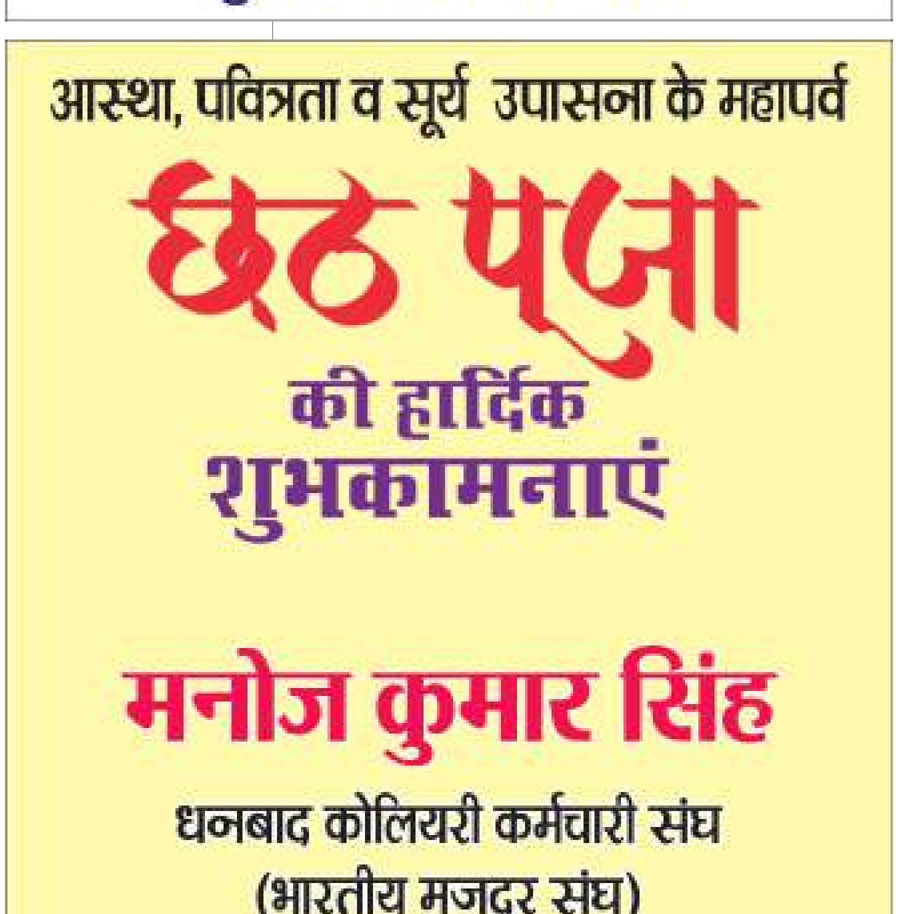

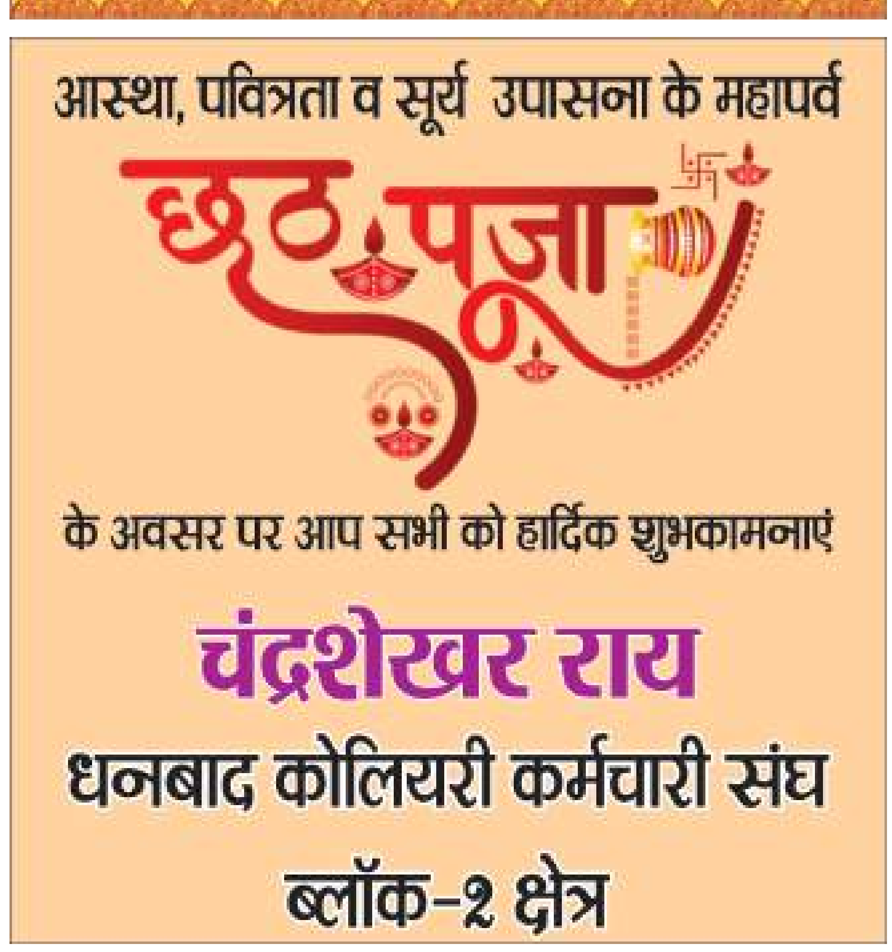

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय अनुकूल है. पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृषभ धर्म में मन लगेगा. किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन विवाद से दूर रहें. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क समय अनुकूल है, पर पेट रोग से बचे. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह शिक्षा को ले कर व्यस्तता रहेगी. शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या माता का स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनायें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें.

तुला माता से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक कार्य होगा और जिसके प्रभाव से आय होगी. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखे.

मकर समय उत्तम फल प्रदान करेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. आलस का त्याग करें.

कुंभ जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य के नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे. किसी

मीन किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. कार्य होने से सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. गुरु मंत्र का जाप करें.

पारा थ्रो बॉल में झारखंड से 4 खिलाड़ी

रांची। भूटान में आयोजित भारत-भूटान अंतरराष्ट्रीय पारा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में झारखंड से चार खिलाड़ी भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं. अंतरराष्ट्रीय थ्रो बॉल मैच सीरीज भूटान में 24 से 26 दिसंबर तक चलेगा. इस सीरीज का आयोजन भूटान पैरालंपिक कमेटी द्वारा किया जा रहा है. झारखंड से चारों खिलाड़ी पुरुष वर्ग में मुकेश कंचन, सनोज महतो और महिला वर्ग में महिमा उरांव व असुंता टोप्पो 21 नवंबर को भूटान के लिए रवाना होंगे.

34 विद्यालय निखार उत्सव का समापन

रांची। केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड जीईएल चर्च छोटानागपुर एवं असम के बैनर तले जीएल चर्च के अधीनस्थ 34 विद्यालय निखार उत्सव- 2023 का शनिवार को गोस्सनर कॉलेज परिसर में समापन हो गया. राज्य के

विभिन्न जिलो के स्कूल के छात्र-छात्राएं उत्सव में शामिल हुए. मुख्य अतिथि झारखंड के सचिव डॉ सच्चिदानन्द्र तिग्गा शामिल हुए. विशिष्ट अतिथि जीईएल चर्च कलीसिया मॉडरेटर राईट रेव्ह जोहन डांग, महासचिव ईश्वरदत्त कन्डुलना, विशष राईट रेव्ह सीमांत तिर्की, सचिव अटल खेस्स तथा विभिन्न संस्थानों के आचार्य तथा सचिव उपस्थित थे. अतिथियों का स्वागत बेचेसदा बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं ने बैंड बजाकर स्वागत किया.

महापर्व : निगम प्रशासन से तालाबों में ब्लीचिंग पाउडर, फिटकरी एवं कीटनाशक दवाएं डालने का अनुरोध

महानगर छठ पूजा समिति ने लिया घाटों का जायजा

संवाददाता.रांची

रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव,संरक्षक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने छठ घाटों का निरीक्षण किया एवं कृत्रिम तालाबों का भी जायजा लिया.समिति के सदस्यों ने हातमा तालाब, चडरी तालाब, बटम तालाब, स्वर्णरेखा नदी का निरीक्षण किया.महानगर छठ पूजा समिति ने छठ घाटों के निरीक्षण के दौरान यह पाया कि नगर निगम प्रशासन युद्ध स्तर पर सफाई का काम तो कर रहा है, लेकिन तालाब एवं नदियों का दूषित पानी चिंता का विषय है. उन्होंने निगम प्रशासन से तालाबों में ब्लीचिंग पाउडर, फिटकरी एवं कीटनाशक दवाएं डालने का अनुरोध किया. इसके साथ कृत्रिम तालाबों को टैंकर से पानी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिसपर निगम प्रशासक ने अनुकूल आश्वासन दिया. उल्लेखनीय है कि रांची महानगर छठ पूजा समिति की देखरेख में इस वर्ष राजधानी रांची में 200 से अधिक छोटे-बड़े कृत्रिम जलाशयों का निर्माण कराया गया है.महानगर छठ पूजा समिति दूध,नारियल एवं अन्य पूजन सामग्री उपलब्ध कराती है.समिति के संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा कि नदियों की नारकीय स्थिति को देखते हुए रांची महानगर छठ पूजा समिति कई मुहल्लों के छोटे-छोटे मैदानों में जहां कहीं भी जगह खाली हैं लोग कृत्रिम तालाब का निर्माण कर रहे हैं एवं उस इलाके में रहने वाले दस, बीस, पचास घर मिलकर छठ महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं.उन्होंने बताया कि समिति के संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव तथा संरक्षक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में छप्पन सेट मैदान परिसर में कृत्रिम तालाब का निर्माण कराया गया है. हरमू में स्व.पीएन सिंह छठ पूजा सेवा समिति द्वारा समिति के अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में हरमू में कृत्रिम तालाब का निर्माण कराया जाता है.

प्रकाश पर्व : गुरुद्वारा साहिब से निकाली गयी प्रभातफेरी

हरि के जन सतगुर सत-पुरखा बिनउ करउ गुर पास

- मनप्रीत सिंह की ओर से की गई निशान साहिब की सेवा
- 23 नवंबर तक नगर में चलेगा प्रभात फेरियों का सिलसिला

संवाददाता।रांची

श्रीगुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर शनिवार को भी शहर के विभन्न गुरुद्वारा साहिब से प्रभातफेरी निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया. ढोल-बाजे के साथ गुरु की अमृत वाणी का गायन कर प्रभात बेला को भक्ति रस से सराबोर कर दिया. प्रभातफेरियों का सिलसिला 23 नवंबर तक नित्य चलेगा.

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से मेन रोड गुरुद्वारा साहिब से तड़के साढ़े चार बजे प्रभातफेरी निकाली गयी. इसमें शामिल श्रद्धालु पहले डोरंडा पहुंचे. फिर कीर्तन गायन करते हुए सभी डॉ इकबाल सिंह, नरिंदरपाल सिंह बबलू के घर आये. यहां शबद गायन कर कड़रु निवासी ज्ञान सिंह के घर गये. इसके बाद पीपी कंपाउंड रॉयल अपार्टमेंट की संगत के घर में अमृत धारा बहायी. इसके बाद सभी शहदेव अपार्टमेंट होते हुए गुरुद्वारा साहिब वापिस लौट गये. प्रभात फेरी की समाप्ति पर निशान साहिब की सेवा मनप्रीत सिंह की ओर से की गई.

गुरुद्वारा साहिब, स्टेशन रोड की प्रभातफेरी सलूजा रेजीडेंसी से होते हुए जब गुरुद्वारा साहिब कडरु और पीपी कंपाउंड पहुंची. फिर सभी संगत साथ मिलकर शबद गायन करते हुए गुरुद्वारा साहिब मेन रोड पहुंच कर संपन्न हुई. इसके बाद गुरुद्वारा साहिब में साहिबे कमाल साहिब श्रीगुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जी का पावन ज्योति जोत पूर्व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया. महासचिव गगनदीप सिंह सेठी की ओर से समूह संगत को गुरु जी के पावन उपदेशों को आत्मसात करने की अपील की गयी. मौके पर संगत ने कल तारण गुरु नानक आया ... जैसे शबद गायन कर संगत को निहाल कर दिया. सिख सेवक जत्था के प्रधान कृपाल सिंह, मीत प्रधान त्रिलोचन सिंह, जनरल सेक्रेटरी गगनदीप सिंह सेठी, मीत सेक्रेटरी सुरजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, ध्यान सिंह, तविंदर सिंह, हरजीत सिंह, बलजीत सिंह, हरपाल सिंह, गुरचरण सिंह, कुलतार सिंह, सुरिंदर सिंह, कुलवंत सिंह, तजिंदर सिंह, सोनम आहूजा, संध्या मेहता, अमरजीत कौर, बलबीर कौर, तजिंदर कौर, सराबजीत कौर, रंजीत कौर, चरणजीत कौर, हरदीप कौर आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

प्रभातफेरी में इनकी रही भागीदारी

अर्जुन दास मिड्ढा, अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, विनोद सुखीजा, जीवन मिढ़ा, मोहन काठपाल, महेंद्र अरोड़ा, राकेश गिरधर, रमेश तेहरी, जीतू अरोड़ा, रमेश गिरधर, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, राजेंद्र मक्कड़, रमेश पपनेजा, इंदर मिढ़ा, हरीश तेहरी, भरत गाबा, अश्विनी सुखीजा, पंकज मिढ़ा, पाली मुंजाल, अमर मदान, बसंत काठपाल, हरीश मिढ़ा, हरविंदर सिंह, प्रकाश गिरधर, गौरव मिढ़ा, अमन डावरा, पियूष मिढ़ा, उमेश मुंजाल, गुलशन मिढा, कमल धमीजा आदि प्रभातफेरी में शामिल थे.

शबद गायन से संगत भावविभोर

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा की प्रभातफेरी हजूरी गुरुद्वारा साहिब, कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड से से निकल कर ललित किंगर, मनोहर लाल मिढा, रमेश तेहरी, श्याम लाल गाबा, अर्जुन देव मिड्ढा की गलियों से होते हुए सुबह साढ़े सात बजे संपन्न हुई. इस दौरान गीता कटारिया, बबली दुआ, शीतल मुंजाल, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर, नीता मिढा, इंदु पपनेजा, बबिता पपनेजा, पाली मुंजाल आदि ने हरि के जन सतगुर सतपुरखा बिनउ करउ गुर पास हम कीरे किरम सतगुर शरणाई कर दइआ नाम परगास... और सभि जीअ तुमारे जी तूं जीआ का दातारा हरि धिआवहु संतहु जी सभि दूख विसारणहारा... जैसे शबद गायन कर संगत को भावविभोर कर दिया. सरदार भूपिंदर सिंह ने निशान साहिब उठाकर फेरी की अगुवाई और मनीष मिढा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने अरदास कर मंगल कामनाएं की. जगह-जगह प्रभातफेरी में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया. सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि रविवार की प्रभातफेरी बरियातू चौक निवासी डॉ अजय छाबड़ा के आवास जाएगी. फिर वहां से रामेश्वरम स्थित हरिश अरोड़ा, पुरुषोत्तम काठपाल, जगत सिंह सुखीजा, लेखराज अरोड़ा, प्रेम मिढ़ा, प्रकाश अरोड़ा और हंसराज अरोड़ा के आवास पर कीर्तन गायन किया जायेगा.

तेतरटोली में दिव्यांग शिविर का आयोजन

रांची। तेतर टोली बरियातू में दिव्यांग शिविर आयोजन भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के द्वारा किया गया. जिसमें रांची जिला के मांडर, बेड़ों,एवं अन्य प्रखंड से आए दिव्यांग, असहाय वृद्धा, बुजुर्गों शामिल हुए. इनके बीच निशुल्क, कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जांच की गयी. निशुल्क सहायक उपकरण जैसे कृत्रिम अंग, कान की मशीन, वैशाखी, व्हीलचेयर, हाथ छड़ी, वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद संजय सेठ शामिल हुए. सहायक उपकरण निशुल्क वितरण किए, साथ ही जयपुर फुट के चेयरमैन ललित केडिया, सचिव नेमी अग्रवाल,डॉ एच.के शाहु, राष्ट्रीय पारा खिलाड़ी अफरोज अंसारी, जाहिद अंसारी, अशोक कुमार, संजू कुमारी एवं अन्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित थे.

व्रतियों के बीच 1001 नारियल का वितरण

रांची। काली पूजा स्वागत समिति, हरमू रोड, रॉंची द्वारा शनिवार को लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर एक हजार एक सौ एक नारियल का वितरण घर घर जाकर किया गया. समिति के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व के पावन अवसर पर समिति द्वारा सफाई, विद्युत सज्जा, फल वितरण आदि सेवा कार्य किया जाता है. इस वर्ष समिति द्वारा भवानी नगर, आनंद नगर, शिव शक्ति नगर, पुरानी रांची और इरगू टोली में छठ व्रतियों के घर जाकर नारियल का वितरण किया गया. इस अवसर पर रवि प्रकाश, सचिदानंद सोनी, चंदन वर्मा, मनोज कुमार, राजू वर्मा, गौतम सोनी, शुभम वर्मा, रामू सोनी, सौरभ वर्मा सहित समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

आओ जानें

झारखंड के प्रमुख सूर्य मंदिर

गिरिडीह का आकर्षक सूर्य मंदिर

गिरिडीह में स्थित जलीय सूर्य मंदिर जमुआ देवघर रोड पर है. यह मंदिर आस्था के साथ-साथ उत्कृष्ट बनावट की वजह से भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. इस मंदिर की कल्पना एक कमल पुष्प रूपी रथ के रूप में की गयी है. गर्भगृह में रथ पर सवार भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा है. जलीय सूर्य मंदिर के चारों ओर कोणार्क मंदिर की तर्ज पर रथ के छह पहिए बने हैं. इस मंदिर के गर्भ गृह तक पहुंचने के लिए 60 फीट लंबे पुल से गुजरना पड़ता है.

जमशेदपुर का सूर्य मंदिर

जमशेदपुर सिदगोड़ा में भगवान सूर्य का लगभग 20 एकड़ में फैला विशाल मंदिर है. यहां श्रीराम, श्रीकृष्ण, मां दुर्गा, शंकर भोलेदानी, नवग्रह सहित कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं. यहां छठ व्रतियों के लिए दो तालाब बनाए गए हैं. हर वर्ष करीब 10 हजार श्रद्धालु जुटते हैं. इस मंदिर का निर्माण वर्ष 2001 में हुआ था.

बोकारो का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल

बोकारो में भगवान भासकर का भव्य मंदिर लाल रंग का है, जो बेहद ही खूबसूरत और भव्य मंदिर है. इस मंदिर के पास में आपको तालाब दिखाई देता है जो इस मंदिर को और भी खूबसूरत बनाता है, जिसे सूर्य तालाब में भी कहा जाता है, इस मंदिर की शिल्पकला बेहद ही अद्भुत है जो यहां पर आने वाली यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करती है.

2800 श्रद्धालुओं ने लिया श्री श्याम भंडारे का प्रसाद

संवाददाता।रांची

श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को आयोजित 87वें श्याम भंडारे में 2800 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनौली के नेतृत्व में यजमान मोहनलाल खंडेलवाल, ममता देवी खंडेलवाल, माधव खंडेलवाल, प्रिया खंडेलवाल, पालक निमित्त खंडेलवाल एवं परिवार ने खाटूनरेश, लड्डू गोपाल, शालिग्राम, शिव परिवार, हनुमान जी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया.

87 वें श्री श्याम भंडारा के प्रसाद में अजवाइन का पूड़ी, आलू चना का सब्जी, केसरिया खीर, चिप्स शामिल था. इस अवसर पर श्रवण ढानढनिया, प्रदीप राजगढ़िया, श्याम सुंदर शर्मा, पूर्व सांसद अजय मारू, अनिल नारनोली, राजीव रंजन मित्तल, स्नेह पोद्दार, अनुज मोदी, अमित सरावगी, वेद भूषण जैन, राहुल मारू, श्याम सुंदर जोशी, कौशल चौधरी, कमलेश सावा, अंकित सिंह, राजेश कटारुका, मनोज खेतावत, अभिषेक सरावगी आदि स्वयंसेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया. मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि 21 नवंबर को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा.

सोहराई जतरा में पारंपरिक वेशभूषा में झूमी खोड़हा मंडली

संवाददाता।रांची

कांके रोड स्थित मिसिर गोंदा में शनिवार को एकदिवसीय सोहराई जतरा का आयोजन हुआ. 12 पड़हा के लोग जतरा में शामिल हुए. खोड़हा मंडली ने पारंपरिक वेशभूषा वाद्ययंत्र के साथ जतरा में नाचते-गाते जतरा में प्रवेश किया. जतरा खूंटा की सभी खोड़हा मंडली ने तीन बार परिक्रमा की. मुख्य अतिथि मुख्य पाहन जगलाल पाहन, डॉ रवींद्र नाथ भगत, धुमकुड़िया के केंद्रीय अध्यक्ष सुनील टोप्पो, पूर्व मंत्री अशोक भगत, झारखंड राज्य आंदोलनकारी आयोग के पूर्व सदस्य सुनिल फकीरा कच्छप, आदिवासी संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप, लक्ष्मी नारायण मुंडा शामिल हुए. पाहन बिरसा पाहन ने कहा कि देव खूंटा में 12 मुर्गा की बलि देकर जतरा कार्यक्रम शुरू किया गया.

लोगों को संबोधित करते हुए कृष्णा उरांव ने कहा कि जतरा पूर्वजों की देन हैं. गांव के महतो राजा संदीप उरांव काठ के घोड़े पर सवार होकर चलफा दल एवं कलशा दल के साथ पारंपरिक वेश भूषा एवं पारंपरिक वाद्ययंत्र ढोल नगाड़ों के साथ जतरा में प्रवेश किए.

मिसिरगोंदा से चिलगु लकड़ा के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न काठ के घोड़ा के साथ खोड़ा दल, जयपुर से पिंकल गाड़ी के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न रंपा चंपा के साथ खोड़ा दल, कटहर गोंदा से रवि उरांव के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न कढ़सा के साथ खोड़ाहा दल, कोंगे-जयपुर से नरेश पाहन नेतृत्व में खोड़ा दल, भिठ्ठा से सोनू पाहन के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न परक्षा झंडा के साथ खोड़ा दल,चंदवे से विनोद पाहन के नेतृत्व में खोड़ा दल, हथिया गोंदा से जतरू पाहन के नेतृत्व में खोड़ा दल, पतरा गोंदा से मालू पाहन के नेतृत्व में जतरा में प्रवेश किये.

जातीय स्मृति का केंद्रीय बीज या प्रतीक है सूर्य

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

सूर्य षष्ठी व्रत सूर्योपासना का व्रत तो है ही, साथ ही इस सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी के छठे सर्वोत्कृष्ट मातृ रूप की उपासना का भी पर्व है. प्रकृति देवी का यह रूप हमारे सामूहिक अवचेतन में छठी मइया के रूप में कब प्रतिष्ठित हुआ, यह बताना मुश्किल है. यह चार दिवसीय महापर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से आरम्भ होता है. पहला दिन नहाय-खाय को व्रती सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं. दूसरे दिन उपवास रखते हैं और संध्या समय रोटी-खीर प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. तीसरे दिन यानी कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को अस्ताचलगामी और सप्तमी तिथि उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता. छत्तीस घंटे के निर्जला उपवास के बाद उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती पारण कर व्रत समाप्त करते हैं और इसी के साथ महापर्व छठ का समापन हो जाता है. दीपावली के बाद ही छठ के गीत बजने शुरू हो जाते हैं. सप्तमी को ये गीत बजने बंद हो जाते हैं. पूरे वातावरण में नीरवता व्याप्त हो जाती है. लोकचित्त उदासी में डूब जाता है. छठ माता अगले वर्ष आने का आश्वसन देकर विदा ले चुकी होती हैं.

सूर्य को विष्णु का रूप माना गया: हमारी जातीय स्मृति का केंद्रीय बीज या प्रतीक है सूर्य. सुदूर प्रागैतिहासिक युग के किसी अनाम कालखंड में हमारे पूर्वजों में से किसी द्रष्टा ने, किसी ॠषि ने, किसी आद्य अनुभवकर्त्ता ने उदीयमान सूर्य की सप्तवर्णी अरुणिमा को आस्था और धर्मभाव से या आश्चर्य भाव से या फिर कविजनोचित स्वतःस्फूर्त दिगंत व्यापिनी कल्पना के दबाव में देखा होगा और उसे दिव्यता से मंडित कर अपना पालनकर्त्ता मान लिया होगा. बाद में सूर्य को विष्णु का ही रूप माना गया. वेदों में जो विष्णु का नाम मिलता है, वही सूर्य है. 'विष्णु' शब्द 'विष् या 'विश्' धातु से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है 'व्यापक रूप में '. अर्थात जो सर्वत्र व्याप्त है, उसे विष्णु कहते हैं. सूर्य अपनी रश्मियों से सर्वत्र व्याप्त होने के कारण 'विष्णुर्भवति' विष्णु हो जाता है. ॠग्वेद में विष्णु को तेजोमय परमात्मा कहकर संबोधित किया गया है.

संपूर्ण जगत के पति: त्रेता युग में अगस्त्य ॠषि ने ''आदित्यहृदयम्'' की रचना की जो सूर्य की स्तुति के मंत्र हैं. इस स्तुति में यह कहा गया है-"भगवान सूर्य अपनी अनन्त रश्मियों से सुशोभित हैं. वे नित्य उदय होने वाले (समुद्यन), देवताओं और असुरों के नमस्कृत, प्रभा का विस्तार करने वाले (भास्कर) और संसार के स्वामी (भुवनेश्वर) हैं. संपूर्ण देवता इन्हीं के स्वरूप हैं. ये तेज की राशि हैं और संपूर्ण जगत के पति हैं. ये अपनी रश्मियों का प्रसार कर देवताओं और असुरों सहित समस्त लोकों का पालन करते हैं. ये ही ब्रह्मा, विष्णु, शिव, स्कंद, प्रजापति, इंद्र, कुबेर, काल, यम, चन्द्रमा, वरुण, पितर, वसु, साध्य, अश्विनी कुमार, मरुद्गण, मनु, वायु, अग्नि, प्रजा, प्राण, ॠतुओं को प्रगट करने वाले तथा प्रभा के पुंज हैं.

इन नामों से संबोधित होते हैं सूर्य: इन्हीं का नाम आदित्य (अदिति के पुत्र), सविता (जगत् को उत्पन्न करने वाले), सूर्य (सर्वव्यापक), खग (आकाश में विचरण करने वाले), पूषा (पोषण करने वाले), गभस्तिमान् (प्रकाशमान), सर्वज्ञ, सदृश्य, भानु (प्रकाशक), हिरण्यरेता (ब्रह्मांड की उत्पत्ति का बीज), दिवाकर (रात्रि के अंधकार को दूर कर दिन का प्रकाश फैलाने वाले), हरिदश्व (दिशाओं में व्यापक या हरे रंग के घोड़े वाले), सहस्रार्चि (हजारों किरणों वाला), सप्तसप्ति (सात घोड़ों वाले), मरीचमान् (किरणों से सुशोभित), तिमिरोन्मथन (अंधकार का नाश करने वाला), शम्भू (कल्याण का उद्गम स्थल), त्वष्टा (भक्तों का दुख दूर करने वाले), मार्तण्ड (ब्रह्मांड को जीवन देने वाले), अंशुमान् (किरण धारण करने वाले), हिरण्यगर्भ (ब्रह्मा), शिशिर (स्वभाव से सुख देने वाले), तपन (गर्मी पैदा करने वाले), अहस्कर (दिनकर), रवि (सबके स्तुति के पात्र), अग्निगर्भ, अदितिपुत्र, शंख, शिशिरनाशन, व्योमनाथ, ॠग्, यजुः एवं सामवेद के पारगामी, अपो मित्र (जल उत्पन्न करने वाला), विंध्यवीथिप्लवगम (आकाश में तीव्र गति से चलने वाले), आतपी (घाम उत्पन्न करने वाले), मण्डली (किरण समूह करने वाले), मृत्यु (मौत का कारण), पिंगल (भूरे रंग वाले), सर्वतापन (सबको ताप देने वाले), कवि (त्रिकालदर्शी), सरभवोद्भव (सब की उत्पत्ति का कारण), नक्षत्र, ग्रह और तारों के स्वामी, विश्वभावन (जगत् की रक्षा करने वाले), द्वादशात्मा (बारह स्वरूपों में अभिव्यक्त) हैं. सूर्य को इन नामों से संबोधित कर उनकी स्तुति की गई है. इस स्तुति में आगे सूर्य के पूर्वगिरि उदयाचल और पश्चिमगिरि अस्ताचल रूप की वंदना की गई है. फिर उन्हें जयस्वरूप, विजय और कल्याण के दाता, उनके उग्र, वीर और सारंग रूप तथा उन्हें अंधकार, जड़ता, शीत, शत्रु, कृतघ्न का नाशक, तपाये हुए स्वर्ण की भांति प्रभावान, हर और विश्वकर्मा तथा जगत् की समस्त क्रियाओं का कारण मानते हुए उनकी वंदना की गई है.

हम सब सूर्य-संतान: सूर्य समस्त सृष्टि सहित हमारे पालनकर्त्ता हैं और इसलिए हम सब सूर्य-संतान हैं. सूर्य सृष्टि का आदि कारण हैं. वे योग हैं निरंतर गतिमानता, कर्मशीलता और पुरुषार्थ का. वह श्री, शोभा,जीवन, प्राण, मधु, तेज, परिपक्वता, तप, ताप, दाह, विराग, संघर्ष और देहातीत चिन्मयता को एक साथ व्यक्त करते हैं. जब वे तपते हैं उनकी किरणें दाने-दाने को पका कर अनाज को मधुमय करती हैं, स्वादिष्ट बनाती हैं. इन्हीं किरणें के ही कारण कषाय केले और खट्टे आम पककर मीठे हो जाते हैं. उसके प्रकाश में पेड़-पौधे अपना भोजन तैयार करते हैं. वह मधु को पकाते हैं, उसका ''सूदन'' करते है, अतः मधु-सूदन हैं. वह हमें पालते हैं. इसलिए दावा करते हैं कि मनुष्यों ! तुम मेरी सन्तति हो. मनुष्य ही क्यों? समस्त प्राणी उनकी सन्तति हैं. पूरा रघुकुल उसकी संतान है. उसका सारा कर्मयोग निरासक्त है, निर्लोभ है, ॠत की रक्षा के लिये है. ऐसे सूर्य का संतान होना गर्व का विषय है. सूर्य षष्ठी व्रत पिता के प्रति संतान द्वारा आभार का प्रकटीकरण है. छठ महापर्व के रूप में हमने अपनी जातीय स्मृति के उस आद्य बिम्ब को सहेज कर रखा है. यह पर्व आत्मदान के लिए हमारी समुत्सुकता का परिचायक है. यह समुत्सुकता, अज्ञेय की 'कितनी नावों में कितनी बार' की 'प्रातः संकल्प' कविता की इन पंक्तियों में व्यक्त है-

ओ आस्था के अरुण
हांक ला, उस ज्वलन्त के घोड़े
खुंद डालने दे
तीखी आलोक-कशा के तले
तिलमिलाते पैरों को
नभ का कच्चा आँगन !
बढ़ आ जयी !
सँभाल चक्र -मंडल ये अपना !

हम हर वर्ष आस्था और उल्लास के साथ सूर्य षष्ठी व्रत मनाते हैं.

अनंत काल से होती आ रही सूर्य की उपासना

विजय केसरी

सूर्य की उपासना अनंत काल से ही चली आ रही है . सूर्य साक्षात देव के रूप में संपूर्ण विश्व भर में प्रतिष्ठित हैं. यही कारण है कि इनकी उपासना अनंत काल तक बनी रहेगी. दुनिया के लगभग सभी धार्मिक पुस्तकों में सूर्य की महता की चर्चा की गई है. हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार सूर्य को प्रत्यक्ष देव कहा गया है. वैज्ञानिकों ने अपने शोधों में प्रमाणित किया है कि सूर्य की उपासना से जीवनी शक्ति मिलती है. इनके भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है. लोग सूरज को प्रणाम करते हैं. सूर्य के बिना पृथ्वी की कल्पना नहीं की जा सकती है . सूर्य की किरणों में जीवन को दीर्घायु बनाने वाले तत्व विद्यमान हैं. ब्रह्मांड की उत्पत्ति का इतिहास बहुत ही रोचक है. देवी पुराण में वर्णन है कि जब सृष्टि में कुछ भी नहीं था , चारों ओर अंधकार ही अंधकार व्याप्त था, तब भी एक शक्ति संपूर्ण ब्रहमांड को स्वयं में एक शून्य में समाहित की हुई थी. संपूर्ण ब्रहमांड का आकार प्रकार आज भी वैज्ञानिकों एवं खगोल शास्त्रियों के लिए एक यक्ष प्रश्न के समान खड़ा है. वैज्ञानिक ब्रह्मांड के रहस्य को सुलझाने के लिए जितने भी करीब पहुंचते हैं, फिर कई अनगिनत अनसुलझे सवाल खड़े हो जाते.

आदिशक्ति से ब्रहमांड की रचना: आगे देवी पुराण ने स्पष्ट किया है कि आदिशक्ति के हास्य मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना हुई थी .आदि शक्ति स्वरूपा जगत जननी माता का निवास स्थान सूर्य के केंद्र में है. सूर्य के केंद्र में रहने की क्षमता सिर्फ आदि स्वरूपा माता को ही हैं. सूर्य की आराधना उपासना से उनके भक्तों को आदि स्वरूपा माता की भी कृपा प्राप्त होती है. जब जब सृष्टि पर दैत्यों के अत्याचार बड़े थे, तब देवताओं ने सूर्य की उपासना की थी. सूर्य के प्रकट होते ही उसके प्रचंड ताप को भी अत्याचारी सहन नहीं कर पाए थे. देवासुर संग्राम में जब माता पार्वती ने पुत्र कार्तिके को युद्ध में भेजा था, तब उन्होंने सूर्य की उपासना की थी. इस युद्ध में कार्तिके विजयी हुए थे. माता पार्वती ने डूबते सूरज को देख कर आभार प्रकट की थी.सूर्य रहस्यम में ऐसा वर्णन मिलता है कि सर्वप्रथम माता पार्वती ने सूर्य की उपासना की थी द्वापर त्रेता सज्जू अर्थात तीनों कालों में देवताओं और मनुष्यों ने प्रत्येक सदैव सूर्य की उपासना की थी वर्णन कई बार असाध्य रोग उत्पन्न होने पर उन्होंने भगवान सूर्य की उपासना की थी . सूर्य की उपासना से देवताओं के सभी रोग संताप दूर हो गए थे.

माता की ही उपासना है: सूर्य की उपासना व आराधना सच्चे अर्थों में माता की ही उपासना है. सूर्य के अंदर विद्यमान शक्ति माता की शक्ति ही है .जब से सृष्टि अस्तित्व में आई तब से सूर्य की उपासना के प्रमाण मिलते हैं . सूर्य उपासना का सबसे बड़ा पर्व सूर्य षष्ठी, छठ पर्व है.भारतवर्ष के लगभग राज्यों में छठ पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है . भारत से विदेश में बसे अप्रवासी भारतीय भी छत पर वहां बड़े ही धूमधाम के साथ मनाते हैं . बिहार और उत्तर प्रदेश का छठ पर्व की बात ही निराली है. यह निर्विवाद सत्य है कि बिहार से छठ पर्व झारखंड में प्रवेश किया.

सूर्य की विशेष आराधना: छठ पर्व के दूसरे दिन को आंचलिक बोलचाल की भाषा में पारन दिन कहा जाता है. इस दिन छठ व्रतधारी उगते सूर्य की उपासना और आराधना करते हैं. इनके उपासक, भक्त और व्रतधारी सूर्य को अर्घ्य के माध्यम से जल व दूध अर्पित करते हैं . अर्घ्य अर्पित करने से पूर्व इनके व्रतधारी स्वयं को जल में आधा डूबा कर भगवान सूर्य की विशेष आराधना करते हैं.

व्रतधारियों के मन में तरह-तरह की मनोकामनाएं होती है. वे सभी अपने -अपने आराधना के क्रम में मन की बातें प्रत्येक देव सूर्य से कहते हैं . भगवान भास्कर के व्रतधारियों के मन में यह पक्का विश्वास रहता है कि उनकी बातें सूर्यदेव जरूर सुनेंगे और मनोकामनाएं पूर्ण भी करेंगे. इस पर्व के प्रति लोगों की बढ़ती आस्था यह बताती है कि निश्चित रूप से इनके व्रतधारियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है.

सूर्य षष्टि (छठ पर्व) के व्रतधारी संध्या में डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करते हैं. हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार डूबते और उगते सूरज की उपासना व आराधना की महत्ता बताई गई है. छठ पर्व की शुरुआत डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने से होती है . इस पर्व का समापन व पारन उगते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने से होता है . उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते के पश्चात ही उनके व्रतधारी भगवान भास्कर की विशेष पूजा कर प्रसाद ग्रहण करते हैं . महिला और व्रतधारी को परवैतीन इनके नाम से पुकारा जाता है. पुरुष व्रतधारी को व्रतधारी के नाम से ही पुकारा जाता है .इस पर्व को स्त्री पुरुष दोनों ही करते हैं . पुरुष की तुलना में स्त्रियां ही इस पर्व को ज्यादा करती हैं.

सूर्य की उपस्थिति आवश्यक: छठ पर्व के दो महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु हैं. प्रथम डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना. दोनों अर्घ्य में सूर्य की उपस्थिति आवश्यक है. इस पर्व की तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि व्रतधारी आधा व थोड़ा जल में डूबकर ही ही भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं. इस पर्व पर बांस के सूप, ॠतु फल, आटा - गुड़ मिश्रित ठेकुआ आदि का जुड़ाव समय के साथ होता गया था. धीरे-धीरे ये सारी चीजें छठ पर्व की पहचान बनती चली गई . बाद के कालखंड में जैसे-जैसे इनके व्रतधारियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती गई, सोना, चांदी और पीतल के बने सूप पर फल, ठेकुआ रखकर अर्घ्य देने जैसी प्रथा की शुरुआत हुई थी .

लोकप्रियता का आलम: इस पर्व की बढ़ती लोकप्रियता का यह आलम है कि गीतकारों की कलम खुद-ब-खुद चल पड़ी. हजारों की संख्या में अब तक छठ पर्व पर गीत लिखे जा चुके हैं .उतनी ही संख्या में गायकों ने अपना स्वर प्रदान कर इसे और भी मोहक बना दिया .भारत आदिकाल से पर्वों के देश के रूप में जाना जाता है. हर पर्व - त्योहारों पर गीत रचे गए , जो आज हमारी लोक कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है .अन्य पर्वों की तुलना में छठ पर्व पर सबसे ज्यादा गीत लिखे और गाये गए है. यह सिलसिला यहीं नहीं रुक रहा है बल्कि निरंतर छठ पर्व पर हमारे गीतकार कुछ न कुछ लिख रहे हैं और गायकगण स्वर प्रदान कर रहे हैं.

जीवन में संकल्प का बड़ा महत्व: डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने का तात्पर्य है यह कि मानवीय जीवन में संकल्प का बड़ा ही महत्व है . हर मनुष्य को कभी भी अपने संकल्प पथ से हटना नही चाहिए. जीवन में निराशा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए. हर शाम के बाद सुबह का आना निश्चित है . जीवन एक यात्रा के समान है. सुख-दुख जीवन यात्रा के साथी होते हैं. इनका आना और जाना लगा रहता है. विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य अपने संकल्प पत्र से विमुख ना हो . जो मनुष्य अपने संकल्प पथ से विमुख नहीं होते और दृढ़ता पूर्वक अपने संकल्प का पालन करते हैं. उनके जीवन में सूर्योदय आशा का नूतन सवेरा लेकर आते हैं. उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने का सार तत्व यही है. किसी भी व्यक्ति को उसका कर्म ,सोच और संकल्प ही महान बनाता है. सूर्य की उपासना का तात्पर्य भी यही है .हर मनुष्य को कर्मवीर होना चाहिए. जीवन के संघर्ष से मुकाबला पूरी निर्भरता के साथ करना चाहिए. मनुष्य की सोच सदैव सकारात्मक होनी चाहिए. रत्ती भर नकारात्मकता का स्थान नहीं होना चाहिए. श्रेष्ठ कर्म और उत्कृष्ट सोच जीवन के अंतिम क्षणों तक बनी रहे, इसलिए डूबते और उगते सूरज को अर्घ्य अर्पित करते हैं.

रूढ़ियों और वर्जनाओं को तोड़ता है महापर्व छठ

निलय सिंह

लोक आस्था का महापर्व छठ रूढ़ियों और वर्जनाओं को तोड़ने वाला है. ऐसे कई तथ्य इस पर्व से जुड़े हैं, जो इसे अन्य पर्वों से अलग और अनोखा बनाते हैं . आईए नजर डालते हैं छठ पर्व से जुड़ी ऐसी विशेषताओं की जो रूढ़ियों को तोड़ती हुई नजर आती हैं.

अधिकतर पर्व-त्योहारों के अनुष्ठान में किसी पुरोहित की आवश्कता पड़ती ही है, लेकिन छठ पूजा में किसी पुरोहित की जरूरत नहीं है. छठ में विधि विधान तो हैं पर कर्मकांड नहीं. न कोई मंत्र , न कोई आडंबर.

'दुनिया उगते सूर्य को सलाम करती है' यह कहावत पूरी दुनिया में मशहूर है, लेकिन छठ महापर्व के दौरान अस्ताचलगामी सूर्य की आराधना पहले होती है इसके बाद उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. इसके पीछे ये संदेश है कि जिसका अस्त होता है. उसका उदय होना निश्चित है.

इस समाज को पुरूषप्रधान माना जाता है और लोग पुत्र की कामना करते हैं ,लेकिन छठ ही एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें छठी मइया से पुत्री की कामना की जाती है .छठ के एक गीत में गाया जाता है,' रूनकी झुनकी बेटी एक मांगी ला, मांगी ला पंडित दमाद. यही है छठ की महत्ता जो इस पर्व को अनोखा बनाता है.

छठ पर्व में जातिवाद और छुआछूत जैसी गलत परंपरा स्वतः समाप्त हो जाती है. इसके लिए कोई अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता नहीं. इस पर्व में दलित समुदाय के हाथों बनने वाला सूप और दउरे से अर्घ्य दिया जाता है. जिसके बिना छठ की कल्पना ही नहीं की जा सकती. सभी संप्रदाय और धर्म के लोग छठ पूजा में खुले दिल से सहयोग करते हैं.चाहे वह मुस्लिम समुदाय हो या इसाई. कई मुस्लिम परिवारों में भी छठ पूजा पूरे श्रद्धा के साथ होती है. कहीं कोई सड़क और गली साफ कर रहा है, तो कहीं कोई पूजन सामग्री का वितरण कर रहा है. ये दृश्य अन्य त्योहारों में कम ही देखने को मिलते हैं .

छठ पर्व के कई आयाम हैं, जो अंदर के अहम को समाप्त कर देते हैं. जैसे कई लोग भीख मांग कर छठ करते हैं. भले ही वे कितने भी अमीर हैं और भीख मांगने से जो कुछ मिलता है. उसी से पूजा करते हैं. छठ घाट पर उनसे मांग कर प्रसाद खाने की परंपरा भी छठ को अनोखा बनाता है. गांवों में कहा भी जाता है कि छठ का प्रसाद मांगकर ही खाना चाहिए. यानी छठ का व्रत कोई भी करे, घाट पर आने वाला हर व्यक्ति आस्था से जुड़ा है. इसलिए व्रती भी प्रसाद मांगने वालों को खुशी से भगवान भुवन भास्कर पर चढ़ाया प्रसाद देते हैं.

इसके अलावा और भी कई बातें हैं, जो महापर्व छठ पर्व को सरल, सहज, सुलभ और अनोखा बनाता है और यही छठपर्व की महिमा भी है.

छठ मइया के गीतों की गूंज

प्रकृति का अनूठा पर्व छठ

डॉ. कौशलेंद्र बटोही

ऐसे तो कहा जाता है कि भारतवर्ष उत्सवों एवं पर्व त्योहारों का देश है. उसमें भी बिहार एवं इससे लगे प्रदेशों में छठ पर्व का अपना विशेष महत्त्व है. छठ पर्व उत्साह एवं उपासना का उत्सव है. यह संस्कृति, कला, गीत, संगीत, हर्ष, एवं परंपराओं का अद्भुत संगम है. इसमें उल्लास है, उमंग है, यह एक सामूहिकता एवं सामाजिकता का जीता-जागता उदाहरण है. जितने भी पर्व-त्योहार मुख्यतः मनाये जाते हैं उसमें छठ एक अलग उपासना का तरीका है. यह पूर्णतः प्रकृति से पूजा जुड़ा हुआ पर्व है. प्रकृति की पूजा, प्रकृति की उपासना, प्रकृति की महिमा है. जहां सूर्य है, नदी है, मिट्टी है, किसान हैं, समाज के परिष्कृत लोगों के समूह का कौशल है, महिला है, पुरुष है, हर उम्र के लोग और उनका स्वरूप है, किसी न किसी रूप में उनका उपयोग है. चार दिवसीय यह उपासना दीपावली के अगले सप्ताह से शुरू होता है और किसान के खेत की पहली फसल चाहे वह खरीफ हो या नगदी आना प्रारंभ होता है तो यह पर्व शुरु होता है. किसान अहलादित रहते हैं, किसानों में नई फसल का उल्लास भर जाता है.

धन्यवाद देने का पर्व: एक तरह से सूर्य मानव जीवन को प्रज्जवलित करने के लिए, किसान की उम्मीदों को जगाने के लिए सूर्य के पर्व का रूप है, तो उन्हें धन्यवाद देने का भी पर्व है. आप इस पर्व में प्रयोग होने वाली सामाग्री पर ध्यान देंगे तो इसकी महत्ता एवं प्रकृति से जुड़ाव का एहसास होगा. नदी के तट पर उसके बढ़ते हुए जल में खड़ा होकर सूर्य की आराधना करते हुए अर्घ्य देना मानव जीवन के अस्तित्व का प्रतीक है. नदी जीवन के प्रवाह का प्रतीक है. मानव रूपी जीवन भी नदी की धारा की तरह समस्त अच्छे बुरे अनुभवों को समाहित करते हुए चलता है. सूर्य सचाई है, सत्य है. हम इसके डूबते हुए स्वरूप की भी अराधना करते हैं, जो अनूठा है, अनुपम है. डूबता सूर्य मानवता है, इंसान कितना भी उजाले में हो, प्रभावशाली हो, उसका डूबना सत्य है. उसके अस्त होने पर उसके द्वारा किया गया सहयोग, उपकार को याद करना, धन्यवाद का प्रतिविम्ब है. गन्ने का मौसम होता है जो किसान की आर्थिक संपन्नता का घोतक है. यह सफाई का पर्व है, पवित्रता की उपासना है, चुंकि ॠतु परिवर्तन का समय होता है, ठंड आने वाली होती है. इसलिए नदी, सामाजिक स्थल, रास्ते, पगडंडिया, तालाब समस्त जल स्रोतों की सफाई सामूहिक रूप से हमारा समाज करता है. इससे पर्व की पवित्रता के साथ-साथ आने वाले मौसम में जीवन जीने के तौर-तरीकों को आसान करता है.

अगर हम सनातन धर्म के और त्योहारों से तुलना कर देखेंगे तो छठ एक ऐसा त्योहार है जिसमें अलग से कोई विशेष पूजा पद्धति नहीं है, कोई मूर्ति नहीं है, किसी पंडित की जरूरत नहीं पड़ती, यह खुद को परमात्मा से जुड़ाव का प्रतीक है, स्वयं सिद्धि का प्रतीक है, यह स्वयं की आत्मा के आत्मबोध की पूजा है. जाति, उपजाति, पंथ, संप्रदाय सबका एक ही रास्ता है, एक ही उपासना पद्धति है. यह सामूहिकता द्योतक है. यह समाज के जुड़ाव ,सहयोग और समर्पण का पर्व है.

समानता का द्योतक: पूजा के बर्तन मिट्टी के होते हैं जो गरीब, गांव के कौशल सम्पन्न लोगों के द्वारा निर्मित होता है. मिट्टी के बर्तन को हम भौतिक जगत के स्वरूप के रूप में कल्पना कर सकते हैं. पीतल के बर्तन जो कि कुटीर उद्योगों में निर्मित होते हैं, इसमें प्रयोग किए जाते हैं. इस उपासना के प्रसाद चाहे सम्पन्न हो, शक्तिशाली हो, गरीब हो, अमीर हो, सबके यहां देशी घी में ठेकुआ बनता है. यह समानता का द्योतक है. गाय का घी, गुड़, आटा, चावल की खीर सब किसान के यहां पैदा होने वाले और प्रयोग की वस्तुएं हैं. यह गांव के स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने से सहायक होता है. पूजन सामग्री में भी आप समस्त उन चीजों को पाएंगे. जो स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होते हैं और हमारे सामाजिक बनावट में वह कहीं न कहीं सबकी भागीदारी को निश्चित करता है. यह पूर्णतः गांव, शहर के आर्थिक गतिविधियों के साथ साथ सामाजिकता के स्तर पर सामूहिकता का आहवान करता है.

उल्लास, उमंग लेकर आता है: आमतौर पर बांस का काम करने वाले लोग समाज के स्तर पर सबसे नीचले पायदान पर होते हैं. परन्तु अर्घ्य देने वाला सूप उसी के द्वारा निर्मित होता है. यह त्योहार उनके लिए उल्लास, उमंग लेकर आता है. अगर हम परिवार के स्तर पर देखेंगे तो स्त्री, पुरुष, बच्चे सबकी कहीं न कहीं सहभागिता होती है. यह सभी को जोड़ने का संदेश होता है.

यह पवित्रता का बोध करता का है, यह मनुष्यता का प्रतीक है. चरित्र के स्थापना का घोतक है, स्वयं के जलने का, निर्जला उपासना करने का प्रतीक है. यह स्वयं के परिमार्जित करने के साथ साथ समाज के स्तर पर जागृति का संदेश है. छठ समाज के आत्मनिर्भरता का भी प्रतीक है. परिवार के साथ-साथ हर स्तर पर आत्मनिर्भरता का संकल्प है. त्योहार के रूप में समाज को सामाजिकता के साथ-साथ सामूहिक रूप से आत्मनिर्भरता एवं व्यक्ति के अनवरत विकास का प्रतीक है. छठ प्रकृति की आराधना का एक ऐसा पर्व है, जो समाज की जीवंतता पर आधारित होते हुए व्यक्ति को सामूहिकता की तरफ ले आकर आत्मनिर्भरता का द्योतक है.

आज अस्ताचलगामी सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

कद्दू भात और खरना के साथ छठ पूजा का अंतिम चरण शुरू हो चुका है. आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. इसके लिए राज्य भर के छठ घाटों में तैयारी पूरी कर ली गई है. सामाजिक संगठन और पूजा समितियों ने घाटों और रास्तों को न सिर्फ सुव्यवस्थित किया है, बल्कि छोटे बल्बों की लड़ियों से दुल्हन की तरह इसे सजा दिया है. रांची, धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, पलामू, गढ़वा, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा सहित राज्य के अन्य जिलों में सामाजिक संगठनों की ओर से व्रतियों के बीच फल और पूजन सामग्री का वितरण भी किया गया. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनकी पत्नी, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजपा नेता नीरज सिंह, पूर्वी सिंहभूम के भाजपा जिला मंत्री मनोज तिवारी ने भी व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया. छठ को लेकर उल्लास का वातावरण है. शनिवार को छठ पूजा के बाजार गुलजार रहे. भक्तों ने खूब खरीदारी की. पूजन सामग्री में फल,फूल, ईख, केला,सूप,दउरा खूब बिके. शनिवार शाम को एक दूसरे के घरों में जाकर लोगों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया. इस दौरान घरों में भी छठ को लेकर विशेष तैयारी देखी गई. आम तौर पर अन्य राज्यों में काम के सिलसिले में जाने वाले लोग छठ के मौके पर अपने घर आते हैं. इसलिए आयोजन खास हो जाता है. छठ व्रतियों की सुविधा को लेकर घाटों में प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. साथ ही स्वयसेवी संस्थाएं, पूजा समितियां और सामाजिक संगठन से जुड़े लोग अपने अपने क्षेत्र के घाटों पर सहायता के लिए तैयार है, ताकि यह पर्व सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके.

प्रायोजक

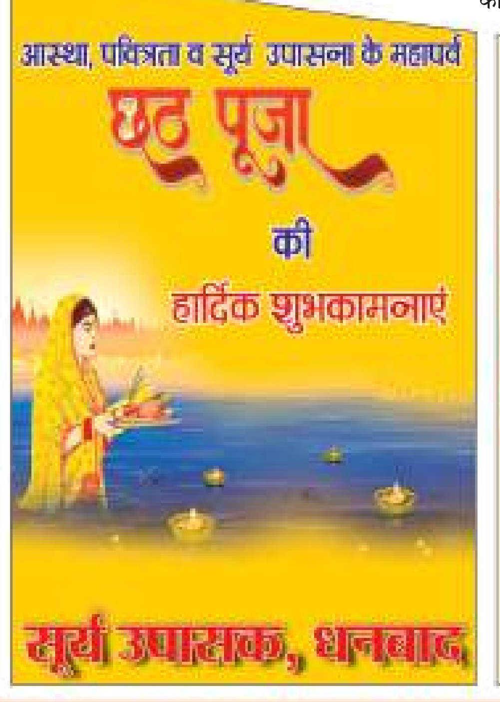

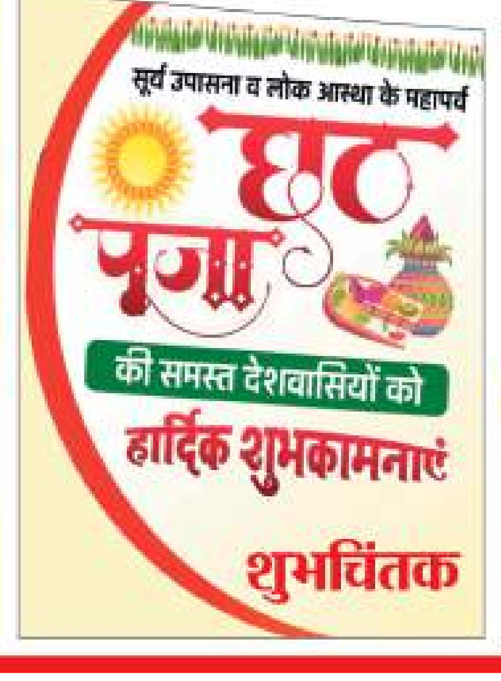

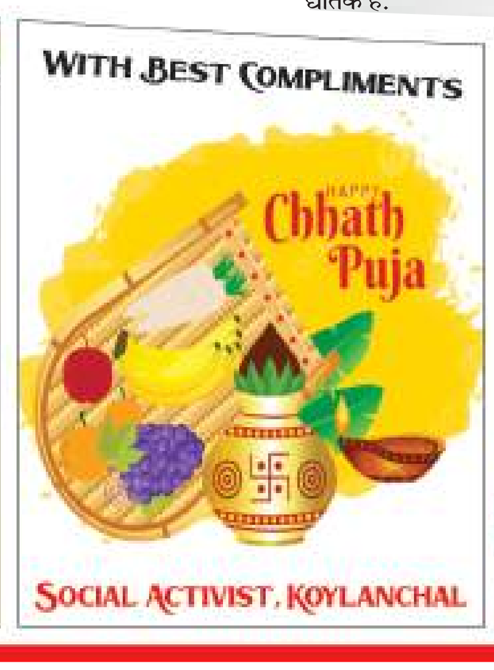

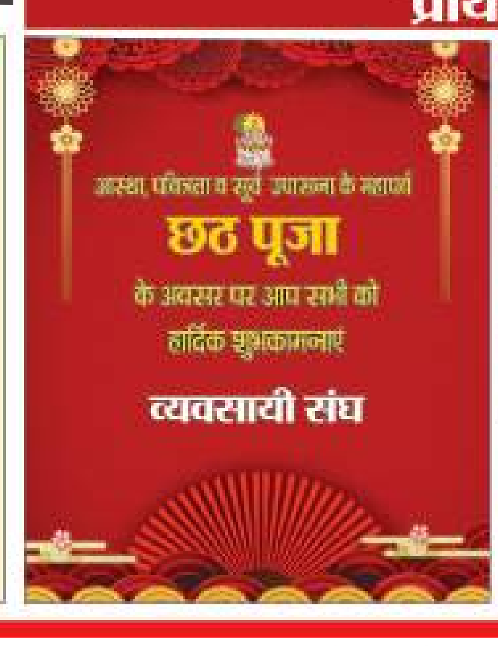

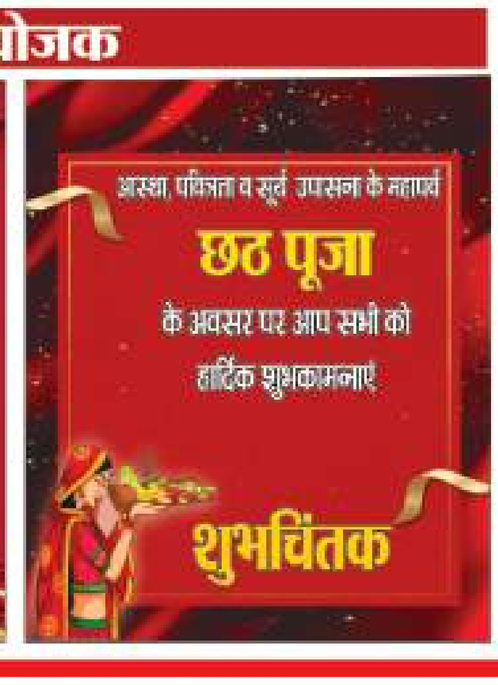

अनगड़ा-टाटीसिलवे के स्वर्णरेखा तट पर छठ व्रतियों की उमड़ेगी भीड़, विद्युत सजावाट से जगमगा रहे घाट

खरना संपन्न, आज अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे छठव्रती

संवाददता। अनगड़ा

नेम निष्ठा का महापर्व छठ का उत्साह चरम पर है. शनिवार को छठव्रतियों ने पूरे दिन उपवास के बाद संध्या में दूध और अरवा चावल से बने खीर व अन्य पूजन सामग्री भगवान भास्कर को अर्पित किया. खरना के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ हो गया है. रविवार को भगवान भास्कर के अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा. पर्व को लेकर छठ घाटों की साफ सफाई पूरी कर ली गयी है. छठ को लेकर बाजार में भीड़ भाड़ बढ़ी हुई है. फल व पूजन सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ पूरे दिन उमड़ी रही. व्रतियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है. सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पहले से ही सजग है.

खास बातें

- छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू
- छठ घाटों पर सुरक्षा को लेकर प्रशासन सजग है

टाटीसिलवे छठ घाट पर उमड़ेगा जनसैलाब

राजधानी रांची के टाटीसिलवे स्थित छठ घाट में व्रतियों की भारी भीड़ उमड़ती है. टाटीसिलवे स्थित स्वर्ण रेखा नदी के तट पर 2016 में भगवान भास्कर के मंदिर की स्थापना की गयी भी. तब से लगातार भगवान सूर्य की उपासना के लिए दूर -दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचते है. मंदिर के अंदर भगवान सूर्य विराजमान हैं. मंदिर के बाहर सात घोड़ों का निर्माण किया गया है. ऐसा प्रतीत होता है जैसे भगवान सूर्य दौड़ लगाने को तैयार है. इसके ठीक बगल में स्वर्णरेखा नदी प्रवाहित होती है. इसके तट पर कई साल पहले से छठ महापर्व बृहद रूप से मनाया जाता रहा है. हजारों की संख्या में छठव्रती इस स्थल पर आकर पूजा करते हैं. उनके परिवार के सदस्य कई दिनों पहले से ही छठ घाट को बनाने में लग जाते हैं. छठ महापर्व को लेकर ही इस स्थल पर सूर्य मंदिर का निर्माण किया गया है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- झारखंड में कोल विद्रोह कब हुआ था – 1820
- लोकसभा का नेता कौन होता है – प्रधानमंत्री
- स्पार्टा शहर किस देश में स्थित है – यूनान
- देश में सूरजताल झील कहां है – हिमाचल प्रदेश
- नारियल का वैज्ञानिक नाम क्या है – कोको न्यूसीफेरा
- भारत का सिलिकान वैली किसे कहा जाता है – बेंगलुरु
- अष्टप्रधान किस प्रशासन का अंग था – मराठा
- नाटो का मुख्यालय कहां है – ब्रुसेल्स
- किसे विद्रोही कवि कहा जाता है – काजी नजरुल इस्लाम
- नादिर शाह आक्रमण के समय मुगल शासक कौन थे – मुहम्मद शाह

ब्रीफ खबरें

मुड़मा की घटना को लेकर हुई बैठक

मांडर। मुड़मा में मंदिरों की तोड़ी गई प्रतिमाओं के खिलाफ शनिवार को मुड़मा में सभी संप्रदाय के लोगों ने बैठक की. बैठक में धर्मगुरु बंधन तिग्गा, थाना प्रभारी विनय कुमार यादव सहित अन्य लोग भी मौजूद थे. सभी लोगों ने एक स्वर में इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली ऐसी घटना समाज में कभी नहीं होनी चाहिए. जिन लोगों ने सौहार्द को बिगड़ने की कोशिश की है, प्रशासन उन लोगों को गिरफ्तार करे. जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो.

बचरा छठ घाट की साफ-सफाई गयी

पिपरवार। लोक आस्था का महापर्व को लेकर बचरा छठ घाट की साफ सफाई का निरीक्षण झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बचरा उत्तरी पंचायत की मुखिया गुंजन कुमारी सिंह ने किया. छठ घाट पहुंचने के बाद साफ सफाई छठ व्रतियों की सुविधा एवं पानी की व्यवस्था को घूम कर पूजा कमेटी के साथ देखीं .छठ घाट में सारी व्यवस्था अच्छे से की जा रही है . छत व्रतियों की सुविधा को लेकर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ने पिपरवार महाप्रबंधक एवं पूजा कमेटी के सदस्यों को बधाई दी .

पीडीएस डीलरों के साथ डीएसओ ने की बैठक

मांडर। प्रखंड सभागार गृह में शनिवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत द्वारा प्रखंड जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक में प्रखंड प्रमुख , बीडीओ, सह सीओ,एमओ, मंडर डीलर संघ के अध्यक्ष के अलावा सभी पीडीएस दुकानदार, महिला संघके सदस्य सम्मिलित हुए. बैठक में डीएसओ ने कहा कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना का लाभ सभी लोगों के बीच पहुंचने का सारा जवाब देही और जिम्मेवारी डीलरों के ऊपर है.

झामुमो प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ से की मुलाकात

ख़लारी। झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखण्ड अध्यक्ष अनिल पासवान के नेतृत्व मे शनिवार को खलारी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी लेखराज नाग से मुलाकत की प्रतिनिधिमंडल ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की. यह कार्यक्रम खलारी प्रखण्ड के सभी पंचायत में चलाया जाना है. जो दिनांक 24 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक आयोजित है . इस शिविर में राज्य सरकार के द्वारा संचालित योजना में ग्रामीणों द्वारा प्राप्त आवेदन का त्वरित निदान करने आग्रह किया.

छठ घाटों का भाजपा नेता ने जायजा लिया

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का भाजपा नेता सह युवा दस्तक के अध्यक्ष आशीष कुमार साहू ने निरीक्षण किया. डोम नदी, रुक्का डैम,ओरमांझी तालाब, व चकला तालाब के छठ घाटों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता ने सभी छठ पूजा समिति के सदस्यों को अध्य अर्पित करने वाले व्रतियों के स्नान वाले स्थल(तालाब या नदी) में बैरिकेटिंग करने, महिला व्रतियों को कपड़ा बदलने हेतु टेंट लगाने आदि की व्यवस्था करने को कहते हुए कहा कि छठ पर्व एक महान पवित्रता का त्यौहार है.

चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पेड़ से जा टकराया

बारात से लौट रहे 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता। गिरिडीह

जिले के मुफस्सिल थाना इलाके के बाघमारा के पास भीषण सड़क हादसा हो गया है. शनिवार सुबह बारात से लौट रही गाड़ी पेड़ से टकरा गयी, जिससे गाड़ी में बैठे छह लोगों की मौत हो गयी. वहीं कई अन्य लोग घायल हो गये. घटना की सूचना पर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा. वहीं शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. सोशल मीडिया पर राज्यपाल और सीएम हेमंत सोरेन ने शोक जताया है।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराया वाहन : घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बारात से लौट रहा वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया. वाहन की गति इतनी तेज थी कि पेट से टकराने के बाद उसमे बैठे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि एक घायल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी।

इन लोगों की हुई मौत : इस घटना में झारखंड मुक्ति मोर्चा (अल्पसंख्यक मोर्चा) के जिला उपाध्यक्ष असगर अंसारी के 31 नर्षीय भतीजे सगीर अंसारी के अलावा यूसुफ मियां गजोडीह (70 वर्षीय), इम्तियाज अंसारी (55 वर्षीय), सुभान अंसारी गजोडीह (35 वर्षीय) चालक सगीर अंसारी समेत 6 लोगों की मौत हुई है.

वाहन में दस लोग थे सवार : जानकारी के अनुसार, मो फारुख अंसारी के बेटे चांद रसीद की शादी मुफ्फसिल थाना इलाके के टिकोडीह के रहने वाले पप्पू अंसारी की बेटी मुस्कान प्रवीण से तय हुई हुई थी. तय समय के अनुसार, 17 नंवबर की रात को निकाह हुआ. ऐसे में थोरिया से बारात टिकोडीह पहुंची थी. निकाह के बाद करीब 10 लोग एक स्कार्पियो पर सवार होकर थोरिया के लिए निकले. वाहन जैसे ही मुफस्सिल थाना इलाके बाघमारा के पास पहुंचा तो चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क के किनारे पेड़ से जा टकराया. इस घटना में पांच लोगों की मौत मौके पर हो गयी. जबकि एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी. हादसे में अन्य घायलों का इलाज हो रहा है।

दर्दनाक हादसा

- बारात से लौट रही गाड़ी पेड़ से जाकर टकरा गयी
- स्कार्पियो गाड़ी में करीब 10 लोग सवार थे

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

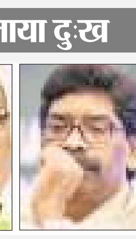

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गिरिडीह में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर शोक जताया है. राज्यपाल और सीएम ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मृत्यु की दु:खद खबर से मन आहत है. परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे. जिला प्रशासन द्वारा दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है. उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं.

पलामू जेल से गैंगस्टर अमन साहू ने फोटो किया पोस्ट, लिखा

मुझे मिलने लगा बढ़िया खाना

सौरभ सिंह। रांची

जेल की व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं. दरअसल, पलामू सेंट्रल जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू ने सोशल मीडिया पर अपना फोटो पोस्ट किया है. इसमें उसने कहा कि समाचार पत्रों में पलामू जेल में हो रही अनियमितता, भ्रष्टाचार और जेल अधीक्षक और उनके मातहतों की संलिप्तता के बारे में खबर छपने के बाद मुझे बढ़िया भोजन दिया जाने लगा है, लेकिन जेल में मेरे अलावा भी 1100 और बंदी हैं, उनका क्या.

अमन साहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि नौ नवंबर को पलामू जेल के सारे टेलीफोन केंद्रों को तकनीकी ख़राबी होने का बहाना बना कर शाम तीन बजे तक, बंद कर दिया गया था, ताकि बंदी अपने परिजनों और वकीलों से समाचार पत्र में छपी ख़बर के बारे में पूछताछ ना कर सकें.

चंदन तिवारी जेल में मोबाइल लेकर घूमता है

अमन साहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है कि कारा मुख्यालय का स्पष्ट आदेश है कि -जेल के भीतर जेल अधीक्षक और डॉक्टर के अलावे कोई भी कर्मी मोबाइल लेकर जेल के अंदर प्रवेश नहीं कर सकते हैं.

फ़िर किन परिस्थितियों में भूतपूर्व सैनिक हवलदार : चंदन तिवारी पूरे जेल में मोबाइल साथ में लेकर भ्रमण करते हैं. जेल में बंदियों को सरकार द्वारा जो डाइट स्केल के तहत दी जानी है. किन परिस्थितियों में डाइट की कटिंग कि जाती है. स्टॉक पंजी में शत-प्रतिशत डाइट आपूर्ति की झूठी इंट्री क्यों की जाती है.

बंदी आवेदन डिस्पैच नहीं किया जाता है : अमन साहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है कि बंदियों के द्वारा जेल में भ्रष्टाचार एवं अधिकारियों की संलिप्तता की शिकायत पत्र लिखे जाने पर किन परिस्थितियों में बंदी आवेदन डिस्पैच नहीं किया जाता है. सेल में वैसे बंदियों को बंद कर प्रताड़ित किया जाता है, जेल ट्रांसफ़र कर दिया जाता है, कैदियों का रीमिशन कट कर दिया जाता है.

ट्रैक्टर खाई में गिरा चालक की हुई मौत

राजगंज । धनबाद-राजगंज मुख्य मार्ग पर श्मशान रोड के समीप शनिवार को एक ट्रैक्टर असंतुलित होकर खाई में गिर गया. इस हादसे में ट्रैक्टर चालक सोहराय टुडू (45 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वह टुंडी के दलदली का रहने वाला था. घटना शाम करीब पांच बजे की है. सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई. राजगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेजा. वहीं, ट्रैक्टर को खाई से निकालकर थाना ले गई.

संयुक्त सचिव ने की विकसित भारत कार्यक्रम की समीक्षा

संवाददाता। लातेहार

केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव करमा जिंपा भूटिया ने लातेहार समाहरणालय के सभागार में हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम की समीक्षा की. मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम की शुरूआत 23 नवंबर को प्रस्तावित है. हर पात्र व्यक्ति तक सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार के द्वारा कार्यक्रम शुरू की गई है. उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए प्रखंड व पंचायतों में आईईसी वैन के संचालन के लिए रूट चार्ट तैयार करने व इसके सफल संचालन एवं नियमित मॉनिटरिंग के लिए समिति गठित करने का निर्देश दिया. कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार अनेक स्तर पर प्रयास कर रही है. संयुक्त सचिव ने इस कार्यक्रम के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिलाने का निर्देश दिया.

एसडीएम ने की मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा

संवाददाता। बुंडू

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 58-तमाड़ (अजजा) विधानसभा क्षेत्र-सह-अनुमण्डल पदाधिकारी, बुंडू संदीप अनुराग टोपनो ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक किया . बैठक में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के निमित्त सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी , कम्प्यूटर ऑपरेटर को समय सीमा के अंतर्गत मतदाता सूची प्रकाशन करने हेतु प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। लंबित एवं सुधार के लिए दिए आवेदन को अति शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया है।

सोनाहातू में अस्ताचलगामी सूर्य को आज अर्घ्य देंगे व्रती

सोनाहातू/राहे। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन व्रतियों ने शनिवार की शाम में खरना का अनुष्ठान किया . शाम में व्रती स्नान दान कर भगवान भास्कर का ध्यान लगाया और अपने घर में खरना का भोग चढ़ाया. पूजा पाठ के बाद व्रतियों ने प्रसाद के रुप में खीर का भोजन किया. उसके बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया . लोकआस्था के इस महापर्व में प्रसाद पाने के लिए लोग व्रतियों के यहां पहुंचते रहे. देर रात तक प्रसाद पाने के लिए लोग एक दूसरे के घर जाते रहे. रविवार की शाम में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. सोमवार की सुबह में उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय पर्व संपन्न होगा.राहे प्रखंड के दुलमी गांव भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अपने आवास में अनुष्ठान करेंगे.

बुंडू एसडीएम ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, दिए कई निर्देश

छठ व्रतियों के लिए सूर्य सरोवर तैयार

संवाददात। बुंडू

छठ व्रतधारियों के अर्घ्य देने के लिए बुंडू स्थित सूर्य सरोवर सज धज कर तैयार है. इसके अलावा रानीचुंआ घाट, बड़ा तालाब घाट, खुदिया तालाब घाट,मैनेजर तालाब घाट, प्वाइंट पोखर घाट, कांची नदी घाट, सहित कई और घाटों को साफ कर दिया गया है. बुंडू एसडीएम संदीप अनुराग तोपनो ने स्वंय आज घूम-घूम कर छठ घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे. सूर्य सरोवर में संस्कृति विहार के कार्यक्रम संयोजक प्रमोद कुमार सिंह की देखरेख में घाटों की सज्जा करायी गयी है.कुछ स्वंय सेवी संस्था और लोगों ने पब्लिक इन्टरेस्ट में छठ घाटों में विद्युत सज्जा और साउण्ड सिस्टम इत्यादि की व्यवस्था की है.

बुंडू स्थित सूर्य सरोवर में छठ करने राजधानी रांची, टाटा सहित बिहार के कई अन्य हिस्सों से लोग यहां आते हैं. संस्कृति विहार की ओर से उन्हें रहने,खाने के साथ संध्या और सुबह अर्घ्य देने के लिए दूध इत्यादि की व्यवस्था की जाती है. रात में रूकने वाले भक्तों के लिए सूर्य मंदिर में भजन संध्या कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है. छठ घाट में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए टोकन सिस्टम की व्यवस्था की गयी है.इसके लिए सत्यनारायण भगत को प्रभारी बनाया गया है. प्रशासन की ओर से सुरक्षा को देखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गयी है. प्रमोद जी ने बताया कि यहां चाक-चौबंद व्यवस्था है. यहां की खास बात है कि भक्त यहां अर्घ्य देने के पश्चात् सूर्य स्तुति कर तुरंत भगवान भुवन भास्कर के दर्शन और पूजन कर पायेंगे और कृतार्थ होंगे।

डकरा के सभी छठ घाट सज-धज कर तैयार

डकरा। छठ महापर्व के दूसरे दिन छठ व्रतियों ने दिनभर उपवास रखने के पश्चात नदी, तालाब में स्नान कर नेम निष्ठा से शाम को खरना पूजन किया . खरना पूजा-अर्चना के बाद व्रती खीर- रोटी का प्रसाद ग्रहण किया. इसके साथ ही छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हुआ. घर-परिवार के सदस्यों के साथ ही सगे-संबंधियों, इष्ट मित्रों के बीच खरना का प्रसाद खाने खिलाने का दौर देर रात तक जारी रहा. महापर्व के तीसरे दिन छठव्रती निर्जला रहते हुए रविवार कि शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे. छठव्रतियों के लिए डकरा कोयलांचल के सभी छठ घाट को तैयार कर लिया गया है. क्षेत्र के दामोदर नदी के जामडीह, सुभाषनगर, सपही नदी चुरी, मानकी, मोहननगर तालाब आदि छठ घाट की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है.

कार्यक्रम उर्सुलाईन इंग्लिश मीडियम स्कूल में एल्यूमिनी मीट का हुआ आयोजन

स्कूल के जब पुराने मित्र मिले तो खिल उठे चेहरे

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उर्सुलाईन इंग्लिश मीडियम स्कूल में शनिवार के दिन एल्यूमिनी मीट का आयोजन किया गया. इस आयोजन में 1982 से 2023 तक के उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राएं शामिल हुए. विद्यार्थियों ने बताया कि काफी दिनों से हम लोग बिछड़ गए थे, परंतु आज हम लोगों को एक साथ मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ.

आयोजन में देश-विदेश में रहने वाले विद्यार्थी आए हुए थे. मुख्य अतिथि के रूप में सिस्टम जॉर्जिया उपस्थित थी .उन्होंने बताया कि इस विद्यालय से छात्र एवं छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर देश-विदेश में उच्च पदों पर असीन होकर देश सेवा कर रहे हैं . यह बहुत गौरव की बात है . स्कूल परिवार को गौरव महसूस हो रही है . आयोजन में ऑस्ट्रेलिया के रीता एगेसी 1989 बैच की छात्रा तथा रोम से तारकेश्वर कुमार 1998 बैच के छात्र रह चुके भी शामिल हुए. आयोजन की अध्यक्षता जयंत बनर्जी ने किया. कार्यक्रम में वर्तमान शिक्षक एवं पूर्व शिक्षकों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया. मौके पर पूर्व प्रधानाध्यापिका सिस्टर जसिनता कुजूर, सिस्टर जयंती, सिस्टर सिलस्तीना, सिस्टर कलारा, मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिस्टम मीनाक्षी नायक, सुनंदा जायसवाल, वैशाली आश, दीप्ति कुमारी, सुब्रोदीप सेनगुप्ता का सराहनीय योगदान रहा.

खास बातें

- 1982 से 2023 के छात्र एवं छात्राएं कार्यक्रम में हुए शामिल
- कार्यक्रम में शामिल होने विदेशों से भी आये पूर्व छात्र

रांची डीआरएम ने किया मुरी स्टेशन का निरीक्षण

सिल्ली/मुरी। रांची रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा अपने स्पेशल सेलून से शनिवार को मुरी स्टेशन पहुंचे . जहां उन्होंने निरीक्षण के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक वजन घर का जायजा लिया तथा आरआर आई बिल्डिंग का भी गहनता पूर्वक निरीक्षण किया.बिल्डिंग में लगे पैनल बोर्ड के बारे में बारिकी से कर्मचारियों से पूछताछ किया. वहीं रेलवे क्वार्टर के बारे में भी जानकारी लिया. कर्मचारियों ने रेलवे क्वार्टर में पानी की आसुविधा के बारे में डीआरएम को जानकारी दिया. साथ रेलवे ट्रैक पर पड़े प्लास्टिक तथा अन्य कचरा को अविलंब साफ - सफाई करने को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया .रेलवे कर्मचारियों से रेलवे कॉलोनी के बारे में भी जानकारी लिया. वही यार्ड को नए सिरे से विस्तार करने का आदेश दिया.

आस्था का पर्व

खरना का प्रसाद बनाने से पहले पटना के गंगा नदी घाट पर स्नान करतीं छठव्रती.

छठ पूजा के लिए पटना के मार्केट में सजी केले की दुकानें.

आओ जानें

बिहार कई ऐतिहासिक क्षेत्रों से मिलकर बना

- वर्तमान बिहार विभिन्न एतिहासिक क्षेत्रों से मिलकर बना है. बिहार के क्षेत्र जैसे-मगध, मिथिला और अंग-धार्मिक ग्रंथों और प्राचीन भारत के महाकाव्यों में वर्णित हैं.
- 2014 के रिपोर्ट के मुताबिक बिहार अर्थव्यवस्था में सबसे पीछे था और भारत का सबसे गरीब राज्य भी कहा जाता है.
- सिक्खों के दसवें गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म बिहार की राजधानी पटना में हुई थी. गुरु गोविंद सिंह के जन्म स्थान होने के कारण पटना में उनकी जयन्ती काफी श्रद्धा पूर्ण तरीके से मनाया जाता है.
- बिहार ने हिंदी को अपनी राज्य भाषा का दर्जा दिया है. इसके साथ ही साथ उर्दू को भी बिहार की द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्राप्त है.
- सन 1936 में बिहार से उड़ीसा राज्य को विभाजित करके एक स्वतंत्र राज्य का दर्जा दिया गया. फिर 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य को भी विभाजित करके एक स्वतंत्र राज्य का दर्जा दिया गया.

ब्रीफ खबरें

बच्ची के साथ चचेरे भाई ने किया दुष्कर्म

गोपालगंज । गोपालगंज में बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है. जिले के भोरे थाना क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय मासूम बच्ची के साथ उसी के चचेरे भाई ने घिनौनी हरकत की है. हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. बताया जाता है कि गुरुवार को शाम आरोपी युवक पीड़िता के घर आया और खाना खाने के बाद बच्ची को अपने साथ खेत में लेकर चला गया. वहीं इस घटना के बाद पीड़िता की मां बच्ची को लेकर थाना गई और मामला दर्ज करवायी.

27 प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक हुए निलंबित

मुंगेर । एसपी जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 27 प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक को निलंबित कर दिया. एसपी के द्वारा इतनी बड़ी कार्रवाई करने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. वहीं, एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि बिहार पुलिस मुख्यालय पटना का पत्र संख्या-451/ बल, 14 नवंबर को बिहार पुलिस अकादमी राजगीर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल 39 प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक को छठ पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण को लेकर मुंगेर जिला में प्रतिनियुक्ति की गई थी, लेकिन 27 प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक ने योगदान नहीं दिया.

बक्सर में डबल मर्डर से इलाके में सनसनी

मां व 5 साल की बेटी की गला रेतकर हत्या

- एसपी मनीष कुमार ने कहा कि घटनास्थल से एक चप्पल बरामद किया गया है. पूरे मामले की जांच की जा रही है

संवाददाता ।बक्सर

बक्सर से दिल दहलाने वाली घटना सामने आयी है. यहां औद्योगिक थाना क्षेत्र के बालापुर गांव में शुक्रवार रात अपराधियों ने घर में घुसकर मां-बेटी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अनीता देवी (35 वर्षीय) और उसकी पांच साल की बच्ची पूरे परिवार के साथ घर पर सोयी थी. देर रात घर के एक सदस्य की नींद खुली तो उसने देखा कि घर की चहारदीवारी फांदकर कोई भाग रहा है. लेकिन उसने किसी को जगाया नहीं और जाकर अपने कमरे में सो गया. घर वाले जब सुबह उठे तो देखा कि महिला और उसकी पांच साल की बच्ची का शव खून से लथपथ पड़ा है.

जांच के लिए बुलाया गया है डॉग एस्क्वायड और एफएसएल की टीम : घटना की सूचना पाकर एसपी मनीष कुमार और सदर एसडीपीओ धीरज कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गये. एसपी मनीष कुमार ने कहा कि घटनास्थल से एक चप्पल बरामद किया गया है. पूरे मामले की जांच की जा रही है. डॉग एस्क्वायड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है. जल्द ही मामले का खुलासा किया जायेगा और हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में होगा. कहा कि प्रथम दृष्टया से लगता है कि हत्यारा मां-बेटी को मारने की नियत से ही घर में घुसा था. पुलिस उस सदस्य से भी पूछताछ कर रही है कि जिसने रात को हत्यारे को देखा था. पुलिस को संदेह है कि जब उसने किसी व्यक्ति को घर से निकलकर भागते हुए देखा तो उसने इसकी जानकारी किसी को क्यों नहीं दी.

मामूली विवाद में दबंगों ने युवक के सिर में मार दी गोली, अस्पताल में

संवाददाता ।नालंदा

नालंदा के वेना थाना क्षेत्र के अरौत गांव में मामूली बात को लेकर हुए विवाद में गांव के दबंगों ने एक युवक को सिर में गोली मार दी. जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया और आनन-फानन में इलाज के लिए हरनौत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती. जहां युवक की हालात को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है. घायल युवक की पहचान अरौत गांव के निवासी दुर्गा चौहान के 22 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार के रूप में की गई है. ख्मी व्यक्ति के भाई प्रेम कुमार ने बताया कि बदमाशों ने हाथ में पिस्तौल लहराते हुए लेकर पास आया और हंसी मजाक करते हुए गोली चला दिया. गोली सीधे युवक के सिर में लगी और वह गिर पड़ा.

पटाखा की अवैध फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 घायल

गोरखपुर रेफर, कारोबारी बच्चों से बनवा रहा था विस्फोटक

संवाददाता ।गोपालगंज

गोपालगंज में पटाखा की अवैध फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ. घटना फुलवरिया थाने के सहायक श्रीपुर ओपी स्थित श्रीपुर रकबा खाप की है. शुक्रवार की शाम अवैध रूप से चल रहे पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में काम कर रहे तीन किशोर झुलस गए. जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया. हादसा इतना दर्दनाक था कि पूरा गांव दहल उठा. वहीं, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पटाखा कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया है. हादसे के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने जांच के निर्देश दिए हैं. इधर, हादसा

होने के बाद गांव में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा. घायलों की पहचान श्रीपुर रकबा खाप गांव के निवासी मंगरू सहनी के पुत्र पवन कुमार, हृदया सहनी के पुत्र नीतीश कुमार और सिकंदर सहनी के पुत्र पीयूष कुमार के रूप में हुई है.

घायलों की हालत गंभीर : तीनों किशोर की हालत गंभीर बताई जा रही है. बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया है. पुलिस की ओर से जारी किये गये प्रेस रिलीज में गिरफ्तार पटाखा कारोबारी का नाम मूंगफली मियां उर्फ मोहद्दीनपुर मियां बताया गया है, जो उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला के तरेया सुजान थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव का निवासी है. पुलिस पटाखा कारोबारी से पूछताछ कर रही है.

एक साल से पटाखा बनाने का चल रहा था काम : रकबा गांव में पिछले एक साल से अवैध रूप से पटाखा बनाने का काम चल रहा था. यूपी के रहनेवाले पटाखा कारोबारी मूंगफली मियां उर्फ मोहद्दीनपुर मियां द्वारा आसपास के छोटे-छोटे बच्चों से पटाखा बनाने का काम लिया जा रहा था. शुक्रवार को भी बारूद से पटाखा बनाने का काम चल रहा था, तभी अचानक से ब्लास्ट हो गया और तीन किशोर झुलस गए.

कुख्यात नक्सली गिरफ्तार झारखंड में चलाता था गिरोह

बांका । बांका पुलिस ने नक्सली राकेश कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया है. एसपी डॉ. सत्यप्रकाश के निर्देश पर गठित टीम ने बाराहाट थाना क्षेत्र के ढाकामोड़ से गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक राकेश (पिता सिकंदर राय) जिले के बेलहर थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर गांव का रहने वाला है. उसे हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है. पुलिस ने बताया कि राकेश कुमार राय को इससे पहले 4 अगस्त 2015 को एक नक्सली कांड में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह फरार हो गया था और झारखंड में रहकर गिरोह संचालित करने लगा. झारखंड के कई थानों में इस पर लूट और छिनतई का मामला दर्ज है. जमुई जिले के लक्ष्मीपुर थाना में दर्ज केस कांड संख्या 309/18 में भी वह वांछित है. आरोपी बेलहर स्थित एसएसबी के रडार पर था.

सीतामढ़ी में संदिग्ध हालात में पांच की मौत, एक की पुष्टि

पटना । सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबू नरहर, नरहा कला गांव और सोलमन टोल के रहने वाले पांच लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गयी. पुलिस ने एक व्यक्ति के मौत की पुष्टि की है. इस मामले में चौकीदार और संबंधित पुलिस पदाधिकारी को सस्पेंड किया गया है. मृतकों में सोलमन टोला के विक्रम, राम बाबू, नरहर गांव के रौशन कुमार, संतोष महतो, नरहा कला के महेश यादव और अवधेश यादव हैं. इस घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है. हालांकि, मृतकों के परिजनों की ओर से किसी तरह का बयान नहीं आया है. पुपरी डीएसपी विनोद कुमार ने शराब पीने से एक व्यक्ति के मौत की पुष्टि की है जबकि एक व्यक्ति की स्थिति बेहद गंभीर होने की बात कही गई है. डीएसपी ने बताया कि अवधेश राय नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई है.

कारोबार

ओपन एआई ने अपने सीईओ को हटाया

सैन फांसिस्को । कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित मंच चैटजीपीटी का निर्माण करने वाली कंपनी ओपन एआई ने अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन को पद से हटा दिया है. कंपनी की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया, ओपन एआई का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता पर अब बोर्ड को भरोसा नहीं है. ओपन एआई की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मीरा मुराती को तत्काल प्रभाव से अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया है.

अमेजन ने एलेक्सा विभाग में सैकड़ों नौकरियां घटाईं

न्यूयॉर्क । वैश्विक कंपनी अमेजन अपने लोकप्रिय 'वॉइस असिस्टेंट' एलेक्सा के परिचालन खंड से सैकड़ों नौकरियां खत्म कर रही है. कंपनी की योजना कृत्रिम मेधा (एआई) पर ध्यान केंद्रित करने की है, जिसके तहत यह कदम उठाया गया है. अमेजन के एलेक्सा और फायर टीवी के लिए उपाध्यक्ष डेनियल रौश ने शुक्रवार को अपने कर्मियों को लिखे एक पत्र में कहा कि कंपनी कुछ पद समाप्त कर रही है. रौश ने लिखा, चूंकि हम लगातार आविष्कार करना जारी रखते हैं, इसलिए हम अपने कुछ प्रयासों को अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए स्थानांतरित कर रहे हैं.

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । इजराइल-हमास युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव उछलकर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

मुलाकात के बाद शी जिनपिंग-जो बाइडेन बोले

एशिया प्रशांत क्षेत्र में निवेश करें निवेशक

एजेंसी ।नयी दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने गुरुवार को एक असाधारण मिलनसारिता दिखाने के बाद विदेशी पूंजी को लुभाने के लिए एशिया-प्रशांत शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से निवेश की अपील की. विदेशी कंपनियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लगातार बहिर्वाह के बीच शी ने सैन फ्रांसिस्को में एपेक सीईओ शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में विदेशी निवेश बाधाओं को खत्म करने का संकल्प लिया और दिल को छू लेने वाले उपायों के साथ विदेशी पूंजी को आमंत्रित करने का वादा किया. शी ने गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) के सीईओ शिखर सम्मेलन में लिखित टिप्पणी में कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति कैसे विकसित होती है, बाजार-उन्मुख, कानून-आधारित और विश्व स्तरीय कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने का चीन का संकल्प नहीं बदलेगा.

उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों को समान और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की चीन की नीति नहीं बदलेगी. 70 वर्षीय शी ने बाइडन के साथ आश्चर्यजनक रूप से सौहार्दपूर्ण और फलदायी शिखर वार्ता के बाद कहा, हम नवाचार कारकों के प्रवाह की बाधाओं को दूर करने, डिजिटल अर्थव्यवस्था के सुधार को गहरा करने और कानून के अनुपालन में डेटा के मुक्त और व्यवस्थित प्रवाह को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे.

दूसरी ओर, एपेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की बैठक को संबोधित करते हुए बाइडन ने एशिया प्रशांत क्षेत्र से निवेश की जोरदार वकालत की और वादा किया कि अमेरिका व्यापार में उच्च मानकों और साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है जिससे पूरे प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा. बाइडन (80) ने चीन के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि अमेरिका जोखिम कम कर रहा है और विविधता ला रहा है लेकिन बीजिंग से अलग नहीं हो रहा है.

अपील की

- विदेशी पूंजी को लुभाने के लिए हुआ सम्मेलन
- विश्व स्तरीय कारोबारी माहौल हो बढ़ावा देता है

एयर इंडिया के ए 350-900 विमान ने भरी पहली उड़ान

एजेंसी ।नयी दिल्ली

एयर इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसके पहले ए350-900 विमान ने सिंगापुर से फ्रांस के लिए पहली उड़ान भरी है. एयरलाइन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर विमान की पहली तस्वीर साझा की. एयर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक विमान को सिंगापुर में पेंट किया गया. इसे दिसंबर में भारत लाने से पहले कुछ जरूरी प्रक्रियाओं के लिए टूलूज भेजा गया है.

टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने विस्तार योजनाओं की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें आगामी वर्षों में 40 एयरबस ए350 विमानों का ऑर्डर दिया गया है. पहला ए350-900 दिसंबर 2023 में भारत आना है. इसके बाद 5 विमान मार्च, 2024 तक बेड़े में शामिल हो जाएंगे. एयर इंडिया ने अभी विमान का रूट तय नहीं किया है. एक अधिकारी के मुताबिक विमान को शुरू में घरेलू मार्गों पर तैनात किया जाएगा. एयर इंडिया ने करीब 700 करोड़ डॉलर के 250 एयरबस और 220 बोइंग विमानों का ऑर्डर भी पक्का कर लिया है. टाटा के स्वामित्व में आते ही एयर इंडिया ने तेजी से विस्तार का लक्ष्य रक्षा है.

कार्रवाई | भारतीय इंजीनियरिंग कंपनी पर कतर में बड़ा एक्शन

टैक्स डिपार्टमेंट ने 239 करोड़ रुपये की लगाई पेनल्टी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

इंजीनियरिंग एवं कंस्ट्रक्शन सेक्टर की दिग्गज भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के ऊपर कतर में बड़ी कार्रवाई हुई है. कतर के टैक्स प्राधिकरणों ने एलएंडटी के ऊपर भारी-भरकम पेनल्टी लगाई है. यह पेनल्टी इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर है. लार्सन एंड टुब्रो ने अपने ऊपर हुई कार्रवाई की जानकारी शेयर बाजारों को दी है.

कंपनी ने बताया है कि कतर में उसे ऊपर दो पेनल्टी लगी हैं. एक पेनल्टी 111.31 करोड़ रुपये की है, जबकि दूसरी पेनल्टी 127.64 करोड़ रुपये की है. इस तरह दोनों को मिलाकर एलएंडटी के ऊपर कतर में 239 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई गई है. ये पेनल्टी अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और अप्रैल 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए हैं.

कंपनी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उसके ऊपर यह कार्रवाई इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर की गई है. कतर के टैक्स प्राधिकरणों का कहना है कि उन्होंने जो टैक्स एसेसमेंट किया था, कंपनी के द्वारा बताई गई इनकम से मैच नहीं करता है. कंपनी के द्वारा डिक्लेयर की गई इनकम और टैक्स डिपार्टमेंट के आकलन में इसी अंतर की वजह से टैक्स डिपार्टमेंट ने पेनल्टी लगाने का निर्णय लिया है. कतर के टैक्स प्राधिकरणों के इस एक्शन को एलएंडटी ने अतार्किक और मनमाना बताया है. कंपनी ने कहा कि उसने पेनल्टी के खिलाफ अपील दायर की है. कंपनी के असेसमेंट और कतर में लागू कानूनों के हिसाब से कंपनी को इस बात का भरोसा है कि अपील के स्तर पर फैसला उसके पक्ष में आएगा. कंपनी ने इस बात को लेकर साफ-साफ मना किया है कि इस एक्शन से उसकी वित्तीय सेहत या परिचालन पर कोई फर्क पड़ने वाला है.

रेवेन्यू में 19 फीसदी तेजी आई है : आपको बता दें कि एलएंडटी की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग व कंस्ट्रक्शन कंपनियों में की जाती है. एलएंडटी अभी भारत व भारत से बाहर दर्जनों प्रोजेक्ट पर काम कर रही है. सितंबर में समाप्त हुई तिमाही के दौरान एलएंडटी का कंसोलिडटेड रेवेन्यू 51 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था. कंपनी के रेवेन्यू में सितंबर तिमाही के दौरान साल दर साल आधार पर 19 फीसदी की तेजी आई थी.

इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी ओला लाएगी आईपीओ

एजेंसी ।नयी दिल्ली

इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी ओला इलेक्ट्रिक जल्दी ही आईपीओ लाने और शेयर बाजार में उतरने की तैयारी में है. इसके लिए कंपनी ने तैयारियां तेज कर दी है. आईपीओ लाने की योजना के तहत कंपनी ने अब एक बड़ा बदलाव किया है. ओला इलेक्ट्रिक इस बदलाव के बाद अब एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं रह गई है, बल्कि उसने खुद को अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी में तब्दील कर दिया है. ओला इलेक्ट्रिक ने प्राइवेट लिमिटेड से पब्लिक लिमिटेड कंपनी में बदलने के बारे में शेयर बाजारों को खुद ही जानकारी दी. कंपनी ने इसके अलावा एक और बड़ा बदलाव किया है. अब ओला इलेक्ट्रिक का आधिकारिक नाम भी बदल गया है. पहले जहां कंपनी का नाम ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड था, अब कंपनी का नाम बदलकर ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड रह गया है.

कंपनी का स्वरूप बदला है : ओला की शुरुआत एक राइड हेलिंग ऐप चलाने वाली कंपनी के रूप में हुई थी. हालांकि अब कंपनी का स्वरूप काफी बदल चुका है. ओला इलेक्ट्रिक उसकी एक सब्सिडियरी है, जिसकी गिनती टॉप की घरेलू ईवी कंपनियों में की जाती है. भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर के बाजार को देखें तो सबसे ज्यादा बाजार हिस्सेदारी पर ओला इलेक्ट्रिक ही काबिज है. ओला इलेक्ट्रिक अपने प्रस्तावित आईपीओ को लेकर बाजार नियामक सेबी के पास इसी महीने ड्राफ्ट यानी डीआरएचपी जमा करा सकती है.

भोरे-पराते सुरुज रथवा सजवले चले के भइले तइयार

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

प्रकृति पर्यावरण और पवित्रता का महापर्व- स्वास्थ्य के संरक्षण के प्रति सतर्कता का महापर्व. लोक जीवन में समानता, समरसता और सामंजस्य का महापर्व. अंध विश्वासों का प्रतिरोधक और आडंबर विहीन धार्मिक अनुष्ठान का महापर्व. इन सभी महापर्वों के संयुक्त स्वरूप का नाम है छठ महापर्व. यह वह महापर्व है, जिसमें लोक आस्था जीवंत हो उठती है, जिसमें सहज ही प्राप्त होता है शिशुओं और बालकों के साथ पूरे परिवार के रक्षण-भरण-पोषण का महामंत्र. इस महापर्व में कर्मकांड और तंत्र-मंत्रों का कोई आडंबर नहीं होता, न ही किसी पंडित पुजारी की आवश्यकता होती है. जिसमें सहज भाव से गंगा आदि नदियों और सूर्य की महत्ता होती है, पूजा होती है. इनके साथ ही पूजी जाती हैं माता षष्ठी, जिन्हें पुराणों में कात्यायनी की संज्ञा दी गयी है. मान्यता के अनुसार माता षष्ठी शिशुओं की रक्षा करती हैं. यही षष्ठी माता आज छठी मइया के रूप में महिमावती हैं, जिनकी भक्ति की मंदाकिनी की धारा प्रभावित हो रही है और अग-जग उसमें सराबोर है. चारों दिशाओं में उनकी महिमा गूंज रही है. ऐसे वातावरण में भला साहित्यकार का हृदय गद्गद क्यों न हो जाए, काव्य की धारा क्यों न फूट पड़े. रांची की कवयित्री **रंजना वर्मा ‘उन्मुक्त’** इस वातावरण को चित्रित करने का प्रयास कर रही हैं, जो इस प्रकार है-

चेहरे सबके खिल गये खुशी से,
छठी मइया आई द्वार हमारे.
देंगी आशीष हमें भर भर के,
देखो खड़े हम आंचल पसारे.
दुख की देखो विकट घड़ी है,
मुश्किल यहां आन पड़ी है.
नहीं होगा कोई अब मजबूर,
छठी मैया करेंगी दुख सब दूर.
हम सभी हैं बच्चे तुम्हारे, छठी मैया आई द्वार हमारे....
घाट किनारे हम सब खड़े हैं, सूप, दउरा भी सजा रहे हैं.
डूबते, उगते सूर्य की करें पूजा,
मिलेगा नहीं धर्म ऐसा दूजा.
खड़े हैं हम सभी हाथ पसारे,
छठी मैया आई द्वार हमारे.....
इस बार भी खुशियां बरसाना,
झोली हमारी भर के जाना.
सूनी गोद ना रहे किसी का,निरोगी काया, हर्षित चेहरा.
हम सभी हैं तुम्हारे सहारे, छठी मैया आई द्वार हमारे..

छठी मैया आ गयीं तो शुभकामनाओं और संभावनाओं के हजारों द्वार एक साथ खुल गये. मंगलकामनाएं केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए, केवल इष्ट मित्रों के लिए ही नहीं, बल्कि शत्रुओं के लिए भी. कहां रह पाता है शत्रुता का भाव? मुट्ठी भर प्रसाद के लिए किसी के आगे सहजतापूर्वक फैल जाते हैं किसी के भी हाथ. छठ वह महापर्व है, जिसमें डूबते सूर्य को भी अर्घ्य अर्पित किया जाता है, पूजा की जाती है. इसे कृतज्ञता ज्ञापन का महापर्व भी कहा जा सकता है. संदेश है कि सम्मान का हकदार केवल उगता सूर्य ही नहीं, डूबता सूर्य भी है. इसी संदेश की ओर इशारा कर रही हैं कवयित्री **रश्मि सिंह**. इनकी रचना का शीर्षक है-दे रहीं अर्घ्य वो.

डूब रहे सूर्य को जा रहा संदेश प्यारा
आज पूरे विश्व को. अस्ताचल जो आज है
उसी का कल प्रभात है फलक पे जो दमक रहा
उसकी भी आती रात है.
सूप दौरे ले खड़ीं जल के मध्य हैं अड़ी
अन्न जल तज खुशी से
हैं दृढ़ निश्चयी बड़ी.
घर के सारे लोग भी
लगे हैं साथ साथ ही
कोई सर पे दौरा ढोता
कोई सूप संभालती......
घर की सुख शांति को कष्ट व्याधि हरने को
व्रत ये करती हैं सभी तप साधना हैं करतीं वो..
पर्व आस्था का ये संदेश स्वच्छता का दे
समाज के हर वर्ग की महत्ता हम स्वीकारते...
हे भुवन भास्कर तुम्हें करती शत नमन हूं मैं
जग में हो रहा जो व्याप्त बचाना हर तम से हमें..

यह गीतों का महापर्व है, जिसकी आहट दीपावली के बाद कोकल-कंठियों द्वारा गाये लोकगीतों से मिलने लगती है. ये लोकगीत ही इस महापर्व के मंत्र होते हैं. इन्हें सुनकर न केवल व्रती और श्रद्धालु, बल्कि स्वयं को नास्तिक माननेवाले व्यक्ति भी विभोर हो उठते हैं. वैसे तो इस पर्व में पारंपरिक लोकगीतों का ही प्रचलन होता है, लेकिन यदि किसी कवि के हृदय में भक्ति का कोई गीत मचल उठे तो उसे कैसे रोका जा सकता है. कवयित्री **गीता चौबे** गूंज के हृदय में एक वैसा ही भोजपुरी छठगीत गूंज उठा तो उन्होंने हमें भी सुना दिया-

भोरे-पराते सुरुज रथवा सजवले
चले के भइले तइयार.
घरवा से निकलली सूरुजदेव के अम्मा
कहवां खाती भइल असवार.
बड़ा रे हुलसि केरा बोलले सूरुजदेव सुन तूहूं अम्मा हमार.
धरती के देसवे परब एक आवेला सरधा से करे नर-नार.
उगे के त उगबो हम रोजहीं के बेरिया आजु के दिन बा बिसेस.
जलवे के भीतर भगत लोग ठाढ़ा बाड़े
भेजले मने मन सनेस.
हाथ के कलसूप लेले छठी के मनावले
खोजले बटिया हमार.
लोटवा में जल भरी आदित के मनावले आव आदित नदिया किनार.
आतना बचन जब सुनली आदित के माई बबुआ के चुमली लिलार.
बबुआ हो आदित बबुआ लोकवा के मालिक
दीनन प करिह उपकार.
आन्हरा के आंख अउरी निर्धन के माया
बांझिन गजाधर अइसन पूत.
आपना किरिनिया से रोग-सोक हरिह
तूंहईं त हव देवदूत.
सरधा से करेला जे छठी रे बरतिया
उनुका के दीह तू अकूत.
उनुका के दीह तू अकूत..

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान सूर्य सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर निकलते हैं, तब प्रभात होता है और जब अस्ताचल में जाकर ओझल हो जाते हैं तो संध्या और निशा का आगमन हो जाता है. भगवान सूर्य के रथ के सारथी अरुण हैं. उनकी महिमा और अवतार की कथा पर प्रकाश डाल रही हैं रांची की कवयित्री **पुष्पा पाण्डेय**, जिनकी कविता का शीर्षक है-सूर्य सारथी अरुण.

ममता की प्यासी थी माता, रख न सकी वह धीर.
बनी सौत सौ सुत की जननी, विनता हुई अधीर.
केवल दो सुत की थी चाहत, रहे शक्ति अरु तेज.
संतति सौ का क्या है करना, जो रहता निस्तेज..
देखभाल करनी थी घट की, वर्षों एक हजार.
कद्रू की देखा- देखी में, पड़ा बाल मझधार.
अंगों से परिपूर्ण नहीं था, आधा मिला शरीर.
कटि भाग तक ही देह पायी, बहे नैन से नीर..
श्राप दिया माता को बालक, और हिदायत ढेर.
दासत्व भाव स्वीकार करो, होगी अधिक न देर..
आएगें जब भ्रात हमारे, वही करेंगे मुक्त.
भूल कभी दूसरी न करना, रहो धैर्य से युक्त..
धरती पर अब है क्या करना, चले गगन की ओर.
रवि को पाने खातिर बालक, किया तपस्या घोर.
रंग लालिमा में देह रंगी, अरुण पड़ा तब नाम.
सफल तपस्या हुई अरुण की, मिला सूर्य का धाम..
सप्त अश्व के रथ से दिनकर,
करे तेज संचार.
तीव्र ताप से लगा झुलसने,
सारा यह संसार.
इक तेजस्वी अरुण रहे जो, करे समाहित ताप.
बैठ सारथी रवि के आगे, हरे सृष्टि संताप..

जगदंबा षष्ठी, भगवान सूर्य और सारथी अरुण आप सबों पर कृपालु हों. सर्वत्र विजय प्राप्त हो. सभी प्रकार की सुख-समृद्धि प्राप्त हो. घर परिवार निरोगी हो. किसी प्रकार का संकट पास तक पहुंच भी नहीं पाये. इन्हीं कामनाओं के साथ अगले सप्ताह तक के लिए आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

विजयी हॉकी चैंपियनों के सम्मान का सवाल

झारखण्ड निवासियों के लिए गर्व का विषय है कि राज्य ने अपनी स्थापना के तेईस वर्ष पूरे कर लिए. आप सबों को हार्दिक बधाई . वन और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध झारखंड राज्य को देश का सबसे समृद्ध, सम्पन्न होना चाहिए था. यहां के प्राचीन निवासियों में जन्मजात शारीरिक ऊर्जा और क्रीड़ा के प्रति अत्यधिक कौशल है, पर उनकी उपलब्धियां उनकी क्षमता के अनुपात में न्यून है. अभी हाल में ही झारखंड में आयोजित एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप में भारत को चैंपियनशिप मिली. 15 नवंबर (झारखंड स्थापना दिवस) को प्रधानमंत्री भी खूंटी में थे, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी समारोहपूर्वक मोरहाबादी मैदान में स्थापना दिवस मना रहे थे, पर विजयी टीम की भारतीय खिलाड़ियों के लिए किसी भी सम्मान या पुरस्कार राशि की घोषणा नहीं की गई. अगर किसी और राज्य के खिलाड़ी होते तो उन्हें एक करोड़ या पचास लाख की प्रोत्साहन राशि मिली होती, जमीन मकान मिला होता. ताज्जुब की बात है कि किसी भी बड़ी कंपनी ने भी उन्हें कोई पुरस्कार, सम्मान या कोई विशेष आयोजन कर उनका सम्मान नहीं किया. झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर अरबों-खरबों का मुनाफा कमाने वाली सैकड़ों कंपनियों का भी ध्यान इस ओर नहीं गया. क्या सच में 15 नवंबर को आदिवासी सम्मान दिवस उन खिलाड़ियों के सम्मान के पूर्ण माना जाय? अक्सर अखबारों में खबर पढ़ने को मिलती है कि राज्य, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को पौष्टिक भोजन, ऊचित औजार, समुचित प्रशिक्षण की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है. सरकारी कोचिंग संस्थानों में भुगतान में अनियमितता और विलम्ब के कारण अव्यवस्था का बोलबाला है. कैसा सम्मान, किसका सम्मान है ये? खैर ऐसा नहीं है कि उचित अधिकारियों और सत्तासीनों को इसकी जानकारी नहीं है, पर प्रायः स्थानीय प्रतिभा का वास्तविक सम्मान करना उनकी दृष्टि में महत्वपूर्ण नहीं है. पूरे राज्य में स्थापना दिवस समारोह और प्रधानमंत्री की उपस्थिति के कारण तीस-चालीस करोड़ रुपये खर्च हुए होंगे. काश, उसका आधा भी इस प्रदेश की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाता. यहां यह चर्चा करना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि ये सारा शाही खर्च राज्य के निवासियों द्वारा दिए गए टैक्स का ही पैसा है किसी व्यक्ति का नहीं. झारखंड राज्य में पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं. पर्यटन के क्षेत्र में स्तरीय सुविधा की कमी, सुरक्षा का अभाव, आवागमन और दर्शनीय स्थलों तक भ्रमण की अनियमित व्यवस्था के कारण झारखंड अब तक पर्यटकों को इतना आकर्षित नहीं कर पाया, जितनी संभावना है यहां. शिक्षा की असीम संभावनाओं के बीच झारखंड में शिक्षा का स्तर गिरता ही जा रहा है. प्रायः यहां का कोई संस्थान सौ के भीतर भी स्थान नहीं पायेगा. राज्य में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति इतनी दयनीय है कि प्रतिवर्ष लाखों लोगों को इलाज के लिए वेल्लोर, एम्स, अपोलो मद्रास, कोलकाता या बंगलोर जाना पड़ता है. और तो और, यहां के मंत्रियों और बड़े प्रशासकों को भी अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए राज्य के बाहर जाना पड़ता है. अभी बहुत कुछ बाकी है इस राज्य में करने को. बस ज़िंदगी के हरेक मोड़ पर राजनीति से बचाना होगा तभी संतोषप्रद प्रगति संभव है. हम सब निवेदन करें उनसे, जिन्हें सोचना चाहिए वरना इतिहास किसी को क्षमा नहीं करता.

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

ऋद्धि-सिद्धि प्रदान करनेवाला है रतनपुर का सिद्धि विनायक मंदिर

एक साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम में 25 अक्टूबर 2023 को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी बिलासपुर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. मेरे परम मित्र डॉ. विनय कुमार पाठक, डॉ. गिरधारी लाल अग्रवाल और डॉ. अरुण कुमार यदु ने बातचीत के क्रम में बताया कि बिलासपुर को पंचधानी की संज्ञा प्राप्त है, क्योंकि यह पांच क्षेत्रों की राजधानी है. बिलासपुर की इस यात्रा में मेरे साथ थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के विद्वान कुलसचिव डॉ. पीएस दयाल भी थे. डॉ. गिरधारी लाल अग्रवाल ने बताया कि बिलासपुर में अनेक दर्शनीय तीर्थ स्थल हैं. स्वाभाविक रूप से उन्हें देखने की हमारी इच्छा जाग उठी और डॉ. गिरधारी लाल अग्रवाल ने अपनी निजी कार में बैठाकर बिलासपुर के महत्वपूर्ण तीर्थ धामों का परिभ्रमण कराया, उनमें एक महत्वपूर्ण रतनपुर में स्थापित सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला श्री सिद्धि विनायक का मंदिर है. विघ्नों के हर्ता समस्त मंगल के कर्ता भगवान् श्री सिद्धि विनायक जी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 2017 में पूर्ण विधान से हुआ. मंदिर के गर्भ गृह में काले पत्थर की मूर्ति स्थापित है, जिसकी ऊंचाई 6 फीट और वजन 2.1 टन है. मंदिर तथा मूर्ति का निर्माण दक्षिण भारतीय शैली में किया गया है. मंदिर में वैदिक परंपरा के साथ साथ महाराष्ट्रीयन एवं दक्षिण भारतीय शैली से पूजा होती है. मंदिर में विनायकजी के साथ-साथ उनकी दोनों पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि और दोनों पुत्र शुभ लाभ विराजमान हैं. मंदिर में गणेश जी के साथ-साथ माता पार्वती और पिता शिव और भ्राता कार्तिकेय भी शोभायमान हैं. यों कहें, मंदिर में पूरे शिव परिवार की झांकी है. इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सालों भर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं. मंदिर के भीतर भारत के सभी प्रसिद्ध गणेश मंदिरों के चित्र विराजमान हैं. मैंने देखा यह मंदिर ध्यान जप और पूजा करने के लिए अत्यंत शांत वातावरण उपलब्ध कराता है. इस मंदिर में बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों, साधु-संतों की सुविधा के लिए आवास एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था सदैव रहती है. और किंवदंती है कि सिद्धि विनायक के दर्शन मात्र से सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं.

यायावर की डायरी

डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

बताते चलें कि ऐसी मान्यता है कि बिना भगवान गणेश की पूजा किये, किसी भी भगवान की पूजा स्वीकार नहीं होती. भगवान शिव और पार्वती के विवाह में प्रथम पूजा गणेश जी की हुई थी तथा भगवान राम के विवाह के समय धनुष यज्ञ के समय माता सीता ने माता गौरी तथा गणेश का ध्यान कर प्रार्थना की थी. महाकवि तुलसी ने मानस में लिखा हैः-

जय जय गिरिवर राज किशोरी.
जय महेश मुख चंद चकोरी.
जय गजबदन षडानन माता.
जगत जननी दामिनी दुति गाता.
गन नायक बर दायक देवा.
अंजु लगें कीन्हिउं तुअ सेवा.
बार बार बिनती सुनि मोरी.
करहुं चाप गुरुता अति थोरी.

और कहा जाता है कि मां सीता की प्रार्थना को सुनकर शिव धनुष हल्का होकर राम के द्वारा छूते ही टूट गया था. इस दृष्टि से रतनपुर आगमन पर प्रथम दर्शन श्री सिद्धि विनायक जी का करना चाहिए.हमने भी गणेश जी के दर्शन किये. बिलासपुर के रतनपुर धाम में सिद्धि विनायक के दर्शन से हम अत्यंत आह्लादित हुए और उनसे सबके मंगल की प्रार्थना की-वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ. निर्विघ्न कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा.

डबल इंजन का डबल विकास

एक बार की बात है... मूर्खों ने प्रकृति के खिलाफ धरती पर जंग छेड़ दी. उस जंग को विकास का नाम दिया गया. जंग का नेतृत्व जो मूर्ख कर रहा था, उसने स्वयं को विकास पुरुष नाम दिया. शहर-शहर गांव-गांव उस विकास पुरुष के पोस्टर लग गये. पोस्टरों में दावा था कि खूब विकास हो रहा है. उस विकास पुरुष ने विज्ञान नहीं पढ़ा था. वह बचपन में ठीक से स्कूल भी नहीं गया. उसने कभी किताबों में मन नहीं लगाया. उसकी सारी पढ़ाई, जवानी में व्हाट्सएप पर हुई. व्हाट्सएप की शिक्षा ने उसे काफी आक्रामक संस्कार दिए. उसने व्हाट्सएप पर पढ़ा कि धरती पर विकास कार्यों के साथ कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है. उस महामूर्ख विकास पुरुष ने निष्कर्ष निकाला कि तब ज्यादा प्रदूषण का मतलब, अवश्य ही ज्यादा विकास होना चाहिए. उसने व्हाट्सएप पर यह भी पढ़ा कि इंजन प्रदूषण करता है. उस महामूर्ख ने सोचा कि जब एक इंजन प्रदूषण करता है तो डबल इंजन डबल प्रदूषण करेगा. उसने व्हाट्सएप पर पढ़ा कि विमान में भी डबल इंजन होता है. महामूर्ख ने समझा कि इसलिए ही विमान को विकसित साधन माना जाता है. डबल प्रदूषण का मतलब ही डबल विकास होता है. उसने मन ही मन अनुमान लगाया कि अभी हमारी इकोनॉमी ढाई ट्रिलियन है. अगर सब जगह डबल इंजन हो जाए तो प्रदूषण डबल हो जाएगा और 2022 जब हर अंक डबल होगा तो हमारी इकोनॉमी भी डबल हो जाएगी. बस फिर क्या था... उस महामूर्ख ने घोषणा की कि अब वह सरकार चलाएगा नहीं, बल्कि उड़ाएगा. उसकी सरकार में आज से डबल इंजन होगा. सबकुछ डबल. मगर डबल अंक वाला 2022 जब आया तो डबल इंजन से प्रदूषण डबल हो चुका था, लेकिन इकोनॉमी डबल नहीं हुई. महामूर्ख ने फिर से सोचा और निष्कर्ष निकाला कि 2022 में डबल अंक नहीं है, डबल अंक तो 2044 में होता है. महामूर्ख ने तत्काल घोषणा की कि हमारे डबल इंजन से 2044 में डबल ग्रोथ आएगी. सब हमारा साथ दें. पूरी दुनिया हमारी ओर देख रही है. सचमुच दुनिया उसकी ओर देख रही थी. दुनिया ने पहले कभी इतना विचित्र महामूर्ख नहीं देखा था.

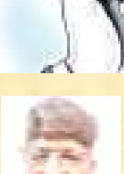

नश्तर

सुधीर राघव

अपनी कलाकृति में हृदय के भावों को ढूंढते हैं मनोज

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

भारतीय कला में व्यक्ति चित्रण का इतिहास बहुत पुराना है, अति प्राचीन काल से व्यक्ति चित्रण की परम्परा को प्रमाणित करने के आधार स्वरूप संग्रहीत किए गए हैं. विद्वान इस विषय में एक मत है कि उस समय व्यक्ति चित्रण मानव आकृति को स्थायित्व प्रदान करने का माध्यम था. इसकी अभिव्यक्ति शैली और रचना प्रक्रिया में युग की मान्यताओं के अनुसार परिवर्तन होता रहा है. व्यक्ति चित्रण को अपने आधुनिक अवतार के रूप में स्थापित करने जैसा कि आज है, एक विशिष्ट इतिहास और सांस्कृतिक वातावरण की आवश्यकता थी. व्यक्ति चित्रण अपने सम्पूर्ण इतिहास में वास्तविक आधुनिकता को लेकर प्रकट होती रही तथा अलग-अलग उद्देश्यों को आगे की ओर अग्रसर करती रही है. कलाकार नये संसार रचकर जीवन को दृष्टि, दिशा और सोच देते हैं। समय भले ही बदल गया हो, पर कला की चिंताएं नहीं बदलीं। दरअसल सृजन अपने आप में एक प्रस्ताव होता है, परिकल्पना होती है। कला उस ज्ञान और अनुभव के बारे में कुछ बुनियादी धारणाओं पर निर्भर करती है, जो दर्शकों के बीच सामान्य है, लेकिन रांची के मनोज कुमार सिन्हा की कलाकृतियों की चेष्टा चित्र-लिखित नर-नारी या हृदय-स्थित भावों को व्यक्त करने की रहती है। केवल बाहरी सुंदर शरीर और रूप खींच देने से इन्हें संतोष नहीं होता। ये जिनका चित्र बनाते हैं, उसके हृदय के भावों की खोज कर बाहर चित्र में दिखाना चाहते हैं.

मनोज कुमार सिन्हा शुरू से ही अपने गहन विचारों को उन्मुक्त भाव से अपनी सुंदर कलाकृतियों के रूप में अभिव्यक्त करते आ रहे हैं। इन्होंने बंगीय संगीत परिषद से एमएफए किया और चित्रकला में अंकन रत्न की उपाधि प्राप्त की है। मनोज के चित्रों में मानव जीवन के विभिन्न पक्षों से संवाद स्थापित करने का प्रयास होता है। इन्होंने अपनी एक विशेष शैली को प्रतिष्ठित और प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। अमूर्त शैली में सृजित इनके चित्र प्रकृति और मानव जीवन के अंधेरे पलों की गाथा कहते नजर आते है। इनके चित्रों के विषयों में अमूर्त तत्वों में सूक्ष्म का विस्तार भाग दौड़ तनाव, अवसाद, व्यस्तता और अवसाद भरे इस जीवन में शांति और शुकून की अंतहीन तलाश समाज में फैले हुए ईर्ष्या-द्वेष, असामन्जस्य, अलगाव आदि विषयों पर चित्रकार के मस्तिष्क को विचलित कर रही उधेड़बुन को मनोज रंग और आकारों के जरिये कैनवस पर उतार कर एक नया संसार रचने का प्रयास करते रहते हैं. अब ये नारी सौंदर्य पर केंद्रित एक नई सीरीज बना रहे हैं, जो ईश्वर की सर्वोत्तम कृति मानी जाती है. इस सीरीज के संबंध में इनका कहना है कि लोगों को इस विषय पर दुहराव महसूस हो सकता है, लेकिन हर पेंटिंग अपने आप में अलग होती हैं. ये अपने रेखांकन चित्र विधि को सपाट रंग प्रयोग की तकनीक से समन्वित कर एक अभिनव शैली को विकसित कर रहे हैं. प्रयोगधर्मी मनोज कुमार सिन्हा के कलाकार मन में नवीन रूपाकारों को नूतन ढंग से प्रदर्शित करने की अदम्य लालसा सदैव दिखती है. इनकी कला में एक तरह की चुनौती है, जिसे ये स्वीकार करते हैं.

आखर

राज्य की लेखनी को प्रोत्साहन की प्रतीक्षा

नीरज नीर

जगत में जो भी सृजनशील है, उसे अपनी सर्जना की प्रशंसा अच्छी लगती है. दुनिया में कोई शायद ही ऐसा रचनाकार होगा, जिसे अपनी रचना की सराहना अच्छी न लगती हो. इसलिए तो शायद सभी धर्मों में ईश्वर की प्रशंसा की जाती है, क्योंकि सबसे बड़ा सर्जक वही तो है. प्रशंसा सृजन की गति को तो बढ़ाती ही है, बेहतर सृजन की प्रेरणा भी देती है. ज्यादातर रचनाकार खासकर हिंदी सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के रचनाकार बिना किसी भी आर्थिक, सामाजिक या राजनितिक लाभ की आशा से आत्मसुखाय रचनाशीलता में प्रवृत रहते हैं लेकिन उनकी आत्मसुखाय रचनाशीलता में विश्व कल्याण की निहित भावना एवं मानव मात्र के सुमंगल की कामना उन्हें विशिष्ट बनाती है. ऐसे में इन रचनाकारों को मिलने वाली प्रशंसा उनकी रचनाशीलता के लिए संजीवनी का काम करती है. पुरस्कार प्रशंसा के सबसे प्रामाणिक एवं जरूरी माध्यम होते हैं. पुरस्कार न केवल रचनाकार को सामाजिक पहचान देते हैं बल्कि उनके आत्मसम्मान में वृद्धि भी करते हैं साथ ही आकांक्षा के स्तर को भी ऊंचा उठाते हैं. आर्थिक लाभ से युक्त पुरस्कार रचनाकारों को आर्थिक दृष्टि से भी लाभ पहुंचाते हैं. देश के लगभग सभी राज्यों में वहां की सरकारों या संस्थाओं के द्वारा रचनाकारों की रचनाशीलता को पहचान देते हुए पुरस्कार दिए जाते हैं, लेकिन जब हम पुरस्कारों के सम्बन्ध में झारखण्ड का परिदृश्य देखते हैं तो यह अत्यंत निराशाजनक एवं उत्साहहीन लगता है. जैसा कि विदित है कि यहां की सरकार के द्वारा साहित्य के संवर्द्धन के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है. साहित्य अकादमी के गठन की प्रक्रिया की शुरुआत हुई जरूर है लेकिन अभी इसका धरातल पर उतरना शेष है.

झारखण्ड में कुछ ही संस्थाएं हैं, जो साहित्यकारों को पुरस्कार दे रही हैं. इनमें कुछ प्रमुख नाम निम्नांकित हैं

जमशेदपुर स्थित तुलसी भवन के द्वारा दिए जाने वाले सम्मान

जमशेदपुर स्थित तुलसी भवन निरंतर साहित्यिक गतिविधयों को बढ़ावा देता रहा है. यह एक ऐसी संस्था है, जो बच्चों में भी साहित्य सृजन के बीज बोने का काम कर रही है एवं उनकी रूचि साहित्य में जगाने का काम करती है. तुलसी भवन के द्वारा गोस्वामी तुलसीदास सारस्वत सम्मान एवं स्वदेश स्मृति साहित्य सेवी सम्मान प्रदान किये जाते हैं. गोस्वामी तुलसी दास सारस्वत सम्मान में 51000 रुपए की राशि और आदेश स्मृति साहित्य सेवी सम्मान में 51000 की राशि प्रदान की जाती है. गोस्वामी तुलसीदास सारस्वत सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर जबकि स्वदेश स्मृति साहित्य सेवी सम्मन क्षेत्रीय स्तर पर दिया जाता है.

शैलप्रिया साहित्य सम्मान

यह सम्मान हिंदी साहित्य के किसी प्रसिद्ध स्त्री रचनाकार को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है. वर्ष 2013 से यह पुरस्कार देना प्रारंभ हुआ. प्रथम शैलप्रिया पुरस्कार निर्मला पुतुल को प्राप्त हुआ. इसके बाद नीलेश रघुवंशी, अनिता वर्मा, वंदना टेटे, अनिता रश्मि व रश्मि शर्मा को भी यह पुरस्कार दिया गया. पिछले दो वर्षों से यह पुरस्कार भी स्थगित है.

जयशंकर प्र. स्मृति सम्मान

रांची में जयशंकर प्रसाद विचार मंच के द्वारा प्रतिवर्ष जयशंकर प्रसाद स्मृति सम्मान झारखण्ड के किसी प्रमुख सक्रिय साहित्यकार को प्रदान किया जाता है.

डॉ सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान एवं स्पेनिन गौरव सम्मान

शहर की अंग्रेजी सिखाने वाली संस्था स्पेनिन के द्वारा प्रतिवर्ष डॉ सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान एवं सस्पेनि गौरव सम्मान दिया जाता है. इस वर्ष मयंक मुरारी को सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान दिए जाने की घोषणा हुई है. वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी, डॉ माया प्रसाद और कुमार संजय की निर्णायक मंडली हर साल सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान के लिए एक लेखक का चयन करती है. साथ ही स्पेनिन साहित्य गौरव सम्मान भी दिया जाता है जिसके लिए इस वर्ष नंदा पांडेय, अंकिता सिन्हा और मनोज कपरदार के नाम की घोषणा की गई है.

झा. साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति के पुरस्कार

झारखंड में सरकारी साहित्य अकादमी की अनुपस्थिति में, झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति ने निर्णय लिया कि झारखंड के साहित्यकारों को अपने स्तर से सम्मानित किया जाएगा. इसी क्रम में समिति ने 2023 ने हिन्दी सहित विभिन्न क्षेत्रीय/जनजातीय भाषाओं के साहित्यकारों को सम्मानित करने का निर्णय लिया एवं 10 साहित्यकारों को सम्मानित किया. समिति ने निर्णय लिया है कि अगर सरकार अकादमी का गठन करने में असफल रहती है तो समिति अपने स्तर पर झारखंड के साहित्यकारों को सम्मानित करती रहेगी.

इनकी भी चर्चा जरूरी

- सतीश स्मृति मंच, दुमका के द्वारा सतीश स्मृति सम्मान प्रतिवर्ष दुमका में आयोजित किया जाता है.
- रांची में कवि ब्रजेन्द्र मोहन स्मृति सम्मान पहले दिया जाता था, लेकिन आजकल यह बंद जो गया है.
- इसी तरह से रांची एक्सप्रेस अख़बार के द्वारा झारखण्ड के प्रसिद्द कहानीकार राधाकृष्ण के नाम पर एक पुरस्कार दिया जाता था. लेकिन अब यह भी बंद हो गया है. सच तो यह है की झारखण्ड में साहित्य किसी की प्राथमिकता में शामिल नहीं है.
- वरिष्ठ साहित्यकार ऋता शुक्ला के नेतृत्व में कुछ साल अभिज्ञान परिषद के बैनर तले बड़े स्तर पर पुरस्कार व साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित होते थे जिसमें बाहर के भी कई बड़े लेखक भी शरीक होते थे. लेकिन यह पुरस्कार भी इन दिनों बंद है.

विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान

वर्ष 2018 से एक लाख 11 हजार रुपए का विश्वम्भर फाउंडेशन मैथिली साहित्य पुरस्कार विश्वंभर फाउंडेशन की ओर से लगातार दिया जा रहा है. इस पुरस्कार से अब तक लिली रे, पंडित गोविंद झा, कीर्तिनारायण मिश्र, डॉ भीमनाथ झा व श्रीशंकर श्रीनिवास सम्मानित हो चुके हैं. विश्वम्भर स्मृति झारखंड सम्मान भी (51000 रुपए का) दिया जाता है. गत वर्ष वरिष्ठ लेखक महादेव टोप्पो को दिया गया. फाउंडेशन विजयलक्ष्मी युवा सम्मान (51000 रुपए का) भी हर वर्ष देता है.

विद्याभूषण
रांची

"साहित्य लेखन के लिए पुरस्कार और सम्मान की हिन्दी परम्परा समृद्ध कही जा सकती है. ऐसे आयोजनों के पीछे संस्थानों के संसाधन भी रहे हैं और शासन-प्रशासन की ऊर्जा भी क्रियाशील रही है. एकल संकल्पों की प्रेरणा भी हर जगह प्रभावी दिखती है.
वर्तमान की ओर रुख करें तो हिन्दी प्रदेशों में लेखकों को पुरस्कृत तथा सम्मानित करने में बिहार और उत्तर प्रदेश की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है. इनके समानान्तर राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं. वैसे पुरस्कार या सम्मान कोई दौड़ नहीं है जहां आगे-पीछे की गिनती की जाए.
पुरस्कार या सम्मान से सृजन को लोक स्वीकृति मिलती है. उससे रचनाकार का दायित्व बढ़ता है तो समाज की अपेक्षा भी बढ़ जाती है.
अगर इस सवाल को झारखंड के प्रसंग में देखना हो तो सबसे पहले दैनिक रांची एक्सप्रेस की ओर से दिया जाता रहा राधाकृष्ण पुरस्कार चर्चा का हकदार है जहां छोटानागपुर और संथाल परगना की रचनाशीलता का औचित्यपूर्ण निवेश सामने आता था. पिछले दिनों एक नयी पहल हुई कि राज्य में साहित्य अकादमी के गठन के लिए आन्दोलन कर रहे लेखकों के संगठन की ओर से बड़े पैमाने पर सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया. इसके लिए नरेश अग्रवाल, शिरोमणि महतो और नीरज नीर की बड़ी टीम को क्रेडिट मिलना चाहिए."

निर्मला पुतुल
दुमका

"आज का युवा झारखंड जिस सांस्कृतिक प्रगति की प्रतीक्षा कर रहा है, उसमें कई दूसरी प्राथमिकताओं के बीच साहित्य को राजकीय टेक भी शामिल है. झारखंड में पुरस्कारों के लिए लॉबी काम करती दिखती है. अपने आसपास के लोगों को नामित कर दिया जाता है. जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए. खासकर नवलेखन के लिए छिपी व वंचित प्रतिभा को पुरस्कृत करना चाहिए. पुरस्कार का पैमाना निर्धारित हो और यह पैमाना सार्वजनिक भी हो. तभी बेहतर लिखने वालों का मनोबल बढ़ेगा."

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर

"सरकारी स्तर पर साहित्यकारों की उपेक्षा खलती है. कुछ संस्थाएं झारखंड में साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की कामनाएं रखती हैं, पर संसाधन के अभाव में यह काम सही तरीके से नहीं हो पाता है. इससे यहां के साहित्यकारों का मनोबल टूटता है."

नरेश अग्रवाल
जमशेदपुर

"दूसरे राज्यों की तुलना में झारखंड के हिंदी साहित्यकारों की स्थिति बेहद दयनीय है. राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, पश्चिम बंगाल... कहीं भी देखिए सरकार साहित्यकारों को पुरस्कृत-प्रोत्साहित करने के लिए करोड़ों का बजट रखती है. पर हमारे यहां संस्थाएं ही अपने स्तर पर एकाध छोटे-मोटे पुरस्कार बमुश्किल दे पाती हैं."

व्यंग्य >> बर्बरीक

लक्ष्मी वाहन की व्यथा कथा

हर खासोआम की दिली इच्छा होती है कि वह एक बड़े साइज का लक्ष्मी वाहन बने. जहां चाहे लक्ष्मी जी को ले जाए, जिसपर चाहे कृपा बरसा दे. लेकिन उसकी समस्या है कि उसकी सेवाएं अंधेरे में ही उपलब्ध हो पाती हैं. दिन के उजाले में उसकी हेडलाइटें काम नहीं करती. तो यह मजबूरी है कि रात के अंधेरे में काम करने वालों पर ही लक्ष्मी कृपा बरसती है. सिर्फ आशिक शायर इसके अपवाद हैं जिनकी आहें सुनकर ही लक्ष्मी वाहन रास्ता बदल लेता है. जब लक्ष्मी वाहन से इस बाबत सवाल किया गया कि रात में तो ज़्यादातर गर्हित किस्म के काम होते हैं तो लक्ष्मी कृपा तो ऐसे लोगों को ही मिल पायेगी तो लक्ष्मी वाहन किंचित क्रोधित हो गए -- तुमलोगों की यही समस्या है जिसे तुम गर्हित किस्म का काम कह रहे हो वह उद्यम है. ऐसे लोगों का जीवन चरित पढ़ो. कितनी मेहनत करते हैं. रात दिन अठारह अठारह घंटे काम करते हैं, कोयले लोहे की खदानों से चीजें निकलवाते हैं, इनकी फाइलें दौड़ाते हैं, दूसरों की सारी मेहनत को व्यर्थ बताते हैं, ऐसे उद्यमशील लोगों के बारे में सोचो जो मित्रों के लिए दुनिया भर की हवाई यात्राएं करते हैं, रास्ते बनाते हैं, नियम कानून के छिद्र ढूंढ कर लाते हैं, तब जाकर लक्ष्मी कृपा हो पाती है. चुनावी रैलियों में चीख चीख कर गले की नसें तिड़क जाती हैं. पशुओं का भोजन तक खाना पड़ता है, पुरानी संस्थाएं बेचने की जुगत भिड़ानी पड़ती हैं, तब कहीं लक्ष्मी कृपा बरसती है. क्या उद्यमी, क्या नौकरशाह, क्या मंत्री संतरी, क्या खिलाड़ी, क्या अभिनेता सब आराधना में लगे रहते हैं तब कहीं कृपा बरसती है. यह पूछने पर कि लेकिन सही गलत...? सही गलत तो सोच होती है. समय का फेर होता है. आज जो सही है कल गलत हो जायेगा, अभी जो गलत लग रहा है कल सही होगा. बाकी जो है उसे ईडी सीबीआई से सही गलत करवा दिया जाएगा. शास्त्रों में भी कहा गया है - वीर भोग्या वसुंधरा. वीर हो तो भोगो. कायर हो तो सही गलत के चक्कर में पड़े रहो. संशयात्मा का विनाश होता है यह तो भगवान् कृष्ण ने भी कह दिया है. अगर मगर करने वालों के घर पर मैं लक्ष्मी मैडम को लैंड नहीं करवाता हूं. पुत्र ही कुपुत्र होता है माता कुमाता नहीं होती है. लेकिन तुम्हारे दिन नहीं फिरते?... मेरे तो फिर नहीं सकते क्योंकि दिन में तो मुझे दिखता ही नहीं... आपलोग सोच रहे होंगे कि अचानक लक्ष्मी वाहन के लिए सोचने का मतलब? दरअसल अभी अभी दीवाली बीती है न तो..

हौसले की उड़ान

सारिका भूषण

laGauk

बिना लिफ्ट वाली बिल्डिंग की तीसरी मंजिल थी वह जहां मुझे भी जाना था. अपनी गाड़ी को पार्किंग में लगाकर एसी से बाहर निकलते ही लगा जैसे किसी ने चेहरे पर हेयर ड्रायर चला दिया हो. जून का महीना और पटना की गर्मी. आधार कार्ड अपडेट कराना भी जरुरी था.
मैं पार्किंग एरिया से भागती हुई बिल्डिंग के अंदर घुसी. तभी तेजी से कोई मुझसे आगे निकलते हुए सीढ़ी चढ़ने लगा. उसे देखकर कुछ देर के लिए मेरी साँस अटक गई. उसके दोनों पैर पीछे की तरफ़ मुड़े थे . टेढ़े-मेढ़े ही थे. घुटनों पर काले रंग के फीते की मदद से चप्पल बंधी हुई थी. वह मुझे सॉरी कहता हुआ वह अपने घुटनों के बल सीढ़ियां चढ़ने लगा. सफेद शर्ट, काला पैंट, छोटे-छोटे कटे हुए बाल, घनी मूंछें और उम्र कोई तीस-पैंतीस के बीच ही होगी. चेहरे पर गज़ब का स्वाभिमान ! पता नहीं और क्यों और कैसे मैं अपने हाथ फैलाकर उसके पीछे सीढ़ियां चढ़ने लगी जैसे उसे गिरने से बचा लूं. पहली मंजिल पर पहुंचकर उसने एक मुस्कुराहट के साथ मुझे आगे चलने का इशारा किया और धीरे से कहा "आराम से चलिए" मेरी आंखें शर्म से झुक गईं. मैं किनारे से आगे बढ़ते हुए तीसरी मंजिल की ओर जाने लगी. इस बीच उस अजनबी के लिए न जाने कितने अफसोस और दुःख मेरे मन में मंडराते रहे. ऑफिस पहुंचकर मैं अपने कागजात ठीक करके अपनी बारी का इंतज़ार करने लगी. मेरा नम्बर आते जैसे ही मैं काउंटर पर पहुंची उसी अजनबी को वहाँ का अधिकारी देखकर मुझे आश्चर्य का ठिकाना न रहा. उस दिव्यांग के हौसले और स्वाभिमान को देखकर मैं नतमस्तक हो चुकी थी. मेरा मन खुद को और उन सभी मानसिकताओं को धिक्कारने लगा जो समाज में इनको एक हाशिए पर बेचारा या अपाहिज की संज्ञा देते हैं.

कविता/गज़ल

नंदा पांडेय

कटु सत्य

हर साल की तरह आ ही गया
सूर्य उपासना का दिन!
अब आएगी तुमको मेरी याद
कचरे के ढेर से लिपटे
बीमार मेरे जिस्म को
सजाने संवारने में लग जाएगी
तुम्हारी पूरी आबादी और
खत्म करा दी जाएगी
सफाई मजदूरों की हड़ताल भी.
अपनी-अपनी जरूरतों के मुताबिक
जगह बना लोगे मेरी छाती पर
कोई कसर नहीं छोड़ोगे
मुझे सजाने और संवारने में
अप्राकृतिक रूप से
भर दोगे मेरी गोद में पानी
स्वीकारते क्यों नहीं कि
तुम्हारे अंदर जीवंतता की नदी सुख गई है.
कटु सच का सार यही है कि
शिव के मस्तक से निकली गंगा भी आज
घनीभूत और अहम पीड़ा से गुज़र रही है
पता भी है कि क्या कर डाला तुमने
जाने-अनजाने ही सही
मेरे आस्तित्व को ही मिटाने पर तुले हो
जानती हूं कि यह
कभी न खत्म होने वाला सिलसिला है
मैं फिर भी जीवित थी और जीवित ही रहूंगी
इस विश्वास के साथ कि
एक न एक दिन
दरियादिल बादल आएंगे
अनजानी दिशाओं से
मेरी गोद भरने और
अर्थ देने मेरी धाराओं को...!

स्मिता वाजपेयी

मालती फुआ

अब जिंदगी के आंगन में गुम है वह लड़की
क्षितिज के विस्तार तक जो हवा थी कभी
बाधा दौड़ में
कूदती थी, दौड़ती थी, बहती थी
मस्त पवन की तरह
कोई जलतरंग सा बजता रहता था जैसे,
पर एक रोज लड़खड़ाया समय का जो पहिया !
वह कहां धंसा !
कहां फंसा !
जीवन की गति का क्या कहने
कि वह भी एक रहस्य ही है.
लोगों की वाह ही
उसके गले का फांस बन गयी.
हिरणी के पांव बांधे गये एक रोज.
वह भूल गई है अब कि
अपने ऊपर पड़ी धूल को उड़ा सकती है
बगूलों में
कि चक्रवातों में पीस सकती है दुष्चक्रों को
गालियों के गरल पर टूट सकती है ज्वार हो के
लेकिन मगर हुआ बस इतना ही था तब
यह सब बीते दिनों की बात है
मर्यादा, संस्कृति, प्रतिष्ठा, परिवार...
इन्हीं चार शब्दों ने की एक बड़ी संभावना की हत्या !
सब कहते हैं
वह समुंदर में तैरने वाली लड़की थी
हवाओं से बात करने वाली
लोक गीतों सी बजने वाली
सितार की धुन थी आकाश में फैलती हुई
अल्हड़ बहती हुई नदी थी भरी हुई
तुम उस दौर में क्यों आयी थी मालती फुआ?
उन तिजारतियों के यहां किसने भेज दिया था तुम्हें ?
जो उड़ती हुई चिड़ियों के पंख कतरने में
परिवार की मर्यादा देखते थे
मैं आज भी खुले और साफ़ आसमान में तैरती
कोई चिड़िया देखती हूं
तुम बहुत याद आती हो मालती फुआ !

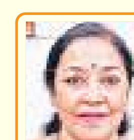
अनिता रश्मि

ये खिलाड़ी लड़कियां

गाय-भैंसिया, बकरी
जंगल में चराते-चराते
धींगा-मुश्ती करते अभाव से
न जाने कब सीख जातीं
हॉकी खेलना,
मारना किक गेंद को,
कुश्ती लड़ना या
उछाल देना आकाश में
एक अबूझ सपना
मैदान मार लेने का
ओलंपिक का ताज
जीत लेने का सपना.
आम-इमली पर
साधते हुए निशाना
थाम लेतीं हैं
बिरसा का तीर-धनुष.
न जाने कब, कैसे वह
बन जाती है
सोमराय, दीपिका,
कोमलिका, निक्की
या फिर
क्षीणकाय चंचला
हराती हुई दुनिया भर को.

पंकज प्रियम

छठ पर्व

छठ कोई पर्व या सिर्फ त्यौहार नहीं होता
छठ सिर्फ रीत, रिवाज या संस्कार नहीं होता.
छठ पर्व है, अपनों को अपनो से मिलाने का,
विदेशों में बसे बच्चों को अपने पास बुलाने का.
बच्चों को नदी, सूर्य और तालाब दिखाने का,
जातिगत भेदभाव और पाखण्ड मिटाने का.
सिमट रही सुप-दौरा कला को जगाने का,
घर-गली, तालाब-नदी से अस्वच्छता भगाने का.
आधुनिकता से निकल कर ब्रह्ममुहूर्त जगाने का
"उगते सूरज को ही सलाम" की सोच मिटाने का.
" उदित-अस्त" दोनों को सम्मान दिलाने का
छठ पर्व है प्रकृति से खुद को मिलाने का.
सरिता में संस्कारों का कमल खिलाने का।
कठोर तप साधना से तनमन को जगाने का
छठ पर्व सिर्फ कोई व्रत या विचार नहीं होता
छठ पर्व सिर्फ कोई एक त्यौहार नहीं होता।।

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

भारत
- विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा स्कोर 352 रनों का रहा है.
- वर्ल्ड कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का सबसे कम स्कोर 125 रनों का रहा है.
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी विश्व कप मैच में इसी साल 8 अक्टूबर को खेला गया था, जिसें भारत ने 6 विकेट से जीत लिया था.
- विश्व कप में भारत ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़ी जीत 1983 में ही दर्ज की थी, जो 118 रनों की जीत थी.

- फाइनल में विजेता टीम को 33.31 करोड़
- उपविजेता को मिलेंगे 16.65 करोड़ रुपये

ऑस्ट्रेलिया
- विश्व कप इतिहास में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा स्कोर 359 रनों का रहा है.
- विश्व कप इतिहास में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर 128 रनों का रहा है.
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे वर्ल्ड कप का पहला मैच 13 जून,1983 को खेला गया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 162 रनों से जीता था.
- विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ सबसे बड़ी जीत 1983 में दर्ज की थी, जो 162 रनों की जीत थी.

विश्व कप : भारत व ऑस्ट्रेलिया की टीमें मुकाबले के लिए तैयार, 20 साल पुराना बदला चुकता करना चाहेगा भारत

- दोपहर दो बजे से नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा मैच

1983 व 2011 में भारत ने बना था चैंपियन

आज बादशाहत की होगी जंग

भाषा । अहमदाबाद

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपनी विरासत खड़ी करने के लिए तैयार हैं और रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व कप फाइनल में वह करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की प्रार्थनाओं के बीच अपने 10 साथियों के साथ पांच बार के विश्व चैंपियन के खिलाफ इतिहास रचने उतरेंगे. विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप का खिताब जीतने के अहसास से अच्छी तरह वाकिफ हैं और रोहित शर्मा भी 2007 में पहला टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं. रविवार को होने वाला फाइनल पूरी तरह से अलग होगा. टीम का ध्यान सिर्फ टूर्नामेंट जीतने पर नहीं होगा बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं का सैलाब भी उमड़ेगा. रोहित और टीम के उनके साथी कहते रहे हैं कि मैदान के बाद क्या बोला जा रहा है इसका उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन बाहर से प्रशंसकों की आवाज ने ही खेल और इस टीम को इतना बड़ा बनाया है. कपिल देव ने 1983 में जब लाड्र्स में विश्व कप ट्रॉफी उठाई थी तो यह भारतीय क्रिकेट में नए युग की शुरुआत थी. महेंद्र सिंह धोनी ने 2011 में जगह फाइनल में विजयी छक्का जड़ा तो इससे विश्व क्रिकेट में भारत के दबदबे की शुरुआत की. भारतीय क्रिकेट टीम 2023 में अपना तीसरा एकदिवसीय विश्व कप ही नहीं जीतना चाहेगी बल्कि 50 ओवर के प्रारूप को भी बचाना चाहेगी जो पिछले कम से कम पांच साल से अपनी पहचान बचाने के लिए जूझ रहा है. भारत की जीत से इस प्रारूप को जरूरी बढ़ावा मिलेगा.

टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन, शारदुल ठाकुर, इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा.

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस, डेविड वार्नर, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मिशेल स्टार्क, एडम जंपा, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस, एलेक्स कैरी और सीन एबट.

विश्व कप में हेड टू हेड

कुल मैच - 13

05 (भारत जीता) — 08 (ऑस्ट्रेलिया जीता)

लगातार 11 जीत के साथ विश्व कप जीतकर इतिहास रचना चाहेगा भारत

विश्व कप में अब तक किसी भी टीम ने लगातार 11 जीत के साथ विश्व कप नहीं जीता हैं. यहां तक कि 2019 में इंग्लैंड को खिताबी जीत के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी. रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम लगातार 11 जीत के साथ विश्व कप जीतकर इतिहास रचना चाहेगी. अहर भारतीय टीम लगातार 11वीं जीत दर्ज करने में सफल रहती है तो इस रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल होगा.

पांच बार विश्व विजेता रह चुकी है ऑस्ट्रेलिया की टीम

2003 हुआ था ऑस्ट्रेलिया-भारत के बीच फाइनल

भारत और ऑस्ट्रेलिया दूसरी बार विश्व कप में फाइनल में आमने-सामने होगी. इससे पहले दोनों टीमों के बीच 2003 में फाइनल मुकाबला खेला गया था, जहां भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था. इस बार भारतीय टीम 20 साल पहले मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी. दरअसल 2003 वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम का कैंपन काफी शानदार रहा था. टीम इंडिया ने एक के बाद एक दुनिया की कई टीमों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ था. उस फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को एकतरफा अंदाज में 125 रनों से हरा दिया था. 2003 वर्ल्ड कप फाइनल मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, और ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 359 रन बना दिए थे. उस मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रिकी पोंटिंग ने नाबाद 140 रनों की पारी खेली थी, और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता था. ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए इस विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया 39.2 ओवर में 234 रन बनाकर ऑल-आउट हो गई थी. भारत की ओर से सबसे ज्यादा 82 रन वीरेंद्र सहवाग ने बनाए थे.

मैच अप : भारत-ऑस्ट्रेलिया फाइनल में दिग्गजों की होगी आपसी भिड़ंत

विश्व कप 2023 की दो सर्वश्रेष्ठ टीम भारत और ऑस्ट्रेलिया जब रविवार को फाइनल में आमने सामने होंगी तो दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच कुछ कड़ी व्यक्तिगत जंग भी देखने को मिलेगी. भारत टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो हार के साथ शुरुआत करने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा.

रोहित बनाम स्टार्क व हेजलवुड की जोड़ी

रोहित पूरे टूर्नामेंट में शुरुआती पावरप्ले में गेंदबाजों को निशाना बनाकर चर्चा में बने रहे. उनकी जोखिम भरी बल्लेबाजी ने हालांकि अन्य बल्लेबाजों पर दबाव कम कर दिया और विराट कोहली तथा शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को समय लेकर अपनी पारी आगे बढ़ाने का मौका दिया. बड़ा सवाल यह है कि क्या वह रविवार को शुरुआती पावरप्ले में हेजलवुड और स्टार्क के खिलाफ ऐसा कर पाएंगे.

कुलदीप यादव बनाम ग्लेन मैक्सवेल

यह कुलदीप के शानदार कौशल का प्रमाण है कि डेरिल मिशेल को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बाएं हाथ के कलाई के इस स्पिनर के खिलाफ आक्रामक होकर नहीं खेल पाया. मिशेल ने धर्मशाला में कुलदीप के खिलाफ सीधी बाउंड्री को निशाना बनाया लेकिन मैक्सवेल के पास बहुत सारे शॉट हैं और उनमे से कुछ को सिर्फ वही खेल सकते हैं. अगर मैक्सवेल रविवार को टिकने में कामयाब रहे तो यह कुलदीप के लिए सबसे कठिन परीक्षा होगी.

मोहम्मद शमी बनाम ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज

छह मैचों में 23 विकेट के साथ शमी के लिए यह टूर्नामेंट यादगार रहा है. कोई भी बल्लेबाज सीम से उन्हें मिल रही मूवमेंट से निपटने का तरीका नहीं ढूंढ पाया है. बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ शमी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें डेविड वार्नर और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी के खिलाफ जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है.

विराट कोहली बनाम एडम जंपा

कोहली को हाल के दिनों में बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ अक्सर संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन लेग स्पिनर जंपा ने भी उन्हें परेशान किया है और आठ बार भारतीय सुपरस्टार का विकेट हासिल किया है. टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और सबसे सफल स्पिनर के बीच की जंग देखने लायक होगी. कोहली ने 90.69 की स्ट्राइक रेट और 101.57 की औसत से 711 रन बनाए हैं. जंपा को स्टंप्स को निशाना बनाना पसंद है और देखना यह होगा कि क्या कोहली उनके खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाकर उन्हें हैरान करेंगे.

बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों में भारत का दबदबा

भारत

बल्लेबाज	मैच	रन
विराट कोहली	10	711
रोहित शर्मा	10	550
श्रेयस अय्यर	10	526
केएल राहुल	10	386
शुभमन गिल	8	350

गेंदबाज	मैच	विकेट
मोहम्मद शमी	6	23
जसप्रीत बुमराह	10	18
रविंद्र जडेजा	10	16
कुलदीप यादव	10	15
मोहम्मद सिराज	10	13

ऑस्ट्रेलिया

बल्लेबाज	मैच	रन
डेविड वार्नर	10	528
मिचेल मार्श	9	426
ग्लेन मैक्सवेल	8	398
मार्नस लाबुशेन	10	304
स्टीवन स्मिथ	9	298

गेंदबाज	मैच	विकेट
एडम जम्पा	10	22
जोश हेजलवुड	10	14
मिचेल स्टार्क	9	13
पैट कमिंस	10	13
ग्लेन मैक्सवेल	8	5

इतिहास

विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

- 1983 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 162 रनों से हराया था
- 1983 : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 118 रनों से हराया था
- 1987 : रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 1 रन से हराया
- 1987 : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 56 रनों से हराया
- 1992 : बारिश प्रभाविक खेल में एक रन से हारी भारतीय टीम
- 1996 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 16 रनों से हराया
- 1999 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 77 रनों से हराया
- 2003 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को नौ विकेट से हराया
- 2003 : फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रनों से हराया
- 2011 : क्वार्टर फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया
- 2015 : सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 95 रनों से हराया
- 2019 : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 36 रनों से हराया
- 2023 : इस विश्व कप के लीग मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया

मुर्शिदाबाद: शनिवार को मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में कार्तिक लोहरी के जुलूस के दौरान देवी-देवताओं की मूर्तियों को विसर्जन के लिए ले जाते श्रद्धालु. -फोटो : पीटीआई

आओ जानें

1GB मोबाइल डेटा की औसत लागत

इज़राइल	$0.04	ब्राज़ील	$0.74
इटली	$0.12	यूके	$0.79
भारत	$0.17	ऑस्ट्रिया	$0.94
फ्रांस	$0.23	आइसलैंड	$1.01
उरुग्वे	$0.27	एस्टोनिया	$1.20
बांग्लादेश	$0.32	अर्जेंटीना	$1.48
पाकिस्तान	$0.36	सऊदी अरब	$1.52
टर्की	$0.39	स्वीडन	$1.88
चीन	$0.41	नीदरलैंड	$1.90
डेनमार्क	$0.43	दक्षिण अफ्रीका	$2.04
मलेशिया	$0.45	वेनेज़ुएला	$2.22
इंडोनेशिया	$0.46	जर्मनी	$2.67
रूस	$0.48	मेक्सिको	$2.89
कोलंबिया	$0.49	पुर्तगाल	$3.67
ऑस्ट्रेलिया	$0.57	जापान	$3.85
स्पेन	$0.60	नॉर्वे	$4.44
नाइजीरिया	$0.71	यूएसए	$5.62

ब्रीफ खबरें

एक लाख का इनामी अपराधी मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ। झांसी जिले के मऊरानीपुर इलाके में शनिवार को उत्तर प्रदेश की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी एक अपराधी ढेर हो गया. एसटीएफ ने बयान जारी कर बताया कि मृतक अपराधी की पहचान राशिद कालिया (45) के रूप में हुई है. मुठभेड़ के दौरान उसे पुलिस की गोली लग गई. पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उसके खिलाफ कानपुर और झांसी में लूट, हत्या और हत्या के प्रयास समेत 13 मामले दर्ज हैं.

दक्षिणी फिलीपींस में भूकंप से छह की मौत

मनीला : दक्षिणी फिलीपींस में शुक्रवार को आए भूकंप में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई. दो लोग लापता हैं. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.7 तीव्रता मापी गई. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में शनिवार को यह जानकारी स्थानीय आपदा अधिकारियों के हवाले से दी गई है. जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार शुक्रवार दोपहर भूकंप मिंडानाओ द्वीप पर 60 किलोटर (37 मील) की गहराई पर आया. दक्षिण कोटाबेटो प्रांत में तीन, सारंगानी प्रांत में भूकंप के केंद्र के पास कम से कम दो लोगों की मौत हो गई.

डॉक्टर की पत्नी और बच्चे को कोर्ट से राहत

पेशावर । अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पकड़ने में सीआइए की मदद करने वाले डॉक्टर की पत्नी और बच्चे को पेशावर हाई कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उनका नाम एक्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) से हटाने का निर्देश दिया है. एकल पीठ ने डॉक्टर शकील अफरीदी की पत्नी इमराना शकील की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया है. ईसीएल में उन लोगों के नाम शामिल होते हैं, जिनको कानूनी कारणों से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है.

पोलिंग एजेंट के घर में लगाई आग

भिंड (मप्र) । मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए शुक्रवार को मतदान पूरा हो गया लेकिन रंजिश भड़क रही हैं. चुनावी रंजिश के चलते मतदान खत्म होने के बाद देर रात अज्ञात बदमाशों ने कांग्रेस पोलिंग एजेंट के घर में आग लगा दी. इस आग में ट्रैक्टर और घर-गृहस्थी का सामान खाक हो गया. घटना बरोहा थाना इलाके के डोंगरपुरा गांव की है. कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कटारे के भाई योगेश कटारे शुक्रवार देर रात को थाने पहुंचे. उन्होंने पीड़ित परिवार की सुरक्षा और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की. पुलिस कार्रवाई कर रही है.

बदमाश राशिद कालिया को पुलिस ने किया ढेर

झांसी (उप्र) । शनिवार सुबह एसटीएफ की कानपुर के चर्चित पिंटू सेंगर हत्याकांड में वांछित बदमाश राशिद कालिया के साथ मुठभेड़ हो गई. एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश रशीद के सीने के पास लगी. गंभीर रूप से घायल होने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था. कुछ देर बाद उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया. कालिया ने झांसी में भी एक हत्याकांड को अंजाम दिया था. उस पर 1.25 लाख रुपए का इनाम घोषित था.

भरतपुर में पार्टी की 'विजय संकल्प सभा' में पीएम मोदी ने कहा

जहां-जहां कांग्रेस आती है वहां आतंकवादी बेलगाम

भाषा। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि जहां-जहां कांग्रेस आती है वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं और कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबकुछ है. मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया है. मोदी ने भरतपुर में पार्टी की ''विजय संकल्प सभा'' को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस जहां-जहां आती है वहां-वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं. कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबकुछ है. कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकती है. चाहे इसमें आपका जीवन तक दांव में क्यों ना लगाना पड़े.

मोदी ने कहा, एक तरफ तो भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है, दूसरी तरफ राजस्थान में बीते पांच वर्ष में क्या हुआ? पांच साल में जो बर्बादी हुई उसके लिए जिम्मेदार कौन है? यहां कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया. इसलिए राजस्थान कह रहा है- जादूगर जी कोनी मिले वोट जी (वोट नहीं मिलेंगे). उन्होंने कहा, बीते पांच साल में बहनों-बेटियों, दलितों, वंचितों पर सबसे ज्यादा अपराध हुआ, सबसे ज्यादा जुर्म हुआ. होली हो, रामनवमी हो, हनुमान जयंती हो, कोई भी त्योहार आप लोग शांति से नहीं मना पाए.

खास बातें

- पीएम ने कहा- कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सब कुछ
- पांच साल में जो बर्बादी हुई उसके लिए जिम्मेदार कौन

दंगे, पत्थरबाजी, कर्फ्यू राजस्थान में यही सब चलता रहा है. मोदी ने कहा कि राजस्थान से कांग्रेस को सदा सर्वदा के लिए हटाने की जरूरत है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में दलितों के खिलाफ अत्याचार के नए रिकार्ड बन रहे हैं, कांग्रेस स्वभाव से ही दलित विरोधी है. राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, राजस्थान भाजपा ने शानदार संकल्प पत्र जारी किया है. भाजपा का संकल्प है- राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे. राजस्थान भाजपा ने जो वादे किए हैं, इन्हें पूरा करने के लिए हम जी-जान लगा देंगे. और आपसे किए ये वादे जरूर पूरे होंगे, यह मोदी की भी गारंटी है. राज्य में 25 नवंबर को मतदान होना है. इसका जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि अबसे ठीक एक हफ्ते बाद राजस्थान में मतदान होने वाला है. हर तरफ एक ही गूंज है, जन-जन की यही पुकार आ रही है भाजपा सरकार.

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर एक तरह से कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, कुछ लोग यहां खुद को जादूगर कहते हैं. अब उन्हें आज राजस्थान की जनता कह रही है, तीन दिसंबर कांग्रेस छू मंतर. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है. ये मतदाताओं के कारण हो रहा है क्योंकि आपने वोट देकर दिल्ली में स्थिर व मजबूत सरकार बनाई है, इसलिए आज भारत हर मैदान में जीत रहा है. मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान की महिलाओं के आत्मविश्वास को चकनाचूर कर दिया है. उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री खुद कहते हैं कि दुष्कर्म के फर्जी मामले दर्ज होते हैं. ये क्या हो गया है कांग्रेस को, क्या ऐसे मुख्यमंत्री को, जादूगर को एक मिनट भी कुर्सी पर रहने का हक है? उन्होंने राजस्थान को 'मर्दों का प्रदेश' बताने के लिए बिना नाम लिए गहलोत के एक करीबी मंत्री की भी आलोचना की और कहा कि ऐसी टिप्पणी से महिलाओं के खिलाफ जुल्म होते हैं.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने नेताओं के ऐसे बयान पर शर्म आनी चाहिए. मोदी ने ये टिप्पणी परोक्ष तौर राजस्थान के शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल पर की. मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने इस मंत्री को सजा देने की बजाय इनाम दे दिया है टिकट. दिल्ली में बैठे लोग, वो भी इस बात से सहमत हो गये. इस पाप से सहमत हो गये और इसलिए उनको टिकट दे दिया. सवाल यह उठता है कि जादूगर के एक प्रिय मंत्री के पास वो कौन सी दूसरी लाल डायरी है कि दिल्ली को भी झुकना पड़ा और ऐसे व्यक्ति को टिकट देना पड़ा. मोदी ने कांग्रेस को स्वभाव से 'दलित विरोधी' बताया और आरोप लगाया कि पार्टी एक दलित के मुख्य सूचना आयुक्त बनने को पचा नहीं पा रही है. नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया राजस्थान के डीग जिले के रहने वाले हैं. पहले डीग भरतपुर जिले का हिस्सा था.

तेजाब हमले में दो आरोपी गिरफ्तार

भाषा। महराजगंज (उप्र)

खास बातें

- आरोपियों ने एक युवती पर तेजाब फेंक दिया था
- पीड़िता की शादी तीन महीने पहले ही तय हुई थी

उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में 23 वर्षीय एक युवती पर तेजाब हमले के मामले में मुठभेड़ के बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने यह जानकारी दी. जिले के अपर पुलिस अधीक्षक अतीश कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार देर रात एक मुठभेड़ के बाद पुलिस ने इन दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ शुक्रवार रात करीब डेढ़ बजे हुई, जिसके बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी अनिल वर्मा गोली लगने से घायल हो गया, जबकि राम बचन नाम का दूसरा आरोपी घटनास्थल से भागने के दौरान घायल हुआ. अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया, इन आरोपियों ने अपने साथियों के साथ चार-पांच दिन पहले, इस घटना को अंजाम देने की योजना बनाई थी. तेजाब हमले में घायल युवती और मुख्य आरोपी पिछले कुछ समय से एक दूसरे को जानते थे. उन्होंने बताया कि पीड़िता की शादी तीन महीने पहले तय हो चुकी थी, जिसके चलते मुख्य आरोपी व्यथित था. पुलिस ने कहा कि तेजाब हमले में इस्तेमाल स्कूटी बरामद कर ली गई है और तेजाब के नमूने एकत्र कर लिये गए हैं.

पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार रात धरौली गांव में युवती जब अपनी मां के साथ बाजार से घर लौट रही थी, तभी आरोपी (रामबचन) एक स्कूटी से वहां आया और युवती पर तेजाब फेंककर भाग गया. इस हमले में युवती का चेहरा और शरीर पांच-सात प्रतिशत झुलस गया. पुलिस ने बताया कि गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कालेज में उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर है. पुलिस ने बताया कि दवा दुकानदार अनिल वर्मा ने तेजाब हमले की साजिश रची थी और अपनी दुकान पर काम करने वाले राम बचन को 15,000 रुपये में तेजाब हमला करने के लिए राजी किया था. सिंह ने बताया कि 11 दिसंबर को युवती की शादी होने वाली थी. महाराजगंज के पुलिस अधीक्षक कौस्तुभ ने शुक्रवार को कहा था कि आरोपी की पहचान करने और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 टीम गठित की गई हैं और फॉरेंसिक टीम भी इस मामले की जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि युवती की हालत में सुधार हो रहा है.

टिकटॉक : नेपाल सरकार ने आग्रह ठुकराया

काठमांडू। नेपाल फिलहाल चीन के सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक को राहत देने के पक्ष में नहीं है. नेपाल में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के बाद चीन की इस कंपनी के हाथ-पांव फूल गए हैं. टिकटॉक ने करीब 30 लाख वीडियो डिलीट कर नेपाल सरकार को पत्र लिखा. पत्र में नेपाल सरकार से प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया गया. नेपाल ने फिलहाल प्रतिबंध वापस लेने से इनकार कर दिया है. कहा कि वह कानून के दायरे में रहकर काम करने को तैयार है. इस संबंध में करीब 29 लाख 98 हजार वीडियो डिलीट कर दिए हैं. इसलिए सरकार प्रतिबंध लगाने के फैसले को वापस ले. टिकटॉक के दक्षिण एशियाई देशों के कानूनी सलाहकार फर्डोस मोटाकिन ने नेपाल सरकार के निर्णय पर दुख व्यक्त किया है.

पुलिस थाने पर हमला करने के आरोप में तीन व्यक्ति गिरफ्तार

- पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर थाने में किया हंगामा

भाषा। कोझिकोड (केरल)

केरल के कोझिकोड जिले में शराब के नशे में एक पुलिस थाने पर कथित तौर पर हमला करने और वहां तैनात कर्मियों के साथ मारपीट करने के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है. यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी. पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात को एक बस स्टॉप पर हंगामा करने वाले समूह के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बाद यहां बालुसेरी पुलिस थाने पर हमला किया गया. पुलिस ने बताया कि निधिन, राबिन बेबी और बबिनेश को जबरदस्ती हिरासत में ले लिया गया और घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने बताया कि तीनों कई आपराधिक मामलों में आरोपी हैं. अधिकारी ने बताया, हमने यहां एक बस स्टॉप पर कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने के लिए शुक्रवार सुबह उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किया था. बाद में उन्हें छोड़ दिया गया. उन्होंने बताया कि पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर वे रात में थाने में घुस आए और तैनात कर्मियों पर हमला किया. पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है और बाद में एक स्थानीय अदालत ने उन्हें हिरासत में भेज दिया.

लंदन में सिख किशोर की चाकू मारकर हत्या, चार गिरफ्तार

भाषा। लंदन

दक्षिण-पश्चिम लंदन में रोडरेज (सड़क पर हुए एक झगड़े) में एक सिख किशोर की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी. लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि किशोर की पहचान सिमरजीत सिंह नागपाल के रूप में की गयी है. मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि सिमरजीत की हत्या के सिलसिले में चार लोगों को दबोच लिया है. सिमरजीत की हत्या बुधवार तड़के लंदन के हाउंस्लो क्षेत्र में हुई थी. पुलिस की विशेषज्ञ अपराध इकाई ने कहा कि वे 17 वर्षीय सिमरजीत की दुखद मौत से जुड़ी घटनाओं की जांच जारी रखेंगे और सिख समुदाय को इस हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का आश्वासन दिया. जासूस पुलिस निरीक्षक मार्टिन थोर्पे ने कहा कि इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और हमारी पूछताछ जारी है.

खास बातें

- सड़क पर हुए मामूली झगड़े में मार दिया चाकू
- गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही मेट्रोपॉलिटन पुलिस

पाकिस्तान से 10 लाख से ज्यादा अफगान नागरिक भेजे जाएंगे वापस

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में रह रहे करीब 13 लाख अफगान नागरिकों को अपने देश लौटना होगा. ये लोग पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे हैं. पाकिस्तान में अवैध तरीके रहने वाले अफगान नागरिकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने यह चेतावनी दी. सर्दियों की शुरुआत और अंतरराष्ट्रीय व देश के मानवाधिकार समूहों द्वारा इस अभियान की व्यापक आलोचना के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बृहस्पतिवार को चेतावनी जारी किया था. पाकिस्तान का कहना है कि शरणार्थी के रूप में पंजीकृत 14 लाख अफगानी लोगों को डरने की जरूरत नहीं है.

युद्ध के 43वें दिन इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने पहले शहर खाली करने की दी थी चेतावनी

दक्षिणी गाजा में इजराइल के हमले में 26 की मौत

भाषा। तेल अवीव/यरुशलम

गाजा पट्टी में फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच छिड़े युद्ध के 43वें दिन शनिवार को भी घमासान मचा हुआ है. इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) हमास के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है . इस बीच इजराइल की सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर पर मिसाइलें दागी हैं. इस हमले में 26 फिलिस्तीनी मारे गए हैं. इनमें अधिकांश बच्चे हैं. इजराइल का कहना है कि यहां के लोगों को खान यूनिस को खाली करने की अग्रिम चेतावनी दी गई थी. इसके बाद हमास के ठिकानों पर मिसाइल अटैक किया गया. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइल की थल सेना ने मोर्चा संभालते हुए हमास के ठिकानों को चुन-चुनकर निशाना बनाना शुरू कर दिया है. खान यूनिस पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी गई हैं. इजराइली सेना ने हमले से पहले लोगों को खान यूनिस को खाली करने की चेतावनी दी थी. आईडीएफ ने कहा था कि अगर इस शहर को खाली नहीं किया गया तो अंजाम बुरा होगा. इस संबंध में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी मार्क रेगेव का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा है कि गाजा के लोगों को चेतावनी जारी की गई थी. साफ कहा गया था कि सेना हमास के खात्मे के लिए खान यूनिस पर हर तरह के हमले करेगी.

खास बातें

- गाजा के खान यूनिस शहर पर मिसाइलें दागी
- चेताया, शहर खाली नहीं किया तो अंजाम बुरा होगा

हाल जाना कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व गहलोत अस्पताल में भर्ती इंजीनियर से मिले

भाजपा गरीब के साथ नहीं, दलित विरोधी है : खड़गे

भाषा। जयपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को यहां के एसएमएस अस्पताल में दलित इंजीनियर हर्षादिपति वाल्मीकि से मुलाकात की. इन दोनों नेताओं ने इस मामले में आरोपी विधायक को भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव में टिकट दिए जाने की आलोचना की और इसे उसकी दलित विरोध सोच का नमूना बताया.

हर्षाधिपति को पिछले साल धौलपुर में बाड़ी के विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा और उनके समर्थकों ने कथित तौर पर बेरहमी से पीटा था. कांग्रेस ने अपने विधायक मलिंगा को इस विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया.

मलिंगा बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए जिसने उन्हें बाड़ी से उम्मीदवार बनाया है. राज्य में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं. बिजली विभाग में सहायक अभियंता अब भी यहां उपचाराधीन हैं और चल फिर नहीं सकते. उनसे मुलाकात के बाद खरगे व गहलोत ने मलिंगा को टिकट देने के लिए भाजपा पर निशाना साधा. खरगे ने कहा कि इस घटना की वजह से कांग्रेस ने अपने ही विधायक मलिंगा को टिकट नहीं दिया था तो वह भाजपा में शामिल हो गए और उसी दिन उन्हें टिकट मिल गया. उन्होंने कहा, हम ऐसे लोगों को दूर रखना चाहते हैं. हमने टिकट काट दिया. वहीं भाजपा एक तरफ तो बोलती है कि हम गरीबों की रक्षा करते हैं, हमारे प्रधानमंत्री जी तो हमेशा बोलते हैं कि गरीब के साथ हैं लेकिन यहां तो वह मर रहा है जिसे उसने मारा है. ऐसे आदमी को अगर भाजपा टिकट देती है तो यह शर्मनाक है. मैं इसकी निंदा करता हूं. उन्होंने कहा, इस देश में ऐसी घटनाएं अनुसूचित जाति के लोगों व गरीबों के साथ हो रही हैं. ऐसी सामाजिक स्थिति है इस देश में कि एक वर्ग को घृणा व नफरत की दृष्टि से देखा जाता है. यह अच्छा नहीं है. गहलोत ने भी मलिंगा को टिकट देने के लिए भाजपा पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, भाजपा ने तो काला अध्याय लिख दिया है राजस्थान की राजनीति में. जिस घटना की उसने आलोचना की थी उसके ही आरोपी को पार्टी ज्वाइन करवाकर गले लगाया, लड्डू खाये, सब कुछ किया और टिकट दे दी. उन्होंने कहा, सरकार गिराने के लिए किस हद तक गिर सकती है भाजपा उसका यह नमूना है. अब जनता फैसले करे कि भाजपा की सोच क्या है.

खास बातें

- पीटने वाले आरोपी विधायक को भाजपा ने टिकट दिया
- गहलोत ने कहा-भाजपा ने काला अध्याय लिखा है

अमृतसर में फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) द्वारा आयोजित एक फैशन शो के दौरान अभिनेत्री करिश्मा कपूर. -फोटो : पीटीआई

तेलंगाना में भाजपा मुस्लिम आरक्षण खत्म करेगी : शाह

एजेंसी । हैदराबाद

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को ऐलान किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी विधानसभा चुनावों में यदि सत्ता में आती है तो वह तेलंगाना के सभी लोगों के लिए अयोध्या में राम मंदिर की मुफ्त यात्रा सुनिश्चित करेगी. उन्होंने गडवाल, नलगोंडा और वारंगल में चुनावी रैलियों को संबोधित किया. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों के दौरान राम मंदिर के निर्माण में बाधा डाली और देरी की. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर का भूमि पूजन किया था और प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को की जाएगी.

शाह ने रैली में मौजूद लोगों से तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनाने की अपील की और कहा कि पार्टी नीत सरकार सभी लोगों को अयोध्या में भगवान राम के मुफ्त दर्शन कराने की व्यवस्था करेगी. राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी. तेलंगाना में, के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इसने मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया, जो असंवैधानिक है. शाह ने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो धर्म के आधार पर दिये गए आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) तथा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का 'कोटा' बढ़ाया जाएगा. उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस, दोनों को पिछड़ा वर्ग विरोधी दल बताते हुए दावा किया कि केवल भाजपा और

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही पिछड़ा वर्ग का कल्याण कर सकते हैं. उन्होंने पिछड़े वर्ग से आने वाले नेता को राज्य का मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का वादा भी दोहराया. बीआरएस सरकार के कथित अधूरे वादों को गिनाते हुए शाह ने अपने भाषण में कहा कि केसीआर सरकार ने झूठे वादे करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है. शाह ने तेलंगाना की आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत होने का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री पद इस समुदाय से आने वाले नेता को दिया जाएगा.

उन्होंने बीआरएस को 'भ्रष्टाचार रिश्वत समिति' करार देते हुए आरोप लगाया कि कालेश्वरम सिंचाई परियोजना और मिशन भागीरथ सहित विभिन्न सरकारी परियोजनाओं में करोड़ों रुपयों का भ्रष्टाचार हुआ है. शाह ने बीआरएस विधायकों पर यह आरोप भी लगाया कि वे दलित बंधु योजना के लाभार्थियों से एक लाख से तीन लाख रुपये तक की रिश्वत ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा लूट खसोट की रकम भ्रष्टाचारियों से राज्य के खजाने में वापस जमा कराने को सुनिश्चित करेगी. उन्होंने कहा कि तेलंगाना के युवा राज्य लोक सेवा आयोग के प्रश्न पत्र 16 बार लीक होने से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं. भाजपा पारदर्शी तरीके से युवाओं को पांच वर्षों में 2.5 लाख सरकारी नौकरियां मुहैया करेगी. वहीं, बीआरएस सरकार पर हमला जारी रखते हुए आरोप लगाया कि यह तुष्टिकरण की राजनीति में शामिल है. राज्य सरकार ने उर्दू को दूसरी भाषा का दर्जा और मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया है. उन्होंने बीआरएस, असदुद्दीन ओवैसी नीत ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और कांग्रेस को 'टूजी, थ्रीजी और फोरजी' दल करार दिया. शाह ने कहा कि इसका मतलब है कि बीआरएस का नेतृत्व केसीआर और उनके बेटे, एआईएमआईएम का नेतृत्व ओवैसी परिवार की तीन पीढ़ियां और कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक नेतृत्व कर रहे हैं. उन्होंने मतदाताओं से तेलंगाना को इन दलों से मुक्त कराने और भाजपा को अवसर देने का आग्रह किया. कांग्रेस और बीआरएस को 'परिवारवाद' करार देते हुए शाह ने दावा किया कि केसीआर अपने बेटे के.टी. रामा राव को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि (कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष) सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं. उन्होंने कहा, हमने निर्णय लिया है कि यदि हमारी सरकार बनती है तो कोई बेटा-बेटी मुख्यमंत्री नहीं बनेगा, बल्कि पिछड़ा वर्ग के गरीब परिवार से आने वाला नेता मुख्यमंत्री बनेगा. यह चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन और केसीआर की अनदेखी के बीच एक को चुनने के लिए है. राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर हैदराबाद मुक्ति दिवस (17 सितंबर 1948, जिस दिन निजाम के शासन वाले पूर्ववर्ती रियासत हैदराबाद का भारत संघ में विलय किया गया था) आधिकारिक रूप से मनाया जाएगा.

'मध्यप्रदेश में लाडली बहना योजना से नाराज महिलाओं का दिख रहा असर'

रिजल्ट से पहले कांग्रेस ने किया जीत का दावा

शुभम संदेश नेटवर्क

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बैजनाथ सिंह यादव ने अपनी जीत का दावा किया है. बैजनाथ यादव ने कहा कि लाडली बहना का 5 प्रतिशत ही असर है, लेकिन फिर भी कई पात्र हितग्राहीं महिलाएं इस योजना में शामिल नहीं हो पाईं. जिस कारण से महिलाओं में नाराजगी है. इन महिलाओं की नाराजगी का फायदा कांग्रेस को मिला है. उन्होंने दावा किया कि कोलारस विधानसभा सीट से उनकी जीत 20 हजार से ज्यादा वोटों से होगी. उन्होंने राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया. बैजनाथ सिंह यादव, ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक नेता थे. वह कांग्रेस के शिवपुरी जिला अध्यक्ष भी रहे हैं. ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में उन्होंने 2020 में कांग्रेस छोड़ दी थी. उन्होंने कहा कि बीजेपी में प्राथमिकता नहीं मिली जिस कारण उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी. कांग्रेस ने बैजनाथ यादव को कोलारस विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया था.

मुझे मिला है 75 प्रतिशत यादवों का वोट : बैजनाथ सिंह यादव

कांग्रेस प्रत्याशी बैजनाथ सिंह यादव के खिलाफ भाजपा ने भी महेंद्र यादव को टिकट दिया है. कोलारस सीट पर यादव वर्सेस यादव का मुकाबला था. बैजनाथ सिंह यादव ने दावा किया कि उन्हें इस विधानसभा क्षेत्र के 75 प्रतिशत यादवों का वोट मिला है क्योंकि उनकी जाति के लोग बीजेपी प्रत्याशी महेंद्र यादव से परेशान थे. उन्होंने दावा किया कि उनको समाज के 75 प्रतिशत वोट उन्हें मिले हैं. बैजनाथ सिंह यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार में जनता परेशान थी, भ्रष्टाचार चरम पर है, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग में सब जगह भाजपा के एजेंट के तौर पर अधिकारी काम कर रहे हैं. इन अधिकारियों को बीजेपी नेताओं का संरक्षण है.

ज्योतिरादित्य सिंधिया के कहने पर छोड़ दी थी कांग्रेस पार्टी

बैजनाथ सिंह यादव ने बताया कि शिवपुरी जिले का कांग्रेस अध्यक्ष उन्हें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बनवाया था. जब ज्योतिरादित्य सिंधिया, कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में गए तो उनके कहने पर उन्होंने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया. बैजनाथ सिंह यादव ने कहा कि मुझे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ही बनाया था.

उदयपुर में कन्हैया हत्याकांड पर भाजपा पर बरसे सीएम गहलोत

शुभम संदेश नेटवर्क

राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की गारंटी रैली के तहत शनिवार को भरतपुर के वैर में सभा आयोजन हुआ. इस सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार की योजनाओं का गुणगान करते हुए कांग्रेस को फिर से वोट देने की अपील की. इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी संबोधित किया. इससे पहले गहलोत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर बीती रात उदयपुर में भाजपा को जमकर घेरा. उन्होंने कहा कि कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपियों के साथ किनका फोटो था, यह सब जानते हैं. इससे पहले भी गहलोत ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि कन्हैया लाल हत्याकांड मामले में बीजेपी के लोग शामिल हैं.

गहलोत ने अपनी 7 गारंटियों का बखान किया

रोड शो के दौरान सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि हमने राजस्थान के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी है. राजस्थान में हमने सभी को स्वास्थ्य बीमा और स्वास्थ्य के अधिकार कानून दिए हैं. शहरों में भी नरेगा की तर्ज पर लोगों को रोजगार दिया है. बुजुर्ग लोगों की पेंशन बढ़ाई है. इस दौरान गहलोत ने सरकार रिपीट होने के बाद कांग्रेस की ओर से दी जाने वाली सात गारंटियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. उदयपुर में गहलोत का रोड शो सुखाडिया सर्कल से रवाना हुआ. इसमें सीएम अशोक गहलोत और गौरव वल्लभ लोगों का अभिवादन करते हुए वाहन में सवार थे. इस दौरान उदयपुर ग्रामीण विधानसभा के प्रत्याशी विवेक कटारा के समर्थन में परशुराम चौराहे पर सभा का आयोजन भी किया गया. इसमें विवेक कटारा समेत कांग्रेस के कई नेता उपस्थित थे.

नारी शक्ति ने दिखाया उत्साह, एमपी में 72% और छग में 75% वोटिंग

शुभम संदेश नेटवर्क

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में इस बार महिलाओं का ज्यादा उत्साह नजर आ रहा है. राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं के लिए कई लुभावने वादे किए हैं. इसका असर शुक्रवार को संपन्न दूसरे चरण के मतदान में भी दिखा. मध्यप्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों और छत्तीसगढ़ की बाकी बची 70 विधानसभा सीटों के लिए छिटपुट हिंसा के बीच मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया. दोनों राज्यों में मतदान केंद्रों पर महिलाएं सुबह से ही कतार में नजर आईं.

एमपी में 76, छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत वोटिंग: मध्यप्रदेश में कम से कम 76.22 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 75 फीसदी मतदान हुआ. इसी के साथ पांच चुनावी राज्यों में से तीन में मतदान की प्रक्रिया पूरी हो गई है. इससे पहले, मिजोरम की सभी 40 सीटों और छत्तीसगढ़ की 20 सीटों के लिए सात नवंबर को मतदान हुआ था. राजनीतिक दलों ने अब राजस्थान और तेलंगाना में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. पांचों राज्यों के नतीजे एक साथ तीन दिसंबर को आएंगे.

भाजपा हो या कांग्रेस, महिलाओं से सबको आस महिला केंद्रित योजनाएं :

- मध्यप्रदेश में भाजपा और कांग्रेस ने महिला मतदाताओं से तरह-तरह के वादे किए हैं.
- कांग्रेस ने नारी सम्मान योजना में 1500 रुपए महीने देना का ऐलान किया. भाजपा ने लाड़ली बहना योजना लागू करके 1000 रुपए महीना देना शुरू कर दिया.
- कांग्रेस ने 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर का ऐलान किया तो भाजपा ने 450 रुपए में गैस सिलेंडर देना शुरू कर दिया.
- मध्यप्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा ने हर बूथ पर लाड़ली संग सेल्फी अभियान चलाया. तो महिला कांग्रेस ने हर जगह 1500 रुपए गारंटी के साथ देने की बात की.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)